हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 24.04.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 270 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

पहलगाम में हुए आतंकी हमले में सुरक्षा एजेंसियों ने तीन लोगों के स्केच किए जारी

एजेंसी

श्रीनगर : पहचाने गए पहलगाम के गुनहगार, अब होगा 26 मौतों का इंसाफ, जारी की गई आतंकियों की तस्वीरसुरक्षा एजेंसियों ने जिन आतंकियों की तस्वीर जारी की है उनमें से तीन आतंकी इस हमले में शामिल रहे हैं।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों की तस्वीर अब सामने आ गई है। जो तस्वीर सामने आई है उसमें दिख रहे तीन आतंकी इस हमले में शामिल बताए जा रहे हैं। पुलिस की विशेष टीमें इन आतंकियों की तलाश में इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रही है। अभी तक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस हमले में कुल छह आतंकियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। सुरक्षा एजेंसियों ने इससे पहले आतंकियों के तीन स्केच भी जारी किए थे। केंद्रीय एजेंसी के सूत्रों के अनुसार, प्रतिबंधित पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के से जुड़े- द रेजिस्टेंस फ्रंट ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

सेना के ऑपरेशन के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी है। अमित शाह उस जगह पर भी गए जहां आतंकियों ने इस कायराना हमले को अंजाम दिया था।आपको बता दें कि इस हमले में 26 लोगों की जान गई है जबकि 20 के करीब लोग घायल बताए जा रहे हैं। आतंकियों की तलाश के लिए इलाके में सेना सघन सर्च ऑपरेशन चला रही है।

आपको बता दें कि पहलगाम हमले को लेकर पीएम मोदी एक्शन मोड में दिख रहे हैं। उन्होंने इस हमले की सूचना मिलते ही अपने सऊदी अरब के दौरे को बीच में ही छोड़कर स्वदेश वापस लौट आए हैं। बुधवार सुबह उनका विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर लैंड किया।

मामले की गंभीरता को समझते हुए पीएम मोदी ने बगैर कोई भी वक्त गंवाए एयरपोर्ट पर हाई लेवल बैठक की। इस बैठक सुरक्षा एजेंसियों के बड़े अधिकारियों के साथ-साथ एनएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार पीएम मोदी ने इस हमले में शामिल आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देने और उनका साथ देने वालों पर भी कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले से आहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब दौरा रद्द कर तुरंत भारत लौट आए हैं। दिल्ली पहुंचते ही एयरपोर्ट पर उन्होंने आपात बैठक बुलाई। इस अति महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस। जयशंकर और विदेश सचिव मौजूद थे।

प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा से वापसी के तुरंत बाद इस उच्च स्तरीय बैठक में हमले की गंभीरता, अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और सुरक्षा रणनीतियों पर विस्तार से मंथन किया गया।

पीएम मोदी की बुलाई सीसीएस की आपात बैठक में आतंकियों पर कठोर कार्रवाई का एलान

नयी दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद देश में सुरक्षा को लेकर उच्च स्तर पर चिंतन और कार्रवाई जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली लौटने के तुरंत बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की आपात बैठक बुलाई। पीएम इस बैठक के लिए सऊदी अरब की अपनी यात्रा को बीच में छोड़कर लौटे। इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करना और आगे की रणनीति तय करना था। बैठक से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक कार्यक्रम में कहा कि पहलगाम में हुए कायरतापूर्ण हमले में निर्दोष लोगों की जान गई, जिससे सरकार बेहद दुखी है। उन्होंने स्पष्ट कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हैं। हम सिर्फ हमले को अंजाम देने वालों तक नहीं रुकेंगे, बल्कि पर्दे के पीछे बैठे साजिशकर्ताओं को भी पकड़ेंगे। जल्द ही उन्हें करारा जवाब मिलेगा। राजनाथ सिंह ने इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, एयरफोर्स चीफ एयर मार्शल एपी सिंह और अन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ अलग से बैठक कर क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति पर चर्चा की। इससे पहले दिन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इसके बाद वे अनंतनाग जिले के बैसारन घास के मैदान पहुंचे, जहां मंगलवार को आतंकियों ने पर्यटकों पर हमला किया था। शाह ने हमले के पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें न्याय का आश्वासन दिया। हमले की जांच में मदद के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी की टीम भी मौके पर पहुंची और जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर जांच शुरू कर दी है। इस बीच, सुरक्षा बलों ने आतंकियों की तलाश के लिए बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है और पूरे क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

गृहमंत्री अमित शाह ने मृतकों को दी श्रद्धांजलि

श्रीनगर : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और अन्य शीर्ष अधिकारी पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज सुबह पुलिस नियंत्रण कक्ष श्रीनगर पहुंचे। केंद्रीय गृहमंत्री शाह श्रद्धांजलि देने के बाद पहलगाम के बैसरन के लिए रवाना हो गए। बैसरन में मंगलवार को सशस्त्र आतंकवादियों ने नागरिकों पर गोलीबारी की थी जिसमें 27 लोग मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। आतंकवादी हमले के बाद शाह कल देर शाम श्रीनगर पहुंचे और एक सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा : अमित शाह

श्रीनगर : देश को झकझोर देने वाले आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, श्री शाह ने दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले में पहलगाम के पास बैसरन घास के मैदानों का दौरा किया, जहां 25 पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें मौके पर चल रहे ऑपरेशन की परिस्थितियों और प्रगति के बारे में जानकारी दी। श्री शाह ने शोकाकुल परिजनों से भी मुलाकात की, जिनमें से कई दर्दनाक अनुभव साझा करते हुए रो पड़े। श्री शाह ने 'एक्स' पर लिखा, पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में अपने प्रियजनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुख को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैं इन सभी परिवारों और पूरे देश को भरोसा दिलाता हूं कि निर्दोष लोगों की हत्या करने वाले इन आतंकवादियों को बिल्कुल भी नहीं बख्शा जाएगा। बाद में श्री शाह ने अनंतनाग में सरकारी मेडिकल कॉलेज का दौरा किया और घायल पर्यटकों से मुलाकात की और उनका समर्थन किया। इससे पहले दिन में शाह ने श्रीनगर में मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस घटना को 'कायरतापूर्ण आतंकी हमला' बताया। उन्होंने लिखा, भारी मन से, पहलगाम आतंकवादी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि देता हूं। भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा। इस कायरतापूर्ण आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मंगलवार दोपहर को हुए हमले के कुछ घंटों बाद गृह मंत्री श्रीनगर पहुंचे और एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें अधिकारियों को अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए।

बोकारो के युवक ने आतंकी हमले पर जताई खुशी, गिरफ्तार

बोकारो : जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को हिला कर रख दिया है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इस बीच एक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट ने बवाल मचा दिया है। एक यूजर, जिसने खुद को इस्लामिक वकील और झारखंड का बोकारो निवासी बताया है, उसने लिखा, "शुक्रिया पाकिस्तान, शुक्रिया लश्कर-ए-तैयबा, अल्लाह तुम्हें हमेशा खुश रखे, आमीन, आमीन। हमें ज्यादा खुशी होगी अगर आरएसएस, बीजेपी, बजरंग दल और मीडिया को निशाना बनाया जाए।" इसके बाद उसने एक और पोस्ट साझा किया और लिखा, "हर लम्हा 24 घंटे शबाना रोज पुरे साल #Pahalgam में भारी फोर्स की मौजूदगी होती है। बावजूद इसके हिंदू भाइयों का कत्ल ए आम हशतगर्द तंजीम इखढ की बड़ी साजिश है। पुलवामा की तरह, मजहबी सफर अमरनाथ से कब्ल यह हमला उमर अब्दुल्लाह को बदनाम करने की बुरी साजिश है।" इस पर यूजर्स ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है और झारखंड पुलिस को टैग करते हुए कार्रवाई की मांग की है। इसके बाद बोकारो पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मारे गए लोगों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये देगी जम्मू-कश्मीर सरकार

घायलों को 2-2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा

जम्मू : जम्मू-कश्मीर सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिवारों को 10 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सरकार ने पीड़ितों को उनके घरों तक सम्मानजनक तरीके से पहुंचाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने कहा कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ बर्बर और मूर्खतापूर्ण क्रूरता का समाज में कोई स्थान नहीं है। कोई भी धनराशि प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती है, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में जम्मू-कश्मीर सरकार मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायल लोगों के लिए 2-2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायल लोगों के लिए 1-1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

सीएम हेमन्त सोरेन ने पहलगाम हमले को बताया कायराना

रांची : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए अतांकी हमले पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने दुख प्रकट किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडस एक्स पर कहा, "जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला झकझोर देने वाला है। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दु:ख की विकट घड़ी सहन करने की शक्ति दे। हमले में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं"।

आतंकियों को ऐसा जवाब दिया जाएगा कि दुनिया देखेगी : राजनाथ

नयी दिल्ली : पहलगाम हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकियों को सीधे ललकारते हुए कहा कि नापाक साजिश रचने वालों को ऐसा जवाब दिया जाएगा कि दुनिया देखेगी। भारत ऐसे हमलों से कतई नहीं डरेगा और हम पर्दे के पीछे छिपे लोगों को भी मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के चलते भारत इस हमले की साजिश की तह तक जाएगा और हम जोरदार तरीके से जवाब देंगे। रक्षा मंत्री बुधवार शाम को नई दिल्ली में 'अर्जन सिंह स्मृति व्याख्यान' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल पहलगाम में धर्म को निशाना बनाते हुए आतंकवादियों के कायरतापूर्ण हमले में हमारे देश ने अनेक निर्दोष नागरिकों को खोया है। इस घोर अमानवीय कृत्य ने हम सभी को गहरे शोक और दर्द में डुबो दिया है। उन सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने इस दुखद समय में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। भारत का एक-एक नागरिक इस कायरतापूर्ण हरकत के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वो कदम उठाएगी, जो जरूरी और उपयुक्त होगा।

सितंबर के दूसरे सप्ताह तक कर दिया जाएगा सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन

जेएसएससी ने हाई कोर्ट को प्रस्तुत की समय सीमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने सहायक आचार्य रिजल्ट के प्रकाशन के संबंध में शपथ पत्र के माध्यम से एक टाइम लाइन झारखंड हाई कोर्ट को प्रस्तुत की। इसमें सितंबर माह के द्वितीय सप्ताह में सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन कर दिया जाएगा।

जेएसएससी की ओर से बताया गया है कि सहायक आचार्य के ग्रेजुएट लेवल ट्रेंड टीचर (कक्षा 6 से 8) के मैथ एवं साइंस टीचर के लिए जुलाई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। वहीं सोशल साइंस के टीचर के लिए जुलाई के तृतीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा और लैंग्वेज टीचर के लिए अगस्त के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा। इंटरमीडिएट ट्रेंड टीचर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षकों के लिए सितंबर के द्वितीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। जेएसएससी के इस टाइमलाइन को स्वीकार कर लिया गया। जेएसएससी की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव रंजन एवं अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने पैरवी की।

झारखंड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्तर पर 26,001 सहायक आचार्य की नियुक्ति होनी है। हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने झारखंड के स्कूलों में सहायक आचार्य की नियुक्ति की प्रक्रिया में देरी पर नराजगी जताई थी। खंडपीठ ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह शिक्षकों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रस्तावित समय-सीमा को जनवरी 2026 को कम करे और सुनिश्चित करें कि शिक्षकों की नियुक्ति दो या तीन महीने के भीतर हो जाए।

दरअसल, 8 अप्रैल को राज्य सरकार के स्कूली शिक्षा विभाग ने कोर्ट को बताया था कि राज्य में 26 हजार सहायक आचार्य की नियुक्ति जल्द कर ली जाएगी। मामले में शपथ पत्र के माध्यम से झारखंड कर्मचारी चयन आयोग ने नियुक्ति प्रक्रिया पूरी होने के संदर्भ में समय-सीमा प्रस्तुत की थी। प्रस्तावित समय-सीमा के अनुसार, शिक्षकों की नियुक्ति में जनवरी 2026 तक का समय लगने की बात कही गई थी जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई थी और समय सीमा को कम करने को कहा था। प्रार्थी ने याचिका में झारखंड के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी बताते हुए जल्द शिक्षकों की नियुक्ति करने का आग्रह किया है। याचिका में इस संबंध में शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के अनुपालन की मांग की गई है।

झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर हाई कोर्ट नाराज

रांची : झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर हाई कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताई है। साथ ही गृह सचिव को उपस्थित होने का आदेश दिया है। जेल मैनुअल में सुधार और जेल में कैदियों की स्थिति से संबंधित कोर्ट के स्वत: संज्ञान की सुनवाई हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में बुधवार को हुई। मामले में सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देश के आलोक में अब तक झारखंड में मॉडल जेल मैनुअल नहीं बनने पर खंडपीठ ने कड़ी नाराजी जताई। कोर्ट ने मामले में गृह सचिव को 28 अप्रैल को कोर्ट में हाजिर होने को कहा है। हाई कोर्ट ने कहा कि तीन महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने जेल मैनुअल से संबंधित एक आदेश पारित किया है लेकिन तीन माह के बाद भी अब तक इसका अनुपालन झारखंड सरकार नहीं कर सकी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत सभी राज्यों के लिए एक मॉडल जेल मैनुअल बनाया जाना है। इससे पूर्व राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि मॉडल जेल मैनुअल बनाने के लिए प्रक्रिया चल रही है। सरकार की ओर से कुछ और समय की मांग मॉडल जेल मैनुअल बनाने के लिए की गई।

पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ भाजपा ने निकाला मशाल जुलूस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए दर्दनाक आतंकी हमले में 26 पर्यटकों और दो स्थानीय नागरिकों की निर्मम हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस जघन्य वारदात के विरोध में भारतीय जनता पार्टी, बफार्नी ग्रुप, राष्ट्रीय युवा शक्ति तथा कई सामाजिक संगठनों ने बुधवार को रांची में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही विरोध में मशाल जुलूस निकाला। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से शुरू हुआ यह मशाल जुलूस कचहरी चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पर समाप्त हुआ।

प्रदर्शनकारियों के हाथों में जलती हुई मशालें थीं और देशद्रोहियों के खिलाफ नारे गूंज रहे थे। पूरे माहौल में गुस्सा और आक्रोश साफ झलक रहा था। प्रदर्शन के दौरान भाजपा नेताओं ने आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की और केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक एवं कठोर कार्रवाई की मांग की।

इस विरोध कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी, हटिया विधायक नवीन जायसवाल और राज्य मंत्री संजय सेठ समेत कई वरिष्ठ भाजपा नेता शामिल हुए। नेताओं ने कहा कि यह हमला केवल मासूम नागरिकों पर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा पर हमला है और ऐसी घटनाएं अब देश किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेगा। भाजपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि अब समय आ गया है, जब देश के भीतर और बाहर मौजूद आतंकी ताकतों के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ी जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में निर्दोष पर्यटकों की हत्या ने पूरे देश को आक्रोशित और एकजुट कर दिया है।

भाजपा पीड़ित परिवार के साथ है : बाबूलाल

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड भाजपा इस दुख की बेला में उनके साथ खड़ी है।

एक नजर

दनुआ में डबल सड़क हादसा, कई घायल

चौपारण : प्रखण्ड के दनुवा घाटी में सड़क दुर्घटनाओं का मंजर जारी है। बुधवार को दनुवा घाटी में एक पुल के समीप एक ट्रेलर पलट गई। ट्रेलर पलटने से चालक बुरी तरह से घायल हो गया। घटना की सूचना पाकर चौपारण पुलिस दल ने घायल को अस्पताल में भेजवाया वहीं ट्रक को साइड करवाया। घायल चालक भीम सिंह पिता अभय सिंह, जिला भीलवाड़ा यूपी का बताया जाता है। यह टाटा से लोहे का रिंग को लोड करके आगरा जा रहा था। वही दूसरी दुर्घटना शादी में कोलकता आसनसोल से गया जा रहे स्विफ्ट गाड़ी को पीछे से अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे गाड़ी में सवार चांदनी कुमारी, सोनी कुमारी, पिंकी कुमारी बुरी तरह से घायल हो गई। दुर्घटनाओं पर विराम लगाने के लिए एनएचएआई नहीं कर रहा कोई पहल। दनुवा घाटी में आए दिन सड़क दुर्घटना हो रही है। जिसमें कई निर्दोष लोगों का जाने जा रही है। कई लोग घायल हो रहे हैं। किसी का सुहाग उजड़ रहा है तो किसी के घर का चिराग, उसके बाद भी एनएचएआई द्वारा घाटी में दुर्घटनाओं पर विराम लगाने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। जबकि वाहनों से रोड टैक्स,टोल टैक्स, फिटनेस चार्ज सहित अन्य कई तरह के टैक्स के नाम से सरकार द्वारा मोटी रकम वसूली जाती है, पर सरकार व विभाग के अधिकारियों के असंवेदनशीलता के कारण दनुवा घाटी में दुर्घटनाओं का मंजर जारी है।

ब्लॉक मोड और दैनिक बाजार में जल मीनार खराब, लोग परेशान

बड़कागांव : बड़कागांव मुख्यालय से सटा ब्लॉक मोड़ के पास विगत एक माह से वहीं बड़कागांव दैनिक बाजार में 15 दिनों से जल मीनार खराब पड़ा है जिसके कारण ग्रामीणों को पेयजल की समस्या से जुझना पड़ रहा है। ब्लॉक मोड़ के पास स्कूल ,कॉलेज ब्लॉक व अन्य आवागमन कर रहे राहगीरों के लिए वहीं दैनिक बाजार में सैकड़ो लोग सब्जी खरीदने एवं कारोबार करने वालों के लिए पेयजल की समस्या उत्पन्न हो गई है। भीषण गर्मी को देखते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता ज्ञानेश्वर शर्मा ने प्रशासन से प्रखंड में बंद पड़े जल मीनारों को मरम्मत करवा कर पानी चालू करवाने की मांग की है। मामले को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार मंडल से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि पीएचडी विभाग से बात कर बनाने का प्रयास किया जाएगा।

कंडसार में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

हजारीबाग : श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी द्वारा कटकमसांडी प्रखण्ड स्थित कंडसार में बुधवार को निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ। हजारीबाग कॉलेज ऑफ डेंटल साइसेंस एंड होस्पिटल, संत कोलम्बस मिशन होस्पिटल एवं श्रीनिवास डायग्नोस्टिक के संयुक्त तत्वाधान में मुफ्त स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। सामान्य स्वास्थ्य, दांत, नेत्र, सुगर, क्लोस्ट्रोल एवं रक्त का जांच जरूरतमंदों को मुफ्त प्रदान की गई। कई जरूरतमंद मरीजों ने निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। मौके पर श्रीनिवास सर्वमंगलम सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ प्रवीण श्रीनिवास ने कहा कि बुनियादी उपचार जरूरतमंदों को निशुल्क उपलब्ध कराना एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना मुख्य उद्देश्य है। निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में डॉ प्रसून, रेशमी कुमारी, अजरा निगार, संगम कुमार, शयूम अंसारी, रजनी कुमारी एवं रंजीता कुमारी सहित कई स्वास्थ्य कर्मियों ने अपना योगदान दिया।

अलपीटो मुखिया एवं पंचायत सचिव के विरुद्ध सरकारी राशि गबन के आरोप में दर्ज हुई प्राथमिकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : ग्राम पंचायत अलपीटो विष्णुगढ़ प्रखंड में 15वें वित्त योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित की गई थी। एमआईएस रिपोर्ट के आधार पर क्रियान्वित की गई सभी 16 योजनाओं यथा पेवर्स ब्लॉक पथ निर्माण, पुलिया निर्माण,श्मशान घाट निर्माण, चापानल की मरम्मती, जल नल कनेक्शन आदि में विभागीय दिशा निर्देशों की अवहेलना करते हुए 23लाख 80 हजार रुपए का अवैध रूप से भुगतान कर गबन करने का मामला संज्ञान में आने पर विष्णुगढ़ प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार के द्वारा जांच क्रम में इस कार्य में संलग्न अलपीटो मुखिया सुमिता देवी, मुखिया पति धनेश्वर यादव नारायण यादव मुखिया का संबधी तथा तत्कालीन पंचायत सचिव सरयू पासवान की संलिप्तता पाई गई है।

उक्त सभी योजनाओं का भुगतान अलग-अलग लाभुक समिति के नाम से होना था। प्रखंड विकास पदाधिकारी, विष्णुगढ़ ने इस पर कार्रवाई करते हुए अवैधकताओं द्वारा सरकारी राशि का गबन एवं दुरुपयोग, वित्तीय अनियमित तथा सरकारी नियम परिनियम की अवहेलना,पद का दुरुपयोग करना, साक्ष्य मिटाना एवं अन्य अनियमितताओं के संदर्भ में भारतीय न्याय संहिता के सुसंगत धाराओं के तहत विष्णुगढ़ थाना में अभियुक्तों पर प्राथमिकी की दर्ज कराई गई है।

इन योजनाओं के भुगतान में हुई गड़बड़ी

बीडीओ का कहना कि योजना के तहत करवाए गए निर्माण कार्यों का भुगतान अलग-अलग लाभुक समिति के नाम होनी चाहिए थी। ऐसी 16 योजनाओ को चिह्नित किया गया। इसका भुगतान मार्गनिर्देशिका के विपरीत किया गया है। इसमें हेठली बोदरा में रामदेव यादव के घर से बालेश्वर यादव के घर तक फेवर्स ब्लांग पथ -60 हजार, हेठली बोदरा में पीसीसी पथ से प्रसादी यादव के घर तक फेवर्स ब्लाग पथ एक लाख 90 हजार, चौथा में महावीर यादव के घर से छोटे यादव के घर तक फेवर्स ब्लाग पथ-एक लाख 90 हजार, गुंडरो में मनोज ठाकुर के घर से प्रकाश ठाकुर के घर तक फेवर्स ब्लाग पथ-एक लाख 90 हजार रुपए, गुंडरो में पारटांड मंदिर से डेगलाल सिंह के घर तक फेवर्स ब्लाग पथ-एक लाख 2 हजार रुपए, गुंडरो में मनोज सिंह के घर से महेंद्र सिंह के घर तक फेवर्स ब्लाग पथ-एक लाख, अलपीटो में छतरटांड मंदिर से देवकी यादव के घर तक पेवर्श ब्लाग पथ एक लाख, हेठली बोदरा के मुकेश यादव के घर से पास पुलिया निर्माण -90 हजार, चौथा में बाराघाट में श्माशान घाट निर्माण, 50 हजार रुपए, अलकोपी में चापाकल मरम्मत एक लाख 90 हजार रुपए, उपरैली बोदरा में जलनल कनेक्शन एक लाख 90 हजार, चौथा में 20 घरों में जल नल पाइप कनेक्शन एक लाख 90 हजार, अलपीटो में पंडित टोला में 10 घरों में जल नल कनेक्शन- एक लाख 90 हजार, हेठलीबोदरा में पाठक टोला में जल नल कनेक्शन एक लाख 50 हजार अलपीटो में घटाटांड में जल नल पाइप कनेक्शन, -एक लाख 90 हजार, हेठली बोदरा में सिंह टोला में जलनल पाइप कनेक्शन एक लाख 90 हजार रुपए का भुगतान किया गया है। इन योजनाओ का अभिलेख एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज से संबंधित साक्ष्य मिटाने के लिए अलपीटो पंचायत में चोरी की घटना घटी, जो जांच का विषय है। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज किया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के लंबित आवंटन के कारण प्राइवेट अस्पतालों की स्थिति बिगड़ी

अस्पतालों में तीन महीने से चिकित्सक व कर्मियों का वेतन रुका, बैंक लोन पर चल रहे हैं अस्पताल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : आयुष्मान भारत योजना से लाभान्वित हो रहे हजारीबाग और रामगढ़ जिले के 10 लाख कार्डधारी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्राइवेट और मनचाहे अस्पतालों में बेहतर इलाज की सुविधा प्राप्त करने में बाधा उत्पन्न हो सकता है। ऐसी स्थिति इसलिए उत्पन्न हो सकती है की आयुष्मान योजना से संबंध प्राइवेट अस्पतालों का भुगतान जुलाई से लंबित है। 10 महीने से करोड़ों की राशि का बकाया होना प्राइवेट अस्पतालों में आर्थिक संकट उत्पन्न कर दिया है। लोग अस्पताल संचालन के लिए कर्ज ले रहे हैं बैंक लोन पर कई अस्पताल संचालित हो रहे हैं। इसको लेकर एसोसिएशन आफ हेल्थ केयर प्रोवाइड्र्स इंडिया के झारखंड चैप्टर के ज्वाइंट सेक्रेटरी

☛ जुलाई से नहीं हुआ है भुगतान हजारीबाग चैप्टर के दोनों जिले में 50 करोड़ से अधिक है बकाया : अध्यक्ष

हर्ष अजमेरा की अध्यक्षता में हजारीबाग चैप्टर के रामगढ़ और हजारीबाग के प्राइवेट अस्पताल के संचालकों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस किया है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस हजारीबाग आरोग्यम नर्सिंग कॉलेज के सभागार में आयोजित हुआ। जहां झारखंड चैप्टर के जॉइंट सेक्रेटरी हर्ष अजमेरा ने पूरा ब्योरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि दोनों जिले में 1025000 आयुष्मान कार्ड धारक हैं। जिसमें 7 लाख हजारीबाग जिले में और 325000 कार्डधारी रामगढ़ जिले में है। वही हजारीबाग जिले में 20 और रामगढ़ जिले में 6 प्राइवेट अस्पताल आयुष्मान योजना से पंजीकृत हैं। जो कार्ड धारकों का इलाज करते आ रहे हैं। आज स्थिति यह है कि जुलाई 2024 से आयुष्मान संबंध प्राइवेट अस्पतालों का आयुष्मान योजना का भुगतान नहीं हो पाया है। इस बकाया राशि का आंकड़ा 50 करोड़ से अधिक है। जिसमें लगभग 40 करोड़ हजारीबाग का और 10 करोड़ से अधिक रामगढ़ जिले का है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत योजना 2018 में लॉन्च हुआ। भारत देश के झारखंड राज्य से ही इसका लॉन्चिंग हुआ यह इस राज्य का सौभाग्य था। लेकिन अफसोस है कि इसी राज्य में प्राइवेट अस्पतालों का भुगतान नहीं हो पा रहा है और आज निजी अस्पताल संचालक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। जबकि 70 फीसदी आयुष्मान योजना के मरीजों का इलाज हम प्राइवेट अस्पताल करते आ रहे हैं 30 फीसदी ही मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में होने का आंकड़ा है। कहां की हम प्राइवेट अस्पताल संचालक सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते आ रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग को इस योजना का लाभ मिले और बेहतर इलाज मुहैया हो सके आयुष्मान कार्ड धारकों का इलाज निरंतर हमारे द्वारा जारी है, लेकिन आज हम प्राइवेट अस्पताल संचालकों को ही बीच मझधार में छोड़ दिया गया है। चिकित्सक व कर्मियों का तीन-तीन माह से वेतन लंबित है। जिसका भुगतान हम लोग नहीं कर पा रहे हैं। इसके अतिरिक्त दवाई मेडिकल व्यवस्था इत्यादि में आए खर्च का भुगतान भी लंबित पड़ा हुआ है।

नाला में डूबने से 55 वर्षीय टेनू उरांव की मौत

बरही : पदमा थाना क्षेत्र अंतर्गत दौरवा निवासी टेनू उरांव उम्र करीब 55 वर्ष पिता स्व बिरसा उरांव की मौत नाले में डूबने से हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक 21 अप्रैल के दोपहर करीब 3 बजे अपना मवेशी (जानवर) को लेकर निकले थे, उसके बाद वह घर पहुंचे ही नहीं। स्थानीय लोगों के परिजनों के काफी खोजबीन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला। वहीं बुधवार सुबह ग्रामीणों ने टेनू उरांव के शव को नाला में देखा। जिसकी सूचना ग्रामीणों ने बरही प्रखंड प्रमुख मनोज रजक एवं पदमा थाना को दी। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर पहुंची पदमा पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी प्रकिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए बरही अनुमंडलीय अस्पताल भी दिया। जहां से पोस्टमार्टम के बाद शव को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। वहीं मृतक के परिजनों का रो – रो कर बुरा हाल है। मौके पर बरही प्रखंड प्रमुख मनोज रजक एवं स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि खिरोधर यादव समेत दर्जनों अन्य लोग मौजूद थे।

हजारीबाग में उद्यम रजिस्ट्रेशन-कम-जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला उद्योग केंद्र, हजारीबाग के द्वारा बुधवार को जिला उद्योग केंद्र में उद्यम रजिस्ट्रेशन कम-जागरूकता शिविर का आयोजन आज बुधवार को किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम के पंजीकरण को बढ़ावा देना और उद्यमिता को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम में जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक शंभु शरण बैठा ,जिला अग्रणी प्रबन्धक राकेश आजाद,ईओडीबी मैनेजर श्याम कुमार गुप्ता,चैंबर ऑफ कॉमर्स हजारीबाग के अध्यक्ष शंभु नाथ अग्रवाल एवं प्रतिनिधि तारिक राजा,आर सेटी के साथ-साथ विभिन्न जगहों से बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। मौके पर श्याम कुमार गुप्ता जिला उद्योग केंद्र द्वारा क्रियान्वित योजनाओं और उद्यमिता को बढ़ावा देने वाली पहल पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि उद्यम रजिस्ट्रेशन, पीएमइजीपी, पीएम एफ एम ई और माइक्रो इंटरप्राइजेज डेवलपमेंट जैसी योजनाएं छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने और स्वरोजगार को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि उद्यमियों को उद्यम रजिस्ट्रेशन, प्रधामनंत्री रोजगार सृजन योजना और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत फॉर्म भरने में भी उद्यमियों को सहयोग दिया जाएगा।

महिला के खाते से अवैध निकासी थाना में लगाई मदद की गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र में एक बार फिर बैंकिंग प्रणाली की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बेला गांव की रहने वाली निशा कुमारी, पति दिनेश कुमार दांगी के बैंक खाते से 19,800 की अवैध निकासी का मामला सामने आया है। पीड़िता ने इस संबंध में चौपारण थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। निशा कुमारी का खाता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मानगढ़ स्थित ग्राहक सेवा केंद्र (सीएसपी) से जुड़ा हुआ है। 21 अप्रैल को जब वह चौपारण स्थित मुख्य एसबीआई शाखा में पैसे निकालने पहुँचीं, तब उन्हें यह चौंकाने वाली जानकारी मिली कि उनके खाते से 20 और 21 अप्रैल को दो किस्तों में कुल 19,800 की निकासी की जा चुकी है, जबकि उन्होंने स्वयं ऐसा कोई ट्रांजेक्शन नहीं किया।यह निकासी आधार-सक्षम भुगतान प्रणाली के जरिए की गई थी। जिसकी ट्रांजेक्शन आईडी क्रमशः 044032404465996553/ 099512105210 और 043438437304688649/ 0099472105213 है। इस घटना ने AEPS की सुरक्षा और विश्वसनीयता पर गंभीर संदेह खड़ा कर दिया है। सवाल यह उठता है कि जब बायोमेट्रिक पहचान की अनिवार्यता होती है, तो आखिर किसी और व्यक्ति ने यह निकासी कैसे कर ली। पीड़िता ने पुलिस से मांग की है कि इस धोखाधड़ी में शामिल दोषियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों में भी आक्रोश है। उनका कहना है कि प्रखंड में संचालित कई सीएसपी केंद्रों में निगरानी और पारदर्शिता की भारी कमी है। गौरतलब है कि इससे पहले भी सीएसपी केंद्रों से जुड़े ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं, लेकिन अधिकांश मामलों में पीड़ितों को सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। अब देखना यह है कि इस मामले में प्रशासन कितनी तत्परता और गंभीरता से कार्रवाई करता है।

पहलगाम की घटना सिर्फ आतंक नहीं, इंसानियत पर हमला है : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा हिंदू समुदाय के सदस्यों की लक्षित हत्याओं के विरोध में, भारतीय जनता पार्टी ,हजारीबाग जिला इकाई द्वारा तीखी प्रतिक्रिया करते हुए जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह के नेतृत्व में आक्रोश मार्च आयोजित किया गया। जिसमें सदर विधायक प्रदीप प्रसाद भी मुख्यरूप से शामिल हुए. इस जघन्य कृत्य के विरोध में ,हजारीबाग जिले में, भाजपा के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ नेताओं तथा कार्यकताओं द्वारा बुढ़वा महादेव से आनंद चौक होते हुए, झंडा चौक तक आक्रोषपूर्ण मसाल जुलूस निकालकर विरोध प्रकट किया गया। झंडा चौक पर वक्ताओं ने कहा की इंटेलिजेंस एजेंसी द्वारा जारी रिपोर्ट के आधार पर पहलगाम हमले का ,आतंकी संगठन का मास्टरमाइंड सैफुल्लाह खालिद ,पाकिस्तान में बैठा है ।जहां

पाकिस्तानी सेना फूल बरसा कर, उस आतंकी सरगना का स्वागत करती है। पहलगाम के आतंकी हमले में 28 हिंदू की हत्या कर दी गई है और 20 से ज्यादा हिंदू घायल है। आतंकियों ने नाम और धर्म पूछ कर हिंदुओं क चुन-चुन कर हत्या की गई है । हमले की जिम्मेवारी भी टी आर एफ की आतंकी संगठन ने ली है। जो पाकिस्तान में शरण लिए हुए हैं। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से मांग की है कि पहलगाम हमले में शामिल आतंकियों का शीघ्र खत्म हो । दहशतगर्दियों को केंद्र सरकार मुंह तोड़ जवाब दे एवं पहलगाम हमले में आतंकियों को संरक्षण देने वाली पाकिस्तानी सेना को भी सरकार सबक सिखाएं। मौके पर सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा की यह हमला सिर्फ कुछ लोगों पर नहीं, बल्कि पूरे भारत के साम्प्रदायिक सौहार्द और लोकतांत्रिक मूल्यों पर किया गया है। ऐसे समय में पूरे देश को एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध खड़ा होना होगा। जिन्होंने मासूमों के खून से धरती को लाल किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाना चाहिए। आतंक का यह चेहरा एक बार फिर सामने आया है, जिसने धर्म के नाम पर इंसानियत को शर्मसार किया है। जिला अध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष हिंदू नागरिकों की पहचान कर जिस तरह से हत्या की गई है, वह मानवता को झकझोर देने वाला कृत्य है। यह साफ है कि आतंकवादी संगठन भारत की आंतरिक एकता को तोड़ने का षड्यंत्र रच रहे हैं, लेकिन वे अपने मंसूबों में कभी सफल नहीं हो सकते।

आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों के नृशंस हत्या कर कायरता का दिया परिचय : मुरारी सिंह

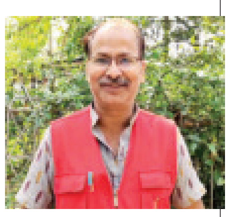

हजारीबाग : हजारीबाग प्रेस क्लब अध्यक्ष मुरारी सिंह ने पहलगाम में हुए घटना की निंदा करते हुए कहा कि पहलगाम में पर्यटकों की नृशंस हत्या कर आतंकवादियों ने अपनी कायरता का परिचय दिया है। हजारीबाग प्रेस क्लब परिवार मारे गए बेकसूर लोगों के परिवार के साथ हैं। हमलोग ऐसे कायर आतंकवादियों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग करते हैं ताकि आनेवाले दिनों में आतंकी संगठन हमला करने से पहले सोचने के लिए बाध्य हों। आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई करने में किसी तरह का संकोच नहीं होना चाहिए। आतंकवादी पाकिस्तान समर्थित हैं तो पाकिस्तान पर भी कार्रवाई होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

हजारीबाग : 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की स्मृति में बुधवार को हजारीबाग के सर्किट हाउस के समीप वीर कुंवर सिंह विजय उत्सव समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह ऐतिहासिक अवसर वीरता, राष्ट्रप्रेम और त्याग की भावनाओं से ओतप्रोत रहा। कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए । उन्होंने वीरता के इस अप्रतिम प्रतीक को शत-शत नमन करते हुए कहा, बाबू वीर कुंवर सिंह न केवल स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, बल्कि वे भारतीय स्वाभिमान और अद्वितीय साहस के प्रतीक हैं। उनके बलिदान ने अंग्रेजी हुकूमत की नींव हिला दी थी। मुन्ना सिंह ने युवाओं से भी विशेष रूप से राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि आज का दिन हमें उन गुमनाम नायकों की याद दिलाता है, जिनकी कुर्बानियों से आज हम स्वतंत्र भारत में सांस ले पा रहे हैं। कांग्रेस पार्टी सदैव ऐसे महान क्रांतिकारियों के सिद्धांतों और मूल्यों को प्रणाम करती रही है और उनके दिखाए रास्ते पर चलने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीतों, और वीर कुंवर सिंह के जीवन पर आधारित वक्तव्यों ने समूचे वातावरण को भावविभोर कर दिया। इस दौरान जयघोष गूंजता रहा जय हिन्द, जय वीर कुंवर सिंह जयघोष गूंजता रहा मौके पर मुख्य रूप से विनोबा भावे विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो दिनेश कुमार सिंह, आनंद देव, बंटी देव, भगवान सिंह राजू सिंह (पिंडी), बबलू सिंह,रविन्द्र सिंह, शत्रुघ्न सिंह, मुन्ना सिंह, प्रदीप सिंह, मिथिलेश सिंह, पंकज सिंह, मिथिलेश सिंह, आशीष सिंह ,संजय सिंह, परमानंद सिंह , पंकज सिंह, डॉ मनोज कुमार सिंह, बबलु सिंह, राज कुमार सिंह, रवि रंजन सिंह, डॉ संजीव सिंह कांग्रेस नेता विनोद कुशवाहा सहित अन्य सैकड़ों लोग शामिल थे।

15 वें नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए विंध्यवासिनी कॉलेज की टीम रवाना

हजारीबाग : देहरादून उत्तराखंड में 25 से 27 अप्रैल तक चलने वाले 15 वें नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप के लिए पदमा प्रखंड स्थित मां विंध्यवासिनी कॉलेज आफ एजुकेशन के प्राध्यापक प्रो. अविनाश कुमार का चयन नेशनल रेफरी एवं प्रशिक्षु बी. एड. (24-26) रूबी कुमारी सीनियर श्रेणी में चयनित हुई। इस नेशनल चैंपियनशिप के लिए झारखंड के विभिन्न वर्ग भाग में कुल 15 अभ्यर्थी भागीदारी कर पाएंगे, जिसमें शानदार प्रदर्शन के आधार पर रूबी कुमारी का चयन किया गया। महाविद्यालय के प्रो. अविनाश कुमार इस चैंपियनशिप के लिए बतौर नेशनल रेफरी चयनित किए गए हैं। महाविद्यालय प्रबंधन के अध्यक्ष डॉ अनूप कुमार, निदेशक रवि कुमार, प्राचार्ज डॉ. चेतलाल प्रसाद सहित प्राध्यापकों तथा प्रशिक्षुओं ने टीम को शुभकामनाओं के साथ विदा किया। मौके पर श्री रवि प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार के गतिविधियों में शामिल होने वाले प्रशिक्षुओं तथा प्राध्यापकों का महाविद्यालय हमेशा सहयोग तथा उत्साहवर्धन करता रहेगा।

बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत में लगे स्ट्रीट लाईट शोभा की वस्तु बनकर रह गई है

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड अंतर्गत विभिन्न पंचायत सहित कांडतरी पंचायत विगत कई वर्ष पूर्व में सैंकड़ो स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी। यह स्ट्रीट लाईट विभाग, कई कंपनी के साथ-साथ वन विभाग के द्वारा भी लगाई गई थी। स्ट्रीट लाईट लगने से जहां एक ओर पंचायत की एक-एक गांव, टोला मोहल्ला की सड़के, चौक चौराहा जगमगा उठा था। जिससे लोग काफी खुश थे। लोगों को रात्रि के समय में आवागमन करने में काफी सुविधा हो रही थी और लोग दुर्घटनाओं से बच रहे थे। वहीं कांडतरी पंचायत अंतर्गत महुदी आंगनबाड़ी केंद्र सहित प्रत्येक सैकड़ो पोल खुट्टा में लगे सैकड़ो स्ट्रीट लाईट खराब हो जाने से मात्र शोभा की वस्तु बन कर रह गई है। उक्त स्थानो पर विभाग की ओर से ना ही रिपेयरिंग करने की और ना ही नई स्ट्रीट लाईट लगाने की पहल की जा रही है। आज सैंकड़ो स्ट्रीट लाईट खराब पड़े हैं जिससे लोगों के साथ-साथ विशेष कर राहागीरों को रात्रि के समय आवागमन करने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने मांग की है कि या तो जल्द से जल्द सभी पंचायत के खराब पड़े स्ट्रीट लाईट की रिपेयरिंग कर बनाया जाए या फिर सभी लाइट को बदलकर नए लाईट लगाए जाएं।

बड़कागांव में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के द्वारा लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता

बड़कागांव : बड़कागांव प्रखंड सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकार हजारीबाग के द्वारा चलंत लोक अदालत सह कानूनी जागरूकता अभियान चलाया गया। जो झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के निर्देश अनुसार प्रचार प्रसार किया गया है। जिसमें अधिवक्ता ओसिता कीर्ति रंजन ,अस्सिटेंट एलएडीसी मोहम्मद मोयेजम मेडिएटर के द्वारा विभिन्न तरह के कानून से संबंधित लोगों को विस्तार रूप से जानकारी दिया गया। मुख्य रूप से मोटर दुर्घटना में घायल , एवं मृतक को वित्तीय बीमा सहायता एवं चिकित्सा से संबंधित एक्ट के बारे में बताया गया। बताया गया दुर्घटना होने पर प्रत्यक्ष लोग को यह दायित्व होना चाहिए की सबसे पहले उस पीड़ित को अस्पताल तक पहुंचाने का काम करें ताकि समय रहते घायल का समुचित इलाज हो सके। मौके पर विधानसभा सांसद सह प्रतिनिधि कृष्ण राम ने कहा कि कानूनी जागरूकता नहीं होने से सभी तरह के सुविधाओं से लोगों को वंचित रहना पड़ता है , इसलिए कानूनी जागरूकता अत्यंत आवश्यक है ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से सांसद सह प्रतिनिधि , पंचायत समिति सदस्य कृष्ण राम, उपेन्द्र प्रसाद पंसस, विकास कुमार पी एल डब्लू, ममता कुमारी, हिना तिर्की,गीता कुमारी, उमाशंकर महतो पी एल बी, सूरज कुमार रवि, प्रशांत कुमार, आशीष पासवान, मो इस्तियाक, दीपक कुमार, रवींद्र साव,भास्कर कुमार, प्रकाश कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

एक नजर

हाईवा ने महिला को कुचला, मौके पर मौत

रांची : रांची के रातु थाना क्षेत्र के सिमलिया में एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई और एक पुरुष घायल हो गया है। स्थानीय लोग ने सड़क जाम कर दिया है। जानकारी के अनुसार पति – पत्नी मजदूर थे दोनों काम करके निकल रहे थे तभी एक हाइवा ने उन्हें कुचल दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बाइक से गिरने के बाद बहुत दूर तक बाइक को हाईवा ने घसीटा जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई। फि लहाल मृतक महिला के पति का इलाज चल रहा है। घटना के बाद मौके पर रातु थाना के थानेदार राम नारायण सिंह पहुंचे और लोगों को समझाने में लगे हुए हैं। स्थानीय लोग मुआवजे की माँग कर रहे हैं।

शहीद जीतराम बेदिया की 167वीं पुण्यतिथि मनाया गया

रांची : आजसू पार्टी के अध्यक्ष सुदेश महतो ने शहीद जीतराम बेदिया की 167वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सुरसु स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि शहीद जीतराम बेदिया का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अमूल्य योगदान रहा है और उनकी विरासत को जीवंत रखना हम सबका कर्तव्य है। सुदेश महतो ने कहा, जीतराम बेदिया केवल बेदिया समाज के नहीं, पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं। 1857 के आंदोलन में उन्होंने अपने साहस और नेतृत्व से अंग्रेजों के पसीने छुड़ा दिए थे। उनका साहस आज भी लोगों को प्रेरित करता है। महतो ने यह भी याद दिलाया कि वर्ष 2023 में उन्होंने ही शहीद जीतराम बेदिया की प्रतिमा का अनावरण किया था। उन्होंने समाज से अपील की कि वे शहीद के आदर्शों और मूल्यों को अपने जीवन में उतारें। कार्यक्रम में आजसू पार्टी के अनेक कार्यकर्ता और गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें जिला परिषद सदस्य राजेंद्र शाही मुंडा, टाटी के मुखिया रामानंद बेदिया, सुरसु की मुखिया सुमित्रा देवी, ग्राम प्रधान सिंगारी बालेश्वर बेदिया, कुच्चू के जयशंकर पाहान, आजसू बुद्धिजीवी मंच के अध्यक्ष जगमोहन बेदिया सहित सैकड़ों ग्रामीण और समर्थक शामिल थे।

सीसीएल में हृदय रोग संबंधी निःशुल्क चिकित्सीय शिविर का हुआ आयोजन

रांची : सीसीएल के केन्द्रीय अस्पताल, गांधीनगर, काँके रोड, राँची में शनिवार, दिनांक 26/04/2025 को प्रातः 9 बजे से निःशुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय शिविर (कार्डियक क्लिनिक) का आयोजन किया जा रहा है। इस चिकित्सीय शिविर में मैक्स अस्पताल, नई दिल्ली के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजों का जाँच करेंगे एवं चिकित्सीय सलाह देंगे। हृदय रोग से ग्रसित सभी मरीज इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठा सकते हैं। मरीज के पास यदि पुराने ईलाज की रिर्पोट/जाँच के पेपर हों तो उसे अवश्य अपने साथ लाये। सीएमडी, सीसीएल, निलेन्दु कुमार सिंह के मार्गनिर्देशन में सीसीएल ने अपने कर्मियों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराने के लिए कृतसंकल्पित है। इसके लिए सीसीएल द्वारा नियमित तौर पर देश के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित कर विभिन्न बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाता है। शिविर का उद्देश्य है कि जरूरतमंद परिवारों को गंभीर बीमारी के अत्याधुनिक ईलाज की सुविधा उनके घर के निकट ही प्राप्त हो सके तथा इससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सके।

हर हाल में सभी विभाग सात मई तक योजना मद का आवंटन जारी करें : राधाकृष्ण किशोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा है कि राज्य के सभी विभागों को सात मई तक योजना मद की आवंटन राशि जारी करने का आदेश दिया गया है। राजस्व विभागों को प्रत्येक तीन महीने में राजस्व संग्रहण की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही वित्त व वाणिज्यकर विभाग के अधिकारी प्रमंडल स्तर पर राजस्व संग्रहण की समीक्षा करेंगे। वित्त विभाग खुद भी छह माह में एक बार वित्तीय संग्रहण की समीक्षा करेगा। केंद्रीय सरकार के यहां बकाए 1.36 लाख करोड़ के भुगतान के सवाल पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संघीय व्यवस्था में राज्य सरकार को यह राशि मिलनी चाहिए। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भी स्वीकार किया है कि झारखंड का बकाया है। पर वास्तविक आंकड़े के लिए केंद्र और राज्य सरकार के बीच एक उच्चस्तरीय बैठक करने की जरूरत बतायी गयी है। झारखंड हाईकोर्ट से इस बकाया राशि के मुद्दे पर राज्य सरकार को राहत नहीं मिलने के सवाल पर उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खुला है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि अब झारखंड केंद्र पर ही निर्भर नहीं रहेगा। बगैर टैक्स बढाए अपना वित्तीय प्रबंधन कुछ इस तरह मजबूत करेगा कि उसे अपनी योजनाओं के कार्यान्वयन और विकास के लिए याचक की भूमिका में नहीं रहनी पड़े। वित्त मंत्री वाणिज्यकर सचिव अमिताभ कौशल और वित्त विभाग के विशेष सचिव अमीत कुमार के साथ मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रहे थे। इसमें उन्होंने 2024-25 में राज्य की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रबंधन और भावी रणनीतिक जानकारी दी। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में ग्रांट इन एड से 1691 करोड़ रुपए मिलने की उम्मीद थी। लेकिन 9063 करोड़ ही मिला। इस मद में हुई कमी को लेकर वह केंद्र सरकार के मंत्री से मिलेंगे। ग्रांट इन एड की राशि में किसी प्रकार की कटौती नहीं करने का आग्रह करेंगे। इसके अलावा उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त राजस्व का भी आंकड़ा दिया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय करों में हिस्सेदारी, ग्राट इन एड, वाणिज्यकर, लैंड रेवेन्यु, उत्पाद आदि से 106999 करोड़ की प्राप्ति का लक्ष्य था। इसके विरुद्ध 92189 करोड़ की राशि प्राप्त हुई, जो 86.16 फीसदी है। 1.31 लाख करोड़ के लक्षित व्यय के विरुद्ध 1.18 लाख करोड़ व्यय हुआ। उन्होंने बताया कि एफआरबीएम की तीन फीसदी की सीमा के भीतर राज्य सरकार ने मात्र 2.27 प्रतिशत की सीमा में ऋण लिया। वाणिज्य कर आयुक्त अमीत कुमार ने बताया कि जीएसटी, एसजीएसटी, वैट सहित कई अन्य पोर्टल को इंटिग्रेटेड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है। इससे टैक्स की वसूली व राजस्व प्राप्ति संबंधी सभी आंकड़े एक साथ मिल सकेंगे। अनियमिताएं कम होंगी। वित्त मंत्री ने बार बार कहा कि उनकी पीएल एकाउंट पर कड़ी नजर है। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष के अंत में प्राप्त राशि को पीएल एकाउंट में रखने की मजबूरी हो जाती है। लेकिन दो साल से अधिक उस राशि को रखना वित्तीय प्रबंधन के खिलाफ है। बैड मैनेजमेंट है। 2010-11 से भी पीएल एकाउंट में राशि पार्क है।

केंद्र आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही : बाबूलाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने शोक जताया है। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं एवं सभी घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना निंदनीय कृत्य है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। इस कायराना हमले को अंजाम देने वाले किसी भी आतंकी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड भाजपा इस दुख की बेला में उनके साथ खड़ी है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ये पहली आतंकवादी घटना है जिसमें आतंकवादियों ने धर्म पूछकर, कपड़े उतरवाकर और कलमा पढ़ने के लिए मजबूर कर निर्दोष और निहत्थे लोगों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि ऐसे आतंकवादी बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आज झारखंड में भी ऐसी मानसिकता के लोग मौजूद हैं। झारखंड सरकार में शामिल मंत्री ही संविधान से ऊपर शरिया को मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता जो संविधान से ऊपर शरिया को माने उसे तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए।

चौकीदार नियुक्ति परीक्षा 27 को परीक्षा केंद्रों पर रहेगी निषेधाज्ञा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : चौकीदार नियुक्ति परीक्षा 27 अप्रैल को होगी। यह परीक्षा राजधानी रांची के विभिन्न 15 परीक्षा केंद्रों पर ली जाएगी। परीक्षा प्रथम पाली में सुबह 9.30 बजे से 11 बजे तक होगी। परीक्षा केन्द्रों पर कदाचारमुक्त वातावरण में परीक्षा का आयोजन कराने और विधि-व्यवस्था को लेकर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी ने पुलिस बल तथा पुलिस अधिकारियों के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की है। इस संबंध में जिला प्रशासन की ओर से बुधवार को कहा गया है कि परीक्षा में शामिल होनेवाले अभ्यर्थी, उनके अभिभावक या असामाजिक तत्व परीक्षा केन्द्रों पर भीड़ लगाकर विधि व्यवस्था भंग करने की कोशिश कर सकते हैं। इस आशंका को देखते हुए एसडीओ की ओर से 27 अप्रैल की सुबह 6.30 बजे से दोपहर दो बजे तक परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर के दायरे में निषेधाज्ञा लगा दी जाएगी। इसके तहत पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों के एक जगह पर जमा होने पर रोक रहेगी। किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र के इस्तेमाल पर रोक रहेगी, किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र लेकर चलने, किसी प्रकार का हरवे हथियार लेकर चलने तथा किसी प्रकार की बैठक या आमसभा के आयोजन पर भी रोक रहेगी।

इन परीक्षा केंद्रों पर होगी परीक्षा

अनिता गर्ल्स हाई स्कूल, कांके, कार्मेल गर्ल्स हाई स्कूल, सामलोंग, नामकुम, गोस्सनर हाई स्कूल, मेन रोड, जीईएल चर्च कम्पलेक्स के पीछे, गर्वमेंट प्लस टू हाई स्कूल, कांके सिमरटोली, नियर सीआईपी, कांके, गर्वमेंट गर्ल्स प्लस टू हाई स्कूल, बरियातु, मारवाड़ी प्लूस टू हाई स्कूल, मारवाड़ी प्लस 2 हाई स्कूल, संत अलोइस इंटरमिडिएट कॉलेज, डॉ कामिल बुल्के पथ, पुरुलिया रोड, संत अलोइस हाई स्कूल, डॉ कामिल बुल्के पथ, पुरुलिया रोड, संत अन्ना गर्ल्स हाईस्कूल, संत अन्ना इंटरमिडिएट कॉलेज, संत जॉन हाई स्कूल, कर्बला टैंक रोड, संत जोसेफ हाई स्कूल, कांके, उसुर्लाईन कान्वेंट गर्ल्स हाई स्कूल, डॉ कामिल बुल्के पथ, उसुर्लाईन इंटर कॉलेज, पुरुलिया रोड शामिल है।

बच्चों के बेहतर और गुणात्मक शिक्षा पर ध्यान दें शिक्षक : उपायुक्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने अमर शहीद ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय के सभागार में पांच से 18 वर्ष आयुवर्ग के सभी बच्चों को विद्यालय में शत प्रतिशत उपस्थिति, नामांकन, ठहराव, उच्च कक्षाओं में परिवर्तन के लिए स्कूल रूआर (बैंक टू स्कूसल कैंपेन) कार्यक्रम का शुभारम्भ बुधवार को किया। इस मौके पर उपायुक्त ने ने कहा कि जिला में बेहतर और गुणात्मक शिक्षा के लिए बेहतर प्रयास किए जा रहें है। इसके लिए शिक्षक और जन प्रतिनिधि की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ताकि शत प्रतिशत बच्चों का नामांकन विद्यालय में कराया जा सकें। उन्होंने अधिकारियों से अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए बच्चों को गुणात्मक शिक्षा पर विशेष जोर देने का निर्देश दिया। ताकि, बच्चों का भविष्य उज्जवल बने। उन्होंने कहा कि झारखंड में स्कूल रूआर कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य उन बच्चों को वापस स्कूल लाना है जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित रह गए हैं या जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया है। रूआर का अर्थ है फिर से लौटना। इसलिए, यह कार्यक्रम बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में फिर से जोड़ने पर केंद्रित है। उपायुक्त ने कहा कि शिक्षक अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वाहन करते हुए बच्चों को बेहतर एवं गुणात्मक शिक्षा दें। सभी शिक्षक सामाजिक दायित्व समाज सेवा की भावना से बच्चों को बेहतर तरीके से पढ़ाएं। जिला स्तर से शिक्षकों की ओर से पढ़ाई का मूल्यांकन प्रतिवर्ष कराया जाएगा। इंप्रूवमेंट नहीं होने पर संबंधित विद्यालय के शिक्षकों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। लगभग 90 प्रतिशत बच्चें सरकारी विद्यालय में पढ़ते हैं। इसलिए शिक्षा की गुणवत्ता में ध्यान दे।

पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए : सुदेश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री सह आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो ने मंगलवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया, जो मानवता के मूल्यों के खिलाफ है। सुदेश महतो ने कहा कि यह हमला कायरतापूर्ण है और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ संवेदनाएं व्यक्त की और कहा कि आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। आजसू पार्टी के केंद्रीय प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि यह घटना मानवता को शर्मसार करती है। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायल लोगों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

रांची विश्वविद्यालय में संविदा कर्मचारियों की बगावत, 17 दिन से आंदोलन जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची विश्वविद्यालय से संबद्ध 17 अंगीभूत कॉलेजों में वर्षों से कार्यरत संविदा शिक्षकेतर कर्मचारियों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। इंटरमीडिएट कोर्स संचालन के लिए नियुक्त इन कर्मचारियों को 1 अप्रैल से बिना किसी लिखित सूचना के मौखिक रूप से कार्यमुक्त कर दिया गया। डोरंडा कॉलेज समेत अन्य कॉलेजों में कार्यरत लगभग 170 कर्मचारी इस फैसले से आक्रोशित हैं और लगातार 17 दिनों से राजभवन के सामने धरने पर बैठे हुए हैं। इन कर्मचारियों को पहले झारखंड एकेडमिक काउंसिल के माध्यम से भुगतान किया जाता था। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि वे कई वर्षों से नामांकन, पुस्तकालय प्रबंधन, परीक्षा, टीसी निर्माण, छात्र कल्याण और कॉलेज चुनाव जैसे अहम विभागों में अपनी सेवाएं दे रहे थे। शुरू में उन्होंने महज 5 से 6 हजार रुपये मासिक वेतन पर काम करना स्वीकार किया था, लेकिन अब अचानक हटाया जाना उन्हें अन्यायपूर्ण लग रहा है।

एस.एस. मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य पर सवाल

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि एस.एस. मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य राजकुमार शर्मा ने कर्मचारियों को हटाने का निर्णय बिना किसी लिखित आदेश के लिया। यह कदम कर्मचारियों के अनुसार नियमों और नैतिकता दोनों के खिलाफ है।

डोरंडा कॉलेज में समायोजन की मांग

आंदोलनरत कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि उन्हें डोरंडा कॉलेज के यूजी और पीजी विभागों में समायोजित किया जाए, ताकि वे बेरोजगार न हों और कॉलेजों को उनके अनुभव का लाभ मिलता रहे। रांची विश्वविद्यालय के कुलपति ने प्रदर्शनकारी कर्मचारियों से 13 मई को बातचीत का आश्वासन दिया है। अब सबकी नजरें इस वार्ता पर टिकी हैं कि क्या इससे कोई समाधान निकलता है या फिर आंदोलन और व्यापक रूप लेता है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में आग उगल रहा मौसम, पलामू में 44 डिग्री पहुंचा तापमान

रांची : झारखंड में मौसम इन दिनों आग उगल रहा है। पलामू जिले में तापमान 44 डिग्री पहुंच गया है, जबकि जमशेदपुर और चाईबासा में भी तापमान 43 डिग्री हो गया है। राज्य में पड़ रही प्रचंड गर्मी की वजह से आमजन जीवन प्रभावित हो रहा है। लोग कड़ी धूप में निकलने से बच रहे हैं। वहीं बाजार में पंखा, एसी और कूलर की बम्पर बिक्री हो रही है। हालांकि मौसम विभाग ने 26 अप्रैल से राज्य के कुछ जगहों पर हल्की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है। प्रचंड गर्मी के कारण पलामू, गढवा, धनबाद समेत कई इलाकों में लू चल रही है। लोग लू की चपेट में आकर बीमार पड़ रहे हैं। रांची में बुधवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री, जमशेदपुर में 43 डिग्री, डालटेनगंज 44, बोकारो में 40.1 और चाईबासा में तापमान 43 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

भव्य नगर कीर्तन 25 को निकाला जाएगा 26-27 को सजेगा विशेष दीवान

रांची : बैसाखी के उपलक्ष्य में गुरुनानक सेवक जत्थे के तीन दिवसीय समागम के पहले दिन 25 अप्रैल को नगर कीर्तन निकाला जाएगा। गुरुनानक सेवक जत्थे के सदस्यों की ओर से आयोजन को लेकर जोरशोर से तैयारियां चल रही हैं। 26 और 27 अप्रैल को होने वाले नौवें कीर्तन दरबार के लिए गुरुनानक सेवक जत्थे के सदस्यों ने वाहेगुरु का जाप करते हुए गुरुद्वारा के अंदर और बाहर के हिस्से की साफ-सफाई की। जत्थे के पीयूष मिढ़ा और करण अरोड़ा ने बुधवार को बताया कि तीन दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन 25 अप्रैल को सुबह पौने पांच बजे भव्य नगर कीर्तन निकाला जाएगा। नगर कीर्तन की पांच निशानची और पंज प्यारे अगुवाई करेंगे। नगर कीर्तन में पुष्पों से सजे रथ पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब को विराजित कर नगर भ्रमण कराया जाएगा। नगर कीर्तन कृष्णा नगर कॉलोनी की विभिन्न गलियों और चौक-चौराहों से गुजरेगा। नगर कीर्तन का समापन सुबह 7.30 बजे होगा। महान कीर्तन दरबार के दौरान दो विशेष दीवान भी सजाए जाएंगे। पहला दीवान 26 अप्रैल को शाम 8 बजे से रात 11.30 बजे तक और दूसरा दीवान 27 अप्रैल को सुबह 11 बजे से दोपहर 2.30 बजे तक सजाया जाएगा। महान कीर्तन दरबार में शिरकत करने पहुंच रहे सिख पंथ के प्रख्यात कीर्तनी जत्थे के भाई जसपाल सिंह दिल्लीवाले अपने सहयोगियों के साथ रांची की संगत को शब्द कीर्तन कर निहाल करेंगे। जत्थे के सूरज झंडई ने बताया कि 27 अप्रैल को गुरुद्वारा के बेसमेंट में सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा।

मारवाड़ी सम्मेलन की बैठक अग्रसेन भवन में 24 को

रांची : झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन के अभिभावक, वरिष्ठ सदस्य और जिला अध्यक्ष तथा जिलामंत्री की बैठक 24 अप्रैल को होगी। बैठक अपर बाजार स्थित अग्रसेन भवन में आहुत की गई है। रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार और महामंत्री विनोद कुमार जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसमें मुख्य रूप से आगामी 27 अप्रैल को होने वाले झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष के चुनाव के लिए धनबाद जिले में होने वाले पुनर्मतदान से संबंधित विस्तृत चर्चा और चुनाव को लेकर राज्य में व्याप्त असंतोष को कैसे समाप्त किया जाए इसपर चर्चा होगी।उन्होंने सभी से आग्रह किया है कि वे समय निकालकर इस बैठक में अपना मार्गदर्शन और बहुमूल्य सुझाव दें। यह जानकारी रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सर्राफ ने दी।

कश्मीर में पर्यटकों की हत्या केंद्र सरकार की लापरवाही का परिणाम है : विजय शंकर

रांची : उपरोक्त बाते बुधवार को पहलगाम, जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकी हमले, जिसमें 26 पर्यटकों और दो स्थानीय लोगों की निर्मम हत्या होने पर आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कही । इन्होने यह भी कहा कि इस हत्या ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। यह हमला न केवल कश्मीर की शांति और पर्यटन को बढ़ावा देने के दावों पर कड़ा प्रहार है, बल्कि केंद्र सरकार और खुफिया एजेंसियों की घोर लापरवाही और विफलता को भी उजागर करता है।
इस जघन्य कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं और केंद्र सरकार को इस गंभीर सुरक्षा चूक के लिए जवाबदेह ठहराते हैं। यह हमला गृह मंत्री अमित शाह द्वारा जम्मू और कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के मात्र दो सप्ताह बाद हुआ। इतने बड़े पैमाने पर आतंकी हमले की कोई पूर्व सूचना न मिलना खुफिया एजेंसियों की अक्षमता को दशार्ता है। नायक ने आगे कहा कि क्या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग जैसे संगठन इस खतरे को भाँपने में पूरी तरह विफल रहे? सुरक्षा व्यवस्था की कमी पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल, जो प्रतिदिन सैकड़ों पर्यटकों को आकर्षित करता है, में सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर थी कि 2–3 आतंकियों ने बिना किसी रुकावट के हमला कर दिया। चप्पे-चप्पे पर सैनिक और अर्धसैनिक बलों की तैनाती के दावे खोखले साबित हुए। इन्होने यह भी कहा कि अ़ऋढअ का दुरुपयोग: जम्मू और कश्मीर में सशस्त्र बल विशेष अधिकार अधिनियम लागू होने के बावजूद, जो सुरक्षा बलों को व्यापक शक्तियाँ देता है, इस तरह का हमला होना केंद्र सरकार की ‛शून्य सहिष्णुता’ नीति पर सवाल उठाता है। क्या यह कानून केवल नागरिकों के दमन के लिए है, न कि आतंकवाद से निपटने के लिए नायक ने आगे कहा कि अनुच्छेद 370 की निरस्ती के बाद की स्थिति: 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद केंद्र सरकार ने दावा किया था कि कश्मीर में शांति और विकास का नया युग शुरू होगा। लेकिन यह हमला, जो हाल के वर्षों में नागरिकों पर सबसे बड़ा हमला है, दशार्ता है कि स्थिति बद से बदतर हुई है। इस घटना के बाद हरेक देशवासी यह माँग करता है कि इस हमले की उच्चस्तरीय और स्वतंत्र जाँच हो, जिसमें खुफिया और सुरक्षा विफलताओं की गहराई से पड़ताल की जाए। जाँच समिति में सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश और नागरिक समाज के प्रतिनिधि शामिल हों। केंद्र सरकार और खुफिया एजेंसियों के उन अधिकारियों को दंडित करे जिनकी लापरवाही के कारण यह हमला संभव हुआ। गृह मंत्रालय को संसद और जनता के सामने जवाब देना होगा। मृतकों के परिजनों को तत्काल मुआवजा पांच करोड़ और पुनर्वास सहायता दी जाए। घायलों के इलाज के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा बढ़ाई जाए, जिसमें आधुनिक तकनीक और खुफिया तंत्र का बेहतर उपयोग हो साथ ही साथ कश्मीर के स्थानीय लोगों की शिकायतों, जैसे गैर-स्थानीय लोगों को डोमिसाइल सर्टिफिकेट देने के मुद्दे, को संवेदनशीलता से हल किया जाए, ताकि सामाजिक तनाव कम हो।इन्होने सभी नागरिकों, सामाजिक संगठनों और मीडिया से अपील करते हैं कि वे इस मुद्दे पर एकजुट होकर केंद्र सरकार से जवाब माँगें। कश्मीर में शांति और पर्यटन को पुनर्जनन देने के लिए सुरक्षा और विश्वास दोनों जरूरी हैं।

एक नजर

महेश सोरेन का शव जंगल में पाया गया

बोकारो : ईएसएल की ओर से ठेका श्रमिक महेश सोरेन की मृत्यु पर आधिकारिक बयान कहा कि ईएसएल यह स्पष्ट करना चाहता है कि ठेका श्रमिक महेश सोरेन की मृत्यु को लेकर प्लांट परिसर में हुई बताकर जो हालिया खबरें प्रकाशित हुई हैं, वे पूरी तरह से गलत और भ्रामक हैं। सियालजोड़ी थाना की रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 22 अप्रैल 2025 को महेश सोरेन ड्यूटी पर नहीं आए अपितु उनका शव भागाबांध आदिवासी टोला के जंगल में पाया गया। ईएसएल में स्थापित फेस रिकग्निशन सिस्टम के अनुसार, महेश सोरेन ने अंतिम बार 20 अप्रैल को ड्यूटी जॉइन की थी, उसके बाद वे प्लांट परिसर में नहीं आए। कंपनी यह भी स्पष्ट करती है कि महेश सोरेन की मृत्यु किसी भी प्रकार से औद्योगिक दुर्घटना नहीं है।

निजी स्कूलों पर सख्ती: तीन साल तक किताबें नहीं बदलेंगी : एसडीओ

बोकारो : अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में आज एक अहम बैठक आयोजित की गई, जिसमें निजी स्कूलों की मनमानी पर रोक लगाने को लेकर सख्त निर्देश जारी किए गए। शिक्षा अधिनियम 2017 के तहत एसडीओ ने सभी स्कूलों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि वे अगले तीन वर्षों तक पाठ्यपुस्तकों में कोई बदलाव नहीं करेंगे और दो वर्षों तक फीस में कोई वृद्धि नहीं की जाएगी। एसडीओ ने कहा कि सभी किताबें बाजार में आसानी से उपलब्ध होनी चाहिए, इसके लिए बुक स्टालों की जांच की जाएगी। इसके साथ ही, फीस वृद्धि की वैधता की जांच के लिए स्कूलों को पिछले दो वर्षों का आय-व्यय विवरण जमा करने का आदेश दिया गया है। इसी आधार पर जिला जांच समिति निर्णय लेगी कि फीस में वृद्धि उचित है या नहीं। डीपीएस, संत जेवियर्स और चिन्मया को 2 साल का लेखा-जोखा कल तक देने को कहा गया है। एमजीएम, पेंटकोस्टल और डीएवी के साथ कल बैठक होगी। बैठक में महेंद्र राय, नीरज पटेल, अनूप पांडेय सहित कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

नवादा कॉलोनी में 80 वर्षीय बुजुर्ग की तालाब में डूबने से मौत

चास : नवादा कॉलोनी में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव तालाब से बरामद किया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान गोरा चंद महतो (80 वर्ष) के रूप में हुई है, जो तेलीडीह बस्ती के निवासी थे। घटना के बारे में जानकारी परिजनों के अनुसार, गोरा चंद महतो सोमवार की शाम शौच के लिए तालाब गए थे। शौच के बाद पानी छूने के दौरान वह तालाब में गिर गए और डूबने से उनकी मौत हो गई। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन आज सुबह ग्रामीणों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के बारे में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे अपने प्रियजन की मौत से सदमे में हैं। पुलिस ने परिजनों को ढांढस बंधाया है और मामले की जांच का आश्वासन दिया है ।

बोकारो में मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का भंडाफोड़, 6 आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : हरला थाना अंतर्गत एक संगठित मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। शिकायतकर्ता प्रशांत कुमार, निवासी सेक्टर-9/इ, स्ट्रीट 15, क्वार्टर नंबर 1014, बोकारो ने दिनांक 22.04.2025 को थाना में एक लिखित आवेदन देकर मामले की जानकारी दी। उनके बयान के आधार पर हरला थाना कांड संख्या-62/2025, धारा 303(2)/317(4)/317(5)/3(5) इठर 2023 के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक एवं नगर उपाधीक्षक के दिशा-निर्देशन में थाना प्रभारी अनिल कच्छप के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन मुख्य अभियुक्तों - दिल पसंद राय, फिरोज अंसारी, और मनीष सिंह, को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान इन अपराधियों ने खुलासा किया कि वे रईसुद्दीन सैफी, सैफी अहमद, और कबाड़ी ब्रजकिशोर सिंह के साथ मिलकर चोरी की गई मोटरसाइकिलों को काटकर औने-पौने दामों में बेचते थे।

गिरफ्तार अभियुक्तों में शामिल हैं

दिल पसंद राय (23) निवासी धनगड़ी, थाना हरला; कई पुराने आपराधिक मामलों में संलिप्त, फिरोज अंसारी (21) निवासी कुम्हार चौक, मूल रूप से सिवान, बिहार; कई कांडों में नाम, मनीष सिंह (25) निवासी सेक्टर 3/ए, मूल निवासी छपरा, बिहार, रईसुद्दीन सैफी (32) निवासी हाजीनगर, मूल निवासी अमरोहा, यूपी, सैफी अहमद (25) निवासी सेक्टर-09इ, मूल निवासी सिवान, बिहार एवं ब्रजकिशोर सिंह (58) कबाड़ी, निवासी सिवानडीह रोड, मूल निवासी मोतिहारी, बिहार।

जब्त मोटरसाइकिलें:

अपाचे-2, बजाज पल्सर-1,टीवीएस स्पोर्ट्स- 1 टीम में शामिल अधिकारी एवं कर्मी: थाना प्रभारी अनिल कच्छप, अमरजीत कुमार, सुनील कुमार सिंह, धनंजय कुमार, सुरेश यादव उमेश कुमार, रंजीत रवानी, नरेश मंडल, मोहम्मद अलाउद्दीन, मुनसार अहमद,सशस्त्र बल के पुलिस कर्मी - हरला थाना

पुलिस का बयान:

यह गिरोह लंबे समय से सक्रिय था और विभिन्न जिलों से मोटरसाइकिल चुराकर उन्हें कबाड़ी के माध्यम से बेचने का धंधा कर रहा था। आगे की पूछताछ जारी है और गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

डीजीपी की नक्सलियों को दो टूक चेतावनी या सरेंडर करें, या मारे जाएंगे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ललपनिया में आयोजित प्रेस वार्ता में झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने नक्सलियों को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि अब उनके पास सिर्फ एक ही विकल्प है आत्मसमर्पण। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि वार्ता की कोई जगह नहीं बची है, और अगर नक्सली नहीं माने तो उन्हें मार गिराया जाएगा। डीजीपी ने ऑपरेशन दाकाबेड़ा की सफलता पर वहां तैनात पुलिसकर्मियों और कोबरा बटालियन के जवानों को सम्मानित किया। इस अभियान में आठ नक्सली, जिनमें शीर्ष नेता भी शामिल थे, मारे गए। उन्होंने इसे झारखंड पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। डीजीपी ने कहा, जैसे सांप का सिर काटा जाता है, वैसे ही हमने नक्सलियों के टॉप लीडरों को खत्म कर दिया है। अब वे दिशाहीन हो गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि अब चाईबासा के सारंडा क्षेत्र में बचे-खुचे नक्सलियों के खिलाफ अभियान चलाया जाएगा और राज्य को मानसून से पहले नक्सल मुक्त किया जाएगा। नक्सलियों को चेतावनी देते हुए डीजीपी ने कहा, सरेंडर पॉलिसी बहुत उदार है। जो सरेंडर करेगा, उसके परिवार और बच्चों की पूरी देखभाल राज्य सरकार करेगी। पर अगर आपने यह मौका नहीं चुना, तो आपकी भी अस्थियां झारखंड की धरती पर बिखर जाएंगी। उन्होंने कहा कि पुलिस के पास हर नक्सली की गतिविधियों की पूरी जानकारी है वे कहां रहते हैं, खाते हैं, इलाज कराते हैं हर चीज पर नजर है।

न्यायाधीश ने किया धनबाद जेल का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेन्द्र कुमार तिवारी के निर्देश पर बुधवार को अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने एलएडीसीएस डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट , सहायक कांउसिल सुमन पाठक ,नीरज गोयल, कन्हैया लाल ठाकुर के साथ धनबाद मंडल कारा का औचक निरीक्षण किया । न्यायाधीश ने कारागार के प्रत्येक बैरक में पहुंचकर बंदियों से उनके स्वास्थ्य, इलाज, पेयजल, नास्ता, भोजन व मुकदमे में पैरवी के लिए अधिवक्ता होने अथवा न होने की जानकारी ली। न्यायाधीश ने बंदियों के शौचालयों की साफ-सफाई का निर्देश दिया। कारागार अस्पताल में निरुद्ध बीमार बंदियों के बेहतर इलाज के लिए उन्हें उच्च स्वास्थ्य सेंटर भेजे जाने का निर्देश जेल डॉक्टर को दिया। न्यायाधीश ने कारा में बंद महिला बंदी जिससे साथ दो छोटे बच्चे थे उन दोनों बच्चों को दूध, डायपर ,आवश्यक दवा व उसके स्वास्थ्य संबंधी अन्य सभी चीजें अविलम्ब उपलब्ध कराने का आदेश दिया। न्यायाधीश के आदेश पर तुरंत दोनों बच्चों के लिए आवश्यक सभी सामान जेल प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया। वहीं न्यायाधीश ने जेल के चिकित्सा सुविधाओं, पुस्तकालय, रसोई घर, वहां तैयार हो रहे भोजन ,व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और ध्यान-सह-योग केंद्र में सुविधाओं का जायजा लिया।उन्होंने बंदियों से भी बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में पूछा। न्यायाधीश ने जेल प्रशासन को बंदियों को नियमानुसार सुविधाएं मुहैया कराने जेल अधिकारियों को उनके कर्तव्य का समुचित रूप से पालन करने का निर्देश दिया ।उन्हें विभिन्न कानून की जानकारी दी गई । जेल मैनुअल के तहत मिलने वाली सारी सुविधाएं बंदीयों को उपलब्ध कराने का आदेश जेल प्रशासन को दिया। इस मौके पर डालसा के सहायक, अरुण कुमार, सौरभ सरकार, राजेश सिंह, जेल पी एल वी विशाल कुमार सिंह समेत जेल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हिंदू फ्रंट ऑफ इंडिया ने जताया विरोध, केंद्र सरकार से की आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 28 पर्यटकों पर सबसे बड़ा बर्बर आतंकी हमला के विरुद्ध आज बोकारो जिला अन्तर्गत चास गरगा पुल भारत माता की प्रतिमा के समक्ष हिंदू फ्रंट ऑफ इंडिया के बैनर तले आक्रोश मार्च निकाल कर पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के खिलाफ विरोध जताया गया। निर्दोष पर्यटकों की हत्या मानवता पर हमला है। इस आक्रोश यात्रा के माध्यम से हम केंद्र सरकार से आतंक और आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की माँग करते हैं।ताकि भविष्य में इस तरह की घटना को अंजाम देने से पहले आतंकी हजार बार सोचे। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष जयदेव राय,राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के प्रदेश संयोजक कौशल किशोर राय,राष्ट्रीय हिंदू फ्रंट के जिला महामंत्री सह सांसद प्रतिनिधि विक्रम कुमार महतो, भाजपा नेता अर्जुन सिंह, रोहित लाल सिंह, मुकेश राय, अर्चना सिंह, डॉ.परिंदा सिंह, करमचाँद गोप, आशीष कुमार महतो, गोपाल साह, अमर चौरसिया शशि सम्राट,भाजपा युवा जिला अध्यक्ष विनोद कुमार, अशोक कुमार वर्मा, ऋषभ राय, शंकर रजक, विवेक सिंह, अनिल सिंह,अमर स्वर्णकार, कृष्ण कुमार दिलीप सिंह, शिव शंकर राय, प्रदीप सिंह, गौरी शंकर,आतिश सिंह मनजीत सिंह, धर्मेंद्र महथा, टुनटुन मिश्रा, अरुण बरनवाल, संतोष बरनवाल, रामलाल सोरन, सहित दर्जनों लोग मौजूद रहे।

स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर घर में घुसी, बड़ी दुर्घटना टली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बुधवार सुबह करीब 4:15 बजे बसंती मोड़ स्थित कॉलिंग पॉन्ड नंबर दो, हनुमान मंदिर के सामने एक अनियंत्रित स्कॉर्पियो अचानक एक घर में घुस गई। घटना के समय घर के अधिकतर सदस्य सो रहे थे, जबकि घर के मुखिया संजय चौधरी, जो बिहार के अरवल जिले के रहने वाले हैं, जागे हुए थे। गनीमत रही कि कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कॉर्पियो में सवार चालक, जो बोकारो के सेक्टर 9बी रोड का निवासी बताया जा रहा है, वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। वाहन की गति अधिक थी, लेकिन घर के सामने एक गड्ढा होने के कारण उसकी रफ्तार कुछ धीमी हो गई, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई।

संजय चौधरी की पत्नी रीता देवी ने बताया कि उनके बड़े बेटे का तिलक 30 अप्रैल को और विवाह 5 मई को तय है। पूरा परिवार गुरुवार को गांव जाने वाला था। यदि इस दुर्घटना में कोई जनहानि हो जाती, तो विवाह रद्द करना पड़ता। घटना की सूचना मिलते ही हरला थाना के सब इंस्पेक्टर धनंजय कुमार मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने बताया कि स्कॉर्पियो में सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुटी है और घरवालों की मांग है कि उन्हें हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति की जाए।

अतिक्रमण हटाने पहुंचे प्रशासन का ग्रामीणों ने किया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : सिंदरी स्थित एफसीआई की जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंचे जिला प्रशासन और एफसीआई के अधिकारियों को बुधवार को भारी विरोध का सामना करना पड़ा। गौशाला ओपी क्षेत्र में न्यायालय के आदेश के तहत जब प्रशासन जेसीबी मशीनों के साथ सैकड़ों घरों और दुकानों को हटाने पहुंचा तो ग्रामीण बड़ी संख्या में जमा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि वे इस भूमि पर पिछले सौ वर्षों से रह रहे हैं। बिना किसी वैकल्पिक पुनर्वास व्यवस्था के उन्हें जबरन हटाया जा रहा है जो सरासर अन्याय है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक पुनर्वास की समुचित व्यवस्था नहीं की जाती वे यह भूमि खाली नहीं करेंगे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए और ग्रामीणों के विरोध के बीच मौके पर उपस्थित न्यायालय द्वारा नियुक्त मजिस्ट्रेट ने हस्तक्षेप किया। उन्होंने कहा कि वे स्थल की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण कर इसकी विस्तृत रिपोर्ट न्यायालय को सौंपेंगे। साथ ही न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हुए उन्होंने तीन महीने की मोहलत देने की घोषणा की। ताकि इस अवधि में उचित समाधान की दिशा में कदम उठाए जा सके। प्रशासन की ओर से बताया गया कि न्यायालय का आदेश स्पष्ट है लेकिन आम जनता के हितों और संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए फिलहाल कार्रवाई को स्थगित किया गया है। यह मामला अब पुनः न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा जहां अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

आतंकी हमले के विरोध में चंदनकियारी में कैंडल मार्च, दी गई श्रद्धांजलि

बोकारो : चन्दनकियारी के आसनबनी तिरंगा मोड़ पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले 27 मारे गए निर्दोष मृत पर्यटकों के दिवंगत आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना कर कैंडल मार्च कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही साथ हमले में हुए घायलों का जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की तथा पिड़ित परिवारों की न्याय की मांग की। मौके पर पुर्व प्रत्याशी जगन्नाथ रजवार, पुर्व मुखिया नरेश रजवार, दुर्गाचरण महतो, अंकित कुम्भकार, बब्लु गोस्वामी, सरफुद्दीन अंसारी,विश्वनाथ कुम्भकार, युधिष्ठिर टुडू, मंटू महतो, भुतनाथ महत, मिथलेश कुमार महाथा, दिलीप कुमार महतो, शंकर महतो, सुनिल मारांडी, सुधीर उपाध्याय, युधिष्ठिर महाथा, अरुप चटर्जी आदी शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

बारातियों से भरी बस ने तीन नगर निगम कर्मी को कुचला, एक की मौत, दो घायल

धनबाद : बारातियों से भरी बस ने तीन नगर निगम कर्मी को कुचला, मौके पर एक की मौत, दो गंभीर रूप से घायल सफाई कर्मियों ने टायर जलाकर सड़क किया जाम मौके पर पुलिस मौजूद।धनबाद थाना क्षेत्र के बेकारबांध स्थित पूजा टॉकीज के पास आज सुबह करीब 6:30 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। बरातियों से भरी बस की चपेट में आकर नगर निगम के सफाईकर्मी बजरंगी भुइंया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य सफाईकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तीनों ही सफाईकर्मी बस्ताकोला के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बस ने पहले एक बाइक सवार को टक्कर मारी, और फिर भागने के चक्कर में पूजा टॉकीज से बेकारबांध तक सफाईकर्मियों को घसीटती चली गई। घायलों को SNMMCH में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के विरोध में सफाईकर्मियों ने सड़क जाम कर दिया है और धरने पर बैठ गए हैं। वे मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग कर रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पूर्व मेयर चंद्रशेखर अग्रवाल और पूर्व पार्षद अशोक पाल पहुंचे। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात है, जो स्थिति को नियंत्रण में लाने का प्रयास कर रही है।

पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में भाजपा का जोरदार प्रदर्शन

धनबाद : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में भारतीय जनता पार्टी की ओर से धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में मुख्य रूप से धनबाद सांसद ढुल्लू महतो और विधायक राज सिन्हा शामिल हुए। उन्होंने आतंकी हमले की कड़ी निंदा की और मांग की कि आतंकवादियों और पाकिस्तान को इसके लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। प्रदर्शन में भाजपा कार्यकताओं ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए और अपना आक्रोश व्यक्त किया। सांसद और विधायक ने कहा कि आतंकी हमले के खिलाफ पूरे देश में उबाल है और इस हमले का जवाब आतंकी और पाकिस्तान को मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत माता की जय और पाकिस्तान मुदार्बाद के नारे लगाकर लोगों ने अपना विरोध दर्ज किया।गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी हिंसा ने चिंता बढ़ा दी है। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि आतंकवादियों को तत्काल समाप्त किया जाए और उनके खिलाफ बड़े अभियान चलाए जाएं प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ नारे लगाए और उसकी निंदा की। विरोध प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि वे आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े हैं और इस कृत्य में शामिल आतंकवादियों को खत्म करने के लिए एक बड़े अभियान की मांग करते हैं ।

पहलगाम में निर्दोष पर्यटको हुए वीभत्स आतंकवादी हमले के विरोध में एलआईसी शाखा ने किया प्रदर्शन

धनबाद : बीमा कर्मचारी संघ हजारीबाग मंडल, शाखा एक, बरटांड़ में कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थल पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर हुए वीभत्स आतंकवादी हमले के विरोध में हाथों में तख्तियां लिए कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया एवं कड़ी निंदा की। संगठन के महासचिव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि इस भयावह आतंकवादी हमले में 26 निर्दोष लोगों की जान चली गई, जिनमें भारतीय जीवन बीमा निगम के एक अधिकारी भी शामिल हैं। हम इस असहनीय समय में पीड़ित परिवारों के साथ अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। यह कायरतापूर्ण हिंसक कृत्य शांति, मानवता और हमारे मूल्यों पर सीधा हमला है। हम केंद्र सरकार से आग्रह करते हैं कि इस अमानवीय कृत्य के दोषियों को शीघ्र और निर्णायक रूप से न्याय के कठघरे में लाया जाए। यह भयावह हमला इस दावे की सच्चाई को झुठलाता है कि कश्मीर में सब कुछ सामान्य है और वहां शांति बहाल हो चुकी है। सरकार को चाहिए कि वह कश्मीर समस्या के स्थायी राजनीतिक समाधान पर केंद्रित ध्यान दे। हम शोक में एकजुट हैं और यह संकल्प लेते हैं कि ऐसे आतंकी कृत्य हमारे समुदायों को बांट नहीं सकते और न ही हमारे सामूहिक मनोबल को हिला सकते हैं।

बीएसएल के हॉट स्ट्रिप मिल में नव-विकसित ग्रीन हेवन गार्डेन का उद्घाटन

बोकारो : बी एस एल के हॉट स्ट्रिप मिल के रीहीटिंग फर्नेस एरिया के समीप सी.ई.डी तथा हॉट स्ट्रिप मिल विभाग के संयुक्त प्रयास के द्वारा नव-विकसित ग्रीन हेवन गार्डेन का उद्घाटन निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी के द्वारा किया गय। इस मौके पर अधिशासी निदेशक सी आर महापात्रा, अधिशासी निदेशक सुरेश रंगानी, अधिशासी निदेशक सुश्री राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक सी आर मिश्रा, बी जी एच के प्रभारी डॉ बी बी करुणामय तथा विभिन्न विभागो के मुख्य महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष तथा वरीय अधिशासी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। बी एस एल के शीर्ष प्रबंधन के द्वारा उद्यान के उद्घाटन के साथ-साथ यहां स्मृति वृक्ष भी लगाया गया। इस उद्यान में बैठने की ब्यवस्था के साथ पाथ-वे का भी निर्माण किया गया जो इस उद्यान के आकर्षण का केंद्र है। मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालीग्राम सिंह ने इस अवसर पर बताया कि प्लांट परिसर में और भी ऐसे उद्यानों का निर्माण तथा जीणोर्धार किया जा रहा है। इस स्थल को विकसित कर एक गार्डेन का रूप देने में सी.ई.डी के सहायक महा प्रबंधक विभाष चंद्रा और अन्य सहकर्मियों का अहम योगदान रहा।

एक नजर

जीएम लैंड में बने 20 से 25 घर अतिक्रमण में निगम ने किया चिन्हित

पलामू : मेदिनीनगर नगर निगम क्षेत्र के पहाड़ी इलाके में चनवारी के पास प्लॉट नंबर 886 में सरकारी जमीन पर 20 से 25 मकान अवैध रूप से बनाए गए हैं। नगर निगम की टीम ने मापी कर इन मकानों को बुधवार को चिन्हित किया। मकानों में रहने वालों को नोटिस देकर खुद से मकान हटाने का निर्देश दिया जाएगा। इसके बाद भी मकान नहीं हटने पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। मकान को चिन्हित करने के लिए मेदिनीनगर सदर अंचल के सर्किल इंस्पेक्टर पॉलीकार्प तिर्की के नेतृत्व में नोडल पदाधिकारी दिलीप कुमार, निगम के सरकारी अमीन विकास कुमार और जमादार शेरान खान ने दोपहर 12 बजे से लेकर 3 तक सभी मकानों की मापी की।

उपायुक्त ने खेल और पर्यटन के विकास को लेकर की बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : जिले में खेल और पर्यटन क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला खेल एवं पर्यटन संवर्धन समिति की बैठक बुधवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों के साथ जिले में संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी ने बताया कि मंत्री, पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद और युवा कार्य विभाग के निदेर्शानुसार जिले में मिनी स्टेडियम निर्माण के लिए कार्यकारी एजेंसी एनआरईपी की ओर से प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। साथ ही खूंटी के आवासीय हॉकी प्रशिक्षण केंद्र (बालक) के

प्रशिक्षुओं के लिए भोजन आपूर्ति के लिए निविदा प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। अड़की प्रखंड के चलकद स्थित राजकीय उच्च विद्यालय में डे-बोर्डिंग हॉकी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए विभाग को प्रस्ताव भेजा गया है। पिछले दिनों तेज बारिश, ओलावृष्टि और आंधी-तूफान के कारण क्षतिग्रस्त बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम के गैलरी शेड की मरम्मत के लिए भी एनआरईपी की ओर से प्राक्कलन तैयार किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, बिरसा मुंडा एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम के क्षतिग्रस्त एस्ट्रोटर्फ मैदान की मरम्मत के लिए विभाग को पत्र भेजा गया है। बैठक में खूंटी जिले में एक मेगा स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स निर्माण और खूंटी हेल्थ क्लब को नगर पंचायत से जिला खेल कार्यालय को हस्तांतरित करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। पर्यटन क्षेत्र की समीक्षा के दौरान जिला पर्यटन पदाधिकारी ने उपायुक्त को जानकारी दी कि डोम्बारी बुरू, पेरवाघाघ, रीमिक्स जलप्रपात और दशम फॉल के सौंदर्यीकरण का कार्य प्रगति पर है। उपायुक्त ने इन कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि रानी फॉल में बोरिंग और शौचालय के जीर्णोद्धार का कार्य पूर्ण हो चुका है। बैठक में जिला खेल पदाधिकारी, जिला पर्यटन पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

पेड़ो की अंधाधुन कटाई का पर्यावरण पर पड़ रहा गहरा असर

पटमदा : पहाड़ी क्षेत्रों की शोभा जंगलों में विभिन्न प्रकार के पेड़ो से ही बनी रहती हैं। लेकिन यदि तेज गति से पेड़ों की कटाई जारी रहे तो बहुत कम समय में पेड़ो से घिरे जंगलों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता हैं। इसी प्रकार बोड़ाम प्रखंड का लायलम पंचायत पूरी तरह से घिरा हुआ है। इसके अधिकांश गांव जंगलों की गोद में बसे हुए हैं। इस पंचायत में जंगलों की मात्रा अधिक होने के कारण बकरी पालन इस क्षेत्र का मुख्य पेशा माना जाता हैं। अधिकांश परिवार जंगलों के पेड़ पौधों के पत्तियों को लाकर बकरियों को आहार देते हैं। कुछ लोग झुंड में बकरियों को जंगल में चराकर लाते हैं। दुखद बात ये है कि इस क्षेत्र के भुइयांसिनान पगदा के पास के पहाड़ी के हरे भरे पेड़ो की अंधाधुन कटाई वर्तमान में जारी है। जिसका इस पहाड़ी पर दुष्प्रभाव पड़ेगा।आने वाले समय में पर्यावरण संतुलन का बिगड़ना तय होगा। ग्रामीणों युवाओं का कहना हैं कि यदि प्रशासन और वन विभाग इस मामले को गंभीरता से नहीं लेते हुए पेड़ो की कटाई पर रोक नहीं लगाती है तो ये पहाड़ बहुत जल्द विरान हो जाएगा। जिसमें सिर्फ पत्थर ही पत्थर नजर आएंगे। पेड़ो की संख्या दिन प्रतिदिन घटती जा रही हैं।

साउथ पॉइंट स्कूल में शोकसभा आयोजित

पटमदा : साउथ पॉइंट स्कूल पटमदा में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कल हुए आतंकवादी हमले में शहीद हुए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस हमले में कई निर्दोष नागरिकों ने अपने प्राण गंवाए, जो पूरे देश के लिए एक गहरा आघात है। विद्यालय के अध्यक्ष शिव प्रकाश शर्मा , प्रधानाचार्य अरूण कुमार सिंह ,समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए दो मिनट का मौन रखा और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर शर्मा ने कहा, देश के निर्दोष नागरिकों पर इस प्रकार का कायराना हमला मानवता के खिलाफ है। हम सभी देशवासियों को मिलकर शांति, एकता और सहिष्णुता के साथ आतंकवाद का सामना करना होगा। विद्यालय प्रधानाचार्य अरूण कुमार सिंह ने भी इस दुखद घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा स्कूल इस कठिन समय में शहीदों के परिजनों के साथ खड़ा है। श्रद्धांजलि सभा में विद्यालय के शिक्षकों ने भी अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और छात्रों को शांति और सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

8 दिनों से ट्रांसफार्मर खराब,रात में पसरा अंधेरा

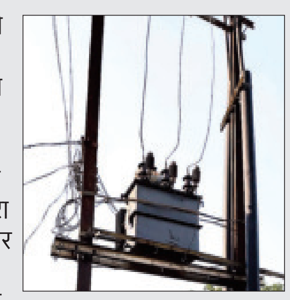

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड के बड़ा मुरी पंचायत के काशीडीह गांव के में पिछले 8 दिनों से ट्रांसफार्मर खराब है और ऐसे में गांव में लगा ट्रांसफार्मर खराब हो जाने से लोगों के घरों तक बिजली नहीं पहुंच रही है। जिससे चलते अब गांव में अंधेरा पसरा है। बिजली समस्या को लेकर ग्रामीणों ने बिजली विभाग अधिकारियों को भी अवगत कराया इसके वजूद भी बिजली विभाग के अधिकारी मुकदर्शक बने हुए हैं। 100,केवी के ट्रांसफार्मर में अत्यधिक उपभोक्ता हो जाने के कारण ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है। इस लिए हमेशा यह समस्या उत्पन्न हो जाती है। विभाग की ओर से न ही ट्रांसफार्मर बदला जा रहा है। जिससे रात होते ही गांव में अंधेरा छा जाता है इसके बावजूद भी विद्युत कर्मी अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। विद्युत विभाग के मुकेश साहू से पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सूचना मिली है जल्द ही ट्रांसफार्मर को ठीक कर लिया जाएगा।

महिला ने फंदे से लटककर की खुदकुशी

खूंटी : तपकारा थाना क्षेत्र के बाजार टांड निवासी बादल महतो की 22 वर्षीय पत्नी ने मंगलवार की देर रात अपने घर में फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली। तपकारा थाना की पुलिस को बुधवार सुबह घटना की जानकारी मिली, तो उसने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेंज दिया। मिली जानकारी के अनुसार पूजा कुमारी घर के पास ही एक शादी समारोह में गई थी और वहां से खाना खाकर घर लौटी थी। सुबह लोगों को जानकारी मिली की पूजा ने खुदकुशी कर ली।इस मामले को लेकर गांव के लोग हत्या की आशंका जता रहे हैं। लोगों का कहना है कि पूजा का पति बादल महतो आपराधिक छवि का व्यक्ति है और जेल भी जा चुका है।बताया जाता है कि लगभग डेढ़ साल पहले पूजा की शादी बादल महतो के साथ हुई थी।इस संबंध में तपकारा कें थाना प्रभारी नितेश गुप्ता ने बताया कि पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

सुरक्षा चुक को लेकर सरकार अपनी गलती स्वीकार करें : देवेंद्रनाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पूरे देश में आक्रोश की लहर है। राजधानी रांची में भी यह गुस्सा सड़कों में साफ देखने को मिला। अब आम लोग से लेकर विभिन्नत राजनीतिक व सामाजिक संगठनों के द्वारा भी इसका विरोध किया जा रहा है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय वरीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने आज राजधानी रांची में कैंडल मार्च निकाला। यह कैंडल मार्च जिला स्कूल से लेकर अल्बर्ट एक्का चौक तक हुआ। इस कैंडल मार्च में काफी लोग सड़कों पर उतर आए। 'आतंकवाद मुदार्बाद' और 'भारत माता की जय' के नारे लगे। मृत पर्यटकों के नाम श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद देवेंद्र नाथ महतो ने सरकार को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि सरकार को अपनी गलती स्वीकार करनी पड़ेगी। सुरक्षा में भारी चुक हुआ है। जम्मू कश्मीर राज्य सरकार और केंद्र सरकार को राजनीतिक रंजिश को खत्म कर आपसी सलाह के साथ समस्या का समाधान करे। मृत पर्यटकों को न्याय और घायल पर्यटकों के राहत का समुचित पहल होनी चाहिए। बताते चलने की यह घटना मंगलवार को जम्मू कश्मीर के बाइसारन घाटी में हुआ था। जिसमें 26 लोगों के मृत होने कि सूचना है। एवं दर्जनों घायल पर्यटक इलाजरत है। कई की स्थिति बेहद नाजुक बताई जा रही है।

ट्रेन से कटकर महिला ने की खुदकुशी

पलामू : डालटनगंज रेलवे स्टेशन से सटे आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास बुधवार को एक महिला ने ट्रेन से कट कर खुदकुशी कर ली। चोपन से रांची जा रही रांची- चोपन इंटरसिटी एक्सप्रेस से कटकर महिला की मौत हुई। सूचना मिलने पर रेलवेकर्मी, राजकीय रेल थाना पुलिस और आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे। शव को रेलवे ट्रैक से हटाया और पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेज दिया है। महिला की पहचान लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के दिदरी गांव की रहने वाली 35 वर्षीय शोभा देवी पति संजीव कुमार पांडेय के रूप में हुई है। शोभा पति और बच्चों के साथ हमीदगंज में रह रही थी। पति टेम्पो चलाते हैं। घटना बुधवार की है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक महिला आबादगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास खड़ी थी।

ड्रॉपआउट बच्चों को विद्यालयों से जोड़ना स्कूल रुआर कार्यक्रम का उद्देश्य : डीईओ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : झारखंड शिक्षा परियोजना के तहत बुधवार को मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय में जिला स्तरीय स्कूल रुआर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कल्याण पदाधिकारी प्रोमद राम, जिला शिक्षा पदाधिकारी आपरूपा चौधरी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुमन सिंह, अनुमण्डल शिक्षा पदाधिकारी अमित कुमार आदि ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए स्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जिले में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने एवं ड्रॉपआउट

बच्चों को विद्यालयों से जोड़ने की दिशा मेंह्लस्कूल रुआर 2025 कार्यक्रम की भूमिका को रेखांकित किया। जिला कल्याण पदाधिकारी ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में विद्यालय के प्रति रुचि बढ़ाना एवं शिक्षा के महत्व को जन-जन तक पहुंचाना है। स्कूल रुआर अभियान के तहत यह प्रयास बच्चों को नियमित विद्यालय आने के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्कूल रुआर कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल छोड़ चुके बच्चों की पहचान और पुनः नामांकन, बच्चों की उपस्थिति में सुधार, माता-पिता और समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा, शिक्षा को रोचक और आकर्षक बनाकर बच्चों की सहभागिता सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रखंड प्रमुख, मुखिया एवं उपस्थित पदाधिकारियों ने अपने-अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए।

उत्क्रमित प्लस टू उच्च विद्यालय कुटाम में शिक्षक प्रतिनियुक्त करने हेतु सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : आजसू पार्टी ईचागढ़ प्रखंड सचिव तुलसी महतो ने जिला शिक्षा पदाधिकारी के अनुपस्थिति में कार्यालय के प्रधान लिपिक को बुधवार को अपग्रेड प्लस टू उच्च विद्यालय कुटाम में शिक्षक प्रतिनियुक्त करने हेतु एक ज्ञापन सौंपा। वही प्रखंड सचिव तुलसी महतो ने बताया कि ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत अपग्रेड प्लस टू उच्च विद्यालय कुटाम में वर्ग एक से बारह तक की कक्षा संचालित हो रही है। वर्तमान समय में वर्ग एक से आठ तक कुल 210 विद्यार्थी अध्यनरत है एवं वर्ग नवम् से बारह

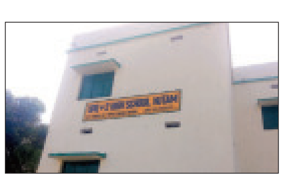

तक कुल 158 विद्यार्थी अध्यनरत है। कुल 368 छात्र/ छात्राओं के विरुद्ध सिर्फ दो सरकारी प्राथमिक शिक्षक एवं चार पारा शिक्षक-शिक्षिकाओं के कार्यरत है। वर्ष 2015-16 में माध्यमिक विद्यालय उत्क्रमण के बाद अब तक एक भी शिक्षक- शिक्षकाओं का नियुक्त नहीं हुआ है। और न ही जिला कार्यालय से किसी शिक्षक/ शिक्षिकाओं का प्रतिनियुक्त किया गया है। विद्यालय में शिक्षक के अभाव में छात्र छात्राओं को पठन पठान में काफी कठिनाई हो रही है। वही आजसू पार्टी के प्रखंड सचिव तुलसी महतो ने बताया कि इससे पूर्व भी प्रखंड विकास पदाधिकारी,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी व आला अधिकारियों को इस संबंध में सूचना दिया गया है। परन्तु आज तक शिक्षक का प्रतिनियुक्त न होना अधिकारियों का लापरवाही साफ तौर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि एक सप्ताह तक में शिक्षक का प्रतिनियुक्त नहीं होता है तो शिक्षा मंत्री से मिलकर मामला को अवगत कराया जाएगा।

अनाथ बच्ची तुलसी सिंह के घर पहुंचे पटमदा अंचलाधिकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के लावा पंचायत के सिसदा गांव के टोला आम बहाल की दो वर्षीय अनाथ बच्ची तुलसी सिंह के माता पिता दोनों का निधन हो जाने से बच्ची के सिर से माता पिता दोनों का साया उठ गया। बुधवार को पटमदा अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास तुलसी के घर पहुंचकर उनके दादी से मिलकर सरकारी लाभ की कागजी कार्रवाई शुरू करने के लिए उनको आधार, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, पारिवारिक सदस्यों में जोड़ने के लिए अंचल से संबंधित खतियान आदि कागजात जाँच किया। वही गुरुवार को बच्ची तुलसी सिंह के आधार बनवाने का प्रक्रिया भी शुरू किया जाएगा।वही अंचलाधिकारी डॉ राजेंद्र कुमार दास के साथ समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने तुलसी के पिता के श्राद्ध कर्म में शामिल होकर कुछ खाद्य सामग्री सौंपा।वही अनाथ बच्चों को सरकार द्वारा मिलने वाली प्रतिमाह चार हजार की सहयोग राशि देने की भी प्रक्रिया की जाएगी। बता दे कि कुछ दिन पहले अनाथ बच्ची तुलसी सिंह के घर समाजसेवी विश्वनाथ महतो और पी एल वी मिथिलेश तिवारी ने पहुंचकर इस मामले से अंचलाधिकारी को इस घटना की जानकारी दी थी।वही कई समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित खबर के बाद भी कई समाजसेवियों के द्वारा तुलसी सिंह को सहयोग करने का सिलसिला जारी है।

फलगामा में निर्मम हत्या के विरोध में गोंदली पोखर में मशाल जुलूस निकाला गया

अनगड़ा : जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हिंदुओं पर पाकिस्तानी आतंकवादियों के द्वारा हिंदुओं की निर्मम हत्या के विरोध में आज भारतीय जनता पार्टी रांची ग्रामीण के अध्यक्ष श्री विनय महतो जी के नेतृत्व में आक्रोश प्रदर्शन हाथों में मसाल लेकर गोंदलीपोखर चौक इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप से निर्मल महतो चौक तक आक्रोश में मशाल जुलूस निकाला गयो मौके पर पूर्व विधायक राम कुमार पहान रांची जिला उपाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेंद्र महतो ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष नरेश साहू जिला परिषद आरती कुजूर अनुराधा मुंडा जलेंद्र प्रशाद कमलेश राम सुनील कुमार महतो रामनाथ महतो आदि शामिल थे।

कपाली व माकुलाकोचा में अखंड हरिनाम संकीर्तन में शामिल हुए सविता महतो

चांडिल : प्रखंड क्षेत्र के कपाली व माकुलाकोचा में चल रहे अखंड हरिनाम संकीर्तन में बुधवार को विधायक सविता महतो शामिल हुए। इस दौरान विधायक नें हरिमंडप में माथा टेक क्षेत्र का मंगलकामना किया। इस दौरान विधायक नें हरिनाम श्रवण कर कहा गांव में इस प्रकार के आयोजन से गांव में सुख समृद्धि बरकरार रहती है। उन्होंने युवाओं से इस प्रकार के धार्मिक आयोजन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने का अपील किया। इस अवसर पर झामुमो नेता दिलीप महतो, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलु महतो समेत काफी संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष उपस्थित थे।

कृषक मित्रों ने घेरा कृषि विभाग का कार्यालय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : पलामू जिले के कृषक मित्र अपनी मांगों को लेकर बुधवार को कृषि विभाग कार्यालय का घेराव किया। घेराव कार्यक्रम बड़ी संख्या में कृषक मित्र शामिल हुए। सभी ने एकजुटता दिखाते हुए एक साल से बकाया प्रोत्साहन राशि देने और हर महीने मानदेय भुगतान की मांग की। घेराव कार्यक्रम का नेतृत्व और अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजन कुमार दुबे ने किया। संचालन तनवीर आलम ने किया। जिला अध्यक्ष ने कहा कि सारे कृषक मित्र ग्राउंड जीरो पर जाकर कृषि और किसानों के हित में काम करते हैं, लेकिन उन्हें प्रोत्साहन राशि से भी वंचित किया जा रहा है। एक साल से प्रोत्साहन राशि नहीं दी जा रही

है। उनके ऊपर काम करने वाले कर्मियों को अच्छी खासी सैलरी मिलती है। वे एयर कंडीशन में बैठकर काम करते हैं लेकिन कृषक मित्र जो गांव-गांव जाकर काम करते हैं उन्हें सिर्फ छला जा रहा है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषक मित्रों को भी मानदेय देना होगा। उन्होंने कहा कि मिट्टी जांच, खाद, बीज, वितरण विधि से खेती करने, कृषक पाठशाला संचालन करने, किसान क्रेडिट कार्ड वितरण करवाने, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई, प्रधानमंत्री सम्मान निधि, बंजर भूमि को उपजाउ बनाने, कृषि समृद्धि, प्रधानमंत्री कुसुम योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सब्जी की खेती किसानों को प्रशिक्षण दिलवाने सहित अन्य कार्य कृषक मित्रों से कराए जाते हैं। इसके बदले में सरकार की ओर से सिर्फ 1000 हजार रुपये प्रोत्साहन राशि दी जाती है। वह भी एक वर्ष से नहीं मिली है। इसकी सारी जवाबदेही जिला कृषि पदाधिकारी की है, क्योंकि सरकार के साथ-साथ विभाग भी कृषक मित्रों के साथ छल कर रहा है। जिला उपाध्यक्ष कृष्णा बैठा ने कहा कि अगर कृषि विभाग कृषक मित्रों को 15 दिन के अंदर प्रोत्साहन राशि भुगतान नहीं करता है तो हम सभी लोग जून के महीने में इससे भी बड़ा आंदोलन करेंगे। जिला कृषि पदाधिकारी ने कृषक मित्रों को बताया कि प्रोत्साहन राशि का भुगतान अगले महीने कर दिया जाएगा। कृषक मित्रों को सभी योजना में शामिल किया जाएगा। कृषक मित्र विभाग की अहम कड़ी हैं और किसानों के साथ इनका अच्छा संबंध है। आपके बदौलत हमारा काम आगे बढ़ रहा है। हम आपकी सभी मांगों को अपने स्तर से हर संभव पूरा करने का आश्वासन देते हैं। घेराव कार्यक्रम में रामजन्म मेहता, वीमति कुमारी, प्रतिमा देवी, लीलावती देवी, रामसुंदर मेहता, सुरेंद्र सिंह, रोशन सिंह, आनंद कुमार सिंह, संतोष सिंह, विष्णु देव मेहता, मनोज सिंह, मुन्ना विश्वकर्मा, अरविंद सिंह, मनदीप मेहता, संजू चौरसिया सहित अन्य कृषक मित्र शामिल थे।

झारखण्ड सरकार कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग
(सहकारिता प्रभाग)
कार्यालय, जिला सहकारिता पदाधिकारी, राँची।

कार्यालय, निबंधक, सहयोग समितियाँ, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-825(8), दिनांक-22.04.2025 के आलोक मे झारखण्ड में एम0पी0सी0एस0(लैम्पस) के पुनर्गठन के पश्चात इनमें सदस्यों की कुल संख्या में आशानुरूप वृद्धि नहीं होने के कारण दिनांक-25.04.2025 से 25.05.2025 तक विशेष अभियान Mission Mode में चलाकर पंचायत क्षेत्र में स्थायी निवासी अर्हताधारी प्रत्येक परिवार से एक व्यक्ति को एम0पी0सी0एस0 (लैम्पस) की सदस्यता प्रदान किया जाना है।

विदित हो कि केन्द्रीय सहकारिता मंत्रालय के गठन के पश्चात सहकारिता प्रक्षेत्र आमूल-चूल परिवर्तन की ओर अग्रसर है। विभिन्न नये आयामों के द्वारा सहकारिता प्रक्षेत्र को सशक्त बनाये जाने हेतु सरकार के द्वारा अनेक नये अवसर प्रदान किये जा रहे हैं, यथाः-

1. अन्न भण्डारण हेतु प्रत्येक पंचायत में गोदाम भवन (100एम0टी0, 500 एम0टी0, World largest Grain Storage)
2. MPCS (लैम्पस) को प्रज्ञा केन्द्र की अनुज्ञप्ति।
3. प्रत्येक MPCS (लैम्पस) को कम्प्यूटरीकृत करना।
4. MPCS (लैम्पस) को खाद, बीज के अनुज्ञप्ति प्रदान कर ग्रामीणों में इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना।
5. पंचायतों में जन औषधि केन्द्रों की स्थापना।
6. MPCS (लैम्पस) को पेट्रोल पंप की सुविधा उपलब्ध कराना।
7. उन्नत कृषि को बढ़ावा देने हेतु सुलभ ऋण की व्यवस्था, रियायती दरों पर कृषि उपकरणों को उपलब्ध कराना, कृषि एवं लघुवनोपज का भण्डारण एवं क्रय-विक्रय की व्यवस्था।
8. कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना।
9. जमा वृद्धि योजना।
10. न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान अधिप्राप्ति योजना/लाह अधिप्राप्ति योजना एवं लघु वनोपजों का आहरण ।
11. फल सब्जी भण्डारण हेतु कोल्ड स्टोरेज की व्यवस्था।
12. Common Services Centre (प्रज्ञा केन्द्र) की स्थापना।
13. LPG Disttributionship योजना।
14. Petrol Pump का रिटेल आउटलेट योजना।
15. प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के द्वारा सस्ती दवाओं की व्यवस्था
16. प्रधानमंत्री किसान समृद्धि योजना से MPCS (लैम्पस) को आच्छादित करना
17. Operation and Maintennce of Pipe Water Supply Scheme के तहत जन-जन तक जल पहुँचाना।
18. ब्याज रहित के.सी.सी. ऋण
19. डोर स्टेप बैंकिंग सुविधाएँ
20. बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

इनके अलावा अन्य काफी अधिक योजनाओं को लैम्पस/एम0पी0सी0एस0 द्वारा ही लागू किये जाने की सरकार की योजना है जिनका लाभ इनके सदस्य ही प्राप्त कर सकते है।

प्रत्येक पंचायत में गठित बहुउद्देशीय प्राथमिक सहकारी समितियों के प्रबंधकारिणी कमिटी से सम्पर्क कर सदस्यता ग्रहण हेतु मात्र 110 रू0 जमाकर सदस्यता ग्रहण किया जा सकता है जिसमें 100 रू0 सदस्यता शेयर एवं 10 रू0 मात्र प्रवेश शुल्क शामिल है। सदस्यता फार्म निःशुल्क है।

जिला सहकारिता पदाधिकारी,
राँची।

PR 350902 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(25-26)D

सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

भारत गांवों का देश है। यहां की बहुसंख्यक आबादी आज भी गांवों में रहती है। भारत के गांव ही देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धुरी हैं।

इसीलिए कहा जाता है कि जब तक देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तब तक भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। गांव में सुशासन स्थापित करने के लिए ही ग्राम पंचायत की स्थापना की गई थी। हमारे देश के नेताओं को ग्रामीण पृष्ठभूमि का पूरा ज्ञान था इसलिए उन्होंने गांव के महत्व को समझकर ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की थी। उनको पता था कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा। गांव को मजबूत करने के लिए यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था।

आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव हैं जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई हैं। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायत राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायत राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायत राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था। राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायत राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायत राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायत राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है।

भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपने ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकते हैं। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायतें वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई हैं। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर हैं। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं मगर आज तक भी ग्राम पंचायतें अपने अधिकारों का प्रयोग नहीं कर पाती हैं। आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती हैं। उनमें से कई महिलाएं वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी-लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती हैं। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती हैं। मगर अधिकांशतः सुरक्षित क्षेत्र होने के कारण गांवों के प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच या सरपंच बनवा देते हैं, फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती हैं। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं। ऐसी स्थिति में पंचायती राज व्यवस्था के मजबूत होने की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। सरकार बार-बार परिपत्र जारी कर सरपंच के प्रतिनिधियों को पंचायतों के कार्यों में हस्तक्षेप करने से मना करती है मगर धरातल पर सरकार के परिपत्र मात्र कागजी बन कर रह जाते हैं। देश में आज चाहे ग्राम पंचायत हो, पंचायत समिति हो या जिला परिषद् हो। जहां भी महिला जनप्रतिनिधि निर्वाचित होकर आती हैं। उनके स्थान पर उनके परिजन ही कार्य करते देखे जा सकते हैं। सभी प्रदेशों की राज्य सरकारों को कड़ाई से इस पर रोक लगानी चाहिए ताकि महिलाओं को भी अपने पद पर काम करने का मौका मिल सके।

जम्मू-कश्मीर : हिन्दुओं की पहचान कर मार दी गईं गोलियां, कौन-सा भारत बना रहे हम

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने अंदर तक झकझोर दिया है। कहने को कहा जा रहा है कि विदेशी साजिश थी, पाकिस्तान का हाथ था लेकिन यह हाथ घर के अंदर आया कैसे? घर के भी कोई अपने थे, जो इस पूरे आतंकवादी घटनाक्रम में शामिल हैं। 'इंटेलिजेंस' इनपुट कह रहा है कि छह आतंकियों में से तीन भारत के नागरिक थे, जिन्होंने विदेशी इस्लामिक आतंकवादियों के साथ मिलकर हिन्दुओं का खून बहाया है। घटना के बाद से मीडिया में कई रिपोर्ट आई हैं, जिनमें से अनेकों में इस बात को दोहराया गया है कि पुलवामा हमला पार्ट-1 था जो 14 फरवरी 2019 को हुआ था, जिसमें 40 भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जान गई थी। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। अब पहलगाम हमला पार्ट-2 है जिसे 22 अप्रैल 2025 को 26 लोगों की जान लेकर अंजाम दिया गया है और कई घायल हैं। हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के फ्रंट ग्रुप द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान का आतंकी संगठन है। टीआरएफ जम्मू-कश्मीर में सक्रिय है और भारत इसे पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। यह गुट 2019 में तब सामने आया था, जब जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाया था। टीआरएफ ने अब तक सुरक्षाकर्मियों और आम लोगों पर कई हमले किए हैं, जिनमें 2020 में भाजपा नेता और उनके परिवार की हत्या के साथ 2023 में पुलवामा में कश्मीरी पंडित संजय शर्मा की हत्या भी शामिल है। साल 2019 के पुलवामा हमले में भी टीआरएफ का नाम आया था।

आज न जानें कितने टीआरएफ जैसे आतंकी संगठन भारत में पल रहे हैं। देखने में यही आता है कि इनके निशाने पर गैर मुसलमान खासकर हिन्दू रहते हैं। आखिर हिन्दुओं को ही क्यों टारगेट किया जाता है? जो लोग आज इसे हमला पार्ट-2 कह रहे हैं, उन्हें भी समझ लेना चाहिए कि यह कोई एक, दो, तीन, चार, पांच या अन्य जिसे गिनतियों में समाहित किया जा सके वह जिहादी या गैर मुसलमानों के प्रति चलनेवाला अभियान (पार्ट) नहीं है। भारत में मोहम्मद बिन कासिम से लेकर अब तक अनेकों आक्रमण हो चुके हैं। इतिहास में मुहम्मद बिन कासिम के बाद 10वीं शताब्दी से तुर्क आक्रमण शुरू हुए, जिनमें महमूद गजनवी, मुहम्मद गोरी, बाबर, तैमूर लंग, अलाउद्दीन खिलजी जैसे अंध जिहादियों के आक्रमण प्रमुख हैं।

भारत पर पहली बार मुस्लिम आक्रमण 712 ईसवी में हुआ था, तब से लेकर अब तक 1337 साल गुजर चुके हैं, इतने दिनों में सांस्कृतिक भारत कई हिस्सों में बंट चुका है। भारतीय उपमहाद्वीप के अनेक देश इसके प्रमाण हैं, पीढ़ियों के स्तर पर भारत आज अपनी 45 पीढ़ियां औसतन पार कर चुका है, उसके बाद भी शेष भारत और यहां का ज्यादातर बहुसंख्यक समाज (हिन्दू) है, वह समझना ही नहीं चाहता कि आखिर ये इस्लामिक जिहादी घटनाएं बार-बार क्यों हो रही हैं। क्यों मजहब के नाम पर अलग देश लेने के बाद भी ये रुकने का नाम नहीं लेतीं।

इसी संदर्भ में यह ऐतिहासिक प्रसंग है, जिसके मर्म को सभी को समझना चाहिए; जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष रहे मौलाना मुहम्मद अली ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि, अपने मजहब और अकीदे के मुताबिक मैं एक गिरे से गिरे और बदकार मुसलमान को भी महात्मा गाँधी से बेहतर समझता हूँ। यह चर्चित घटना सन 1924 की है, जिस का विवरण डॉ. आंबेडकर ने अपनी पुस्तक पाकिस्तान और पार्टीशन ऑफ इंडिया (1940) में दिया है। पूछने पर मौलाना ने अपनी बात को बार-बार दुहरा कर कहा, ताकि गलतफहमी न रहे। समझने के लिए यहां इतना जान लें कि मौलाना मुहम्मद अली बड़े प्रतिष्ठित आलिम थे और गाँधीजी के अन्यतम सहयोगी भी रहे थे। इससे भी मौलाना की संजीदगी समझी जा सकती है। मौलाना ने अपने रिलीजन का केंद्रीय तत्व बड़ी सुंदरता से रखा था। जहाँ आचरण नहीं, विश्वास मुख्य है।

इसी से अभी भारत, इजराइल, सीरिया, ईराक, युरोप के देशों में तबाही कर रहे लश्कर-ए-तैयबा, पासबान-इ-अहले हदीस, जैश-ए-मोहम्मद, तहरीक-ए-फुरकान, हरकत-उल-मुजाहिदीन, हरकत उल-अंसार, हिजबुल मुजाहिद्दीन, अल-उमर मुजाहिदीन, जम्मू एंड कश्मीर इस्लामिक फ्रंट, अल-बद्र, जमात-उल-मुजाहिदीन, अल-कायदा, दुख्तरान-ए-मिल्लत, इण्डियन मुजाहिदीन, इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड द लेवेंट, जमात-उल-मुजाहिदीन, इस्लामी स्टेट (आई.एस.आई.एस.), बोको हरम, तालिबान या लश्करे-तोयबा आदि संगठनों के कामों का भी सही वर्गीकरण कर लेना चाहिए।

वे सिरफिरे नहीं हैं, वे बेकार में हिंसा नहीं कर रहे हैं, उनका मकसद साफ है। जैसा भ्रमवश या लोगों को भुलावे में रखने के लिए कह दिया जाता है कि आतंकवादी का कोई मजहब या धर्म नहीं होता, वे उतने ही मुसलमान हैं, इसलिए किसी मुसलमान के लिए गाँधीजी जैसे गैर-मुस्लिमों से अधिक अपने हैं। जिहादी, आतंकवाद के संदर्भ में इस सत?य को ठीक से समझकर ही भारत पर हो रहे राजनीतिक, आध्यात्मिक, अन्य हिंसात्मक, लव जिहाद, लैण्ड जिहाद जैसे अनेक प्रकार के आक्रमणों को समझा जा सकता है। ईसाइयत और इस्लाम की वैसी मान्यताओं के ठीक विपरीत हिंदू धर्म किसी मतवाद, विश्वास आदि को धर्म का आधार नहीं मानता। इसीलिए हिंदू धर्म उस तरह सामाजिक-राजनीतिक और हिंसक रूप से संगठित धर्म या मत, पन्थ नहीं है, जो अपनी और दूसरों की गिनती आदि का ध्यान रखते हुए धर्म (मजहब) की चिंता कर सके। यह इस की कठिनाई भी है, जो इस पर इस्लाम अथवा ईसायत के संगठित आक्रमणों को अपेक्षाकृत आसान बनाती रही है। अर्थात, हिंदू धर्म की विशेषता एक विशेष परिस्थिति में इस की दुर्बलता भी बनी रही है।

इसी कारण लगातार हिंदू धर्म अरक्षित भी हो रहा है। इसकी इमारत किसी मत-विश्वास पर नहीं, बल्कि सृष्टि मात्र के साथ संबंध पर आधारित है। रिलीजन वाले मतवाद अपने आसपास बाड़ा बनाते हैं। जो उस के भीतर हैं वे 'अपने' हैं और बाकी सब 'गैर' और प्रायः शत्रु भी माने जाते हैं। लेकिन चूँकि हिंदू धर्म ऐसे बाड़े नहीं बनाता और किसी को गैर नहीं मानता। इसी से वह अकेला और अरक्षित भी रह जाता है। मत-विश्वास पर संगठित नहीं होने के कारण उस के अनुयायी आक्रामक रिलीजनों के प्रहार के सामने असहाय हो जाते हैं। जैसे कश्मीरी हिंदू असहाय मारे गए और अपने ही देश में विस्थापित, शरणार्थी बनने को विवश हुए। यह स्वतंत्र भारत में हुआ, पश्चिम बंगाल, समेत कई राज्यों में निरंतर हो रहा है। आज 'पहलगाम' के आतंकवादी हमले में भी वही हुआ है और हिंदुओं को चुन-चुन कर नाम पूछ कर मार दिया गया है। कहना होगा और यही सत्य भी है; वस्तुतः आज जो भारत में घट रहा है, वह दुनिया पर कब्जे की नीति रखने वाले, संगठित धर्मांतरणकारी रिलीजनों को हिंदू धर्म के बराबर कह कर भारत को पिछले कई सौ साल से निरंतर विखंडन के लिए खुला छोड़ दिये जाने का परिणाम है। क्या हम इसे पहचानने से भी इनकार करते रहेंगे? वास्तव में जब तक भारत के मदरसों एवं अन्य जगह दीनी तालीम के नाम पर, कभी अल्लाह, कभी रसूल, फिर कभी जिहाद के लिए और नफरत फैलाने वाले पाठ पढ़ाये जाते रहेंगे तब तक भारत में आगे भी गैर मुसलमान (हिंदू एवं अन्य) इसी तरह से मारे जाते रहेंगे। आगे भी इसी तरह पहलगाम का वो मंजर सामने आएगा, जिसमें पहले नाम, फिर धर्म और उसके बाद जबरन कलमा पढ़ने के लिए कहा जाएगा, कपड़े उतरवा कर देखा जाएगा कि सुन्नत हुई है या नहीं। तब जो लोग कलमा नहीं पढ़ पाएंगे या हिचकिचाएंगे, उन्हें वहीं पर गोलियों से भून डाला जाएगा। नहीं तो मुर्शिदाबाद जैसी घटनाएं बार-बार दोहरायी जाएंगी, जिसमें एक विशेष वर्ग के जिहादी-आतंकवादी भीड़ में आएंगे, सबकुछ लूट ले जाएंगे, जो शेष बचेगा उसे आग के हवाले करेंगे, पीटेंगे, मारेंगे, आपको गैर मुसलमान होने की सजा दी जाएगी। मजबूरन आप इसी तरह शेष भारत में भी बार-बार इधर से उधर पलायन करते रहेंगे, जब तक आपके अंत की घोषणा नहीं कर दी जाती है।

अश्वत्थामा शापित नहीं, बल्कि सप्तर्षि हैं...!

मनीष कुलकर्णी

बीते वर्ष 'कल्कि-2898 ए.डी.' नामक फिल्म प्रदर्शित हुई। इस काल्पनिक कथा में अमिताभ बच्चन ने अश्वत्थामा का पात्र निभाया है। साथ ही शाहिद कपूर की 'अश्वत्थामा' फिल्म भी निमार्णाधीन है। इन फिल्मों के माध्यम से महाभारत में खलनायक के रूप में चित्रित अश्वत्थामा एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। भारत में जब से न्यूज चैनल शुरू हुए हैं, लगभग हर हिंदी चैनल ने मध्यप्रदेश की नर्मदा नदी के किनारे या असीरगढ़ किले के मंदिर में पूजा करने वाले अश्वत्थामा पर स्टोरी दिखाई है। इसलिए यह कहना गलत नहीं होगा कि महाभारत के 5000 वर्ष बाद भी यदि श्रीकृष्ण, कौरव और पांडवों के अलावा कोई सबसे चर्चित पात्र है तो वह अश्वत्थामा है। मौजूदा समय में अधिकतर लोगों को अश्वत्थामा की पहली पहचान अपने घर के बड़ों द्वारा बोले जाने वाले सप्त चिरंजीवियों के श्लोक से हुई होगी। घर के धार्मिक वातावरण वाले दादा-दादी या नाना-नानी अपने नाती-पोतों से यह श्लोक जरूर बुलवाते थेः-

अश्वत्थामा बलिव्यासी हनुमांश्च विभीषणः।
कृपः परशुरामश्च सप्तैते चिरंजीविनः॥
सप्तैतान संस्मरेन्नित्यं मार्कण्डेयमथाष्टमम।
जीवेद्वर्षशतं सोऽपि सर्वव्याधिविवर्जितः॥

इस श्लोक के भावानुसार, जो व्यक्ति प्रतिदिन इन सात चिरंजीवियों और आठवें ऋषि मार्कण्डेय का स्मरण करता है, वह दीघायु और रोगमुक्त रहता है। अब प्रश्न उठता है- जो स्वयं घायल है, वह दूसरों को निरोग कैसे बना सकता है? यह विचार अपने आप यह सिद्ध करता है कि अश्वत्थामा के माथे पर नासूर बनी चोट केवल एक कल्पना है। क्योंकि यदि वह सचमुच घायल होता, तो श्लोक लिखने वाला उसे चिरंजीवियों की सूची में न रखता। यह पहला तार्किक विचार है। वही गोवर्धन के क्रियायोग गुरु शैलेन्द्र शर्मा अपने गहन अध्ययन के आधार पर अश्वत्थामा की एक अलग ही कहानी बताते हैं। शास्त्रों और धर्मग्रंथों का अध्ययन करने के बाद गुरुजी ने निष्कर्ष निकाला कि अश्वत्थामा केवल सप्त चिरंजीवी नहीं, बल्कि शापमुक्त भी हैं। इतना ही नहीं, उनका नाम आधुनिक सप्तर्षियों में भी लिया गया है और वे भविष्य के व्यास भी हैं।

महाभारत में अश्वत्थामा का चरित्र प्रतिशोध और प्रायश्चित की गाथा है। महाभारत के शल्य पर्व के अनुसार, द्रोणाचार्य और कृपी ने पुत्र प्राप्ति के लिए हिमालय की तलहटी (आज के उत्तराखंड) में भगवान शिव की तपस्या की थी। द्रोणाचार्य ने शिव जैसे तेजस्वी और बलशाली पुत्र की इच्छा की थी। परिणामस्वरूप दिव्य मणि के साथ अश्वत्थामा का जन्म हुआ। जन्म लेते ही घोड़े जैसी आवाज में रोने के कारण उसका नाम 'अश्वत्थामा' रखा गया। शिव पुराण में अश्वत्थामा को भगवान शिव का अवतार माना गया है।

अश्वत्थामा का चरित्र करुण, रौद्र और बीभत्स रस से भरपूर है। बचपन में जब उनकी माँ कृपी ने उसे दूध की मांग पर आटे में पानी डालकर पिलाया, तब पहली बार उसकी करुण छवि दिखाई दी। महाभारत युद्ध में वह एक अपराजित योद्धा बनकर सामने आया, यह उसका रौद्र रूप था। युद्ध के अंतिम चरण में जब उसने द्रौपदी के 5 पुत्रों की हत्या की और उत्तरा के गर्भ पर ब्रह्मास्त्र चलाया, तब वह बीभत्स व अमानवीय प्रतीत हुआ, लेकिन यदि हम इसकी गहराई से पड़ताल करें तो यह सब उसके पिता द्रोणाचार्य की कपट से हुई हत्या का प्रतिशोध था।

महाभारत युद्ध के दौरान पांडवों ने झूठी अफवाह फैलाई कि अश्वत्थामा मारा गया। यह सुनकर गुरु द्रोणाचार्य ने शस्त्र त्याग दिए और दृष्टद्युम्न ने उनकी हत्या कर दी। वहीं भीम द्वारा दुर्योधन को घायल करने के बाद अश्वत्थामा कौरव पक्ष का सेनापति बना। महाभारत के सौप्तिक पर्व के अनुसार, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और कृतवर्मा रात को एक पेड़ के नीचे विश्राम कर रहे थे। वहीं एक उल्लू को उन्होंने देखा जो कौवों के बच्चों को मारकर खा गया। इससे उन्हें रात्रि में सोए हुए पांडवों के शिविर पर हमला करने का विचार आया। जब अश्वत्थामा पांडव शिविर पहुंचे तो उन्होंने देखा कि स्वयं भगवान शंकर शिविर के रक्षक हैं। शिव के रूप का वर्णन महाकाल रूप में किया गया है। यहां वर्णित शिव जी व्याघ्रचर्मधारी, अनेक नेत्र और भुजाओं वाले, जिनके तेज से अनेक विष्णु प्रकट हो रहे हैं। यह दृश्य देखकर भी अश्वत्थामा रुका नहीं और शिव से युद्ध का निश्चय किया, लेकिन उसके सभी अस्त्र-शस्त्र शिव के शरीर में समा गए। इस पराजय से व्यथित होकर उसने आत्मदाह करने का निर्णय लिया। जैसे ही उसने अग्नि उत्पन्न कर उसमें कूदने की कोशिश की, स्वयं भगवान शिव प्रकट हुए। शिव ने उसमें प्रवेश किया और बोले, 'अब समय आ गया है, पांडवों की रक्षा का कार्य पूरा हुआ।' शिव का किसी शरीर में प्रवेश करने का यह इकलौता उल्लेखित उदाहरण है। इसके बाद अश्वत्थामा ने शिव से प्राप्त खड्ग लेकर तथा भगवान शिव के आवेश से आवेशित हो कर पांडव शिविर में प्रवेश किया और जिसको देखा उसे मार डाला।

दृष्टद्युम्न की हत्या उसने मुक्के मारकर की और द्रौपदी के पांच पुत्रों को पांडव समझकर मार डाला। इस भीषण नरसंहार का वर्णन सौप्तिक पर्व में भयावह और सारगर्भित रूप से किया गया है। पांडव और श्रीकृष्ण उस रात शिविर में नहीं थे, वे पहले ही गंगा तट पर विश्राम के लिए चले गए थे। अगली सुबह जब वे लौटे, तो ब्रह्मास्त्र चलाने और उत्तरा के गर्भ पर हमला करने की घटना हुई। उसके बाद श्रीकृष्ण ने अश्वत्थामा से मणि निकाल ली और उसे 3 हजार वर्षों तक अकेले भटकने का शाप दिया।

यदि तर्क के आधार पर विचार करें तो आज महाभारत को 5000 वर्ष हो गए ऐसा मानें, तो अश्वत्थामा लगभग 2000 वर्ष पूर्व ही शापमुक्त हो गया होगा। भगवान से शाप मिलने के बाद अश्वत्थामा महर्षि वेदव्यास के पास गए और उपाय पूछा। व्यास ने उन्हें रामेश्वरम जाकर कार्तिक स्नान और शिव उपासना करने का मार्ग बताया। अश्वत्थामा ने धनुषकोटि में एक महीने तक शिव की तपस्या की और कार्तिक की अंतिम रात शिव तांडव स्तोत्र का पाठ किया और हुए भगवान शिव ने उन्हें शापमुक्त किया। वहां एक शिलालेख आज भी है जिसमें लिखा है, 'यहां अश्वत्थामा शापमुक्त हुए थे।' इसके बाद वे ब्रह्मर्षि बने। इसके बाद कि कथा हमें ब्रजभूमि में मिलती है। जहां मथुरा के पास शेरगढ़ गांव में भारद्वाज गोत्र के रेकॉर्ड कीपर रहते हैं। भारद्वाज गोत्र आज भी ब्राह्मणों का सबसे बड़ा गोत्र माना जाता है। वही शेरगढ़ के रेकॉर्ड कीपर्स के प्रमाण सुप्रीम कोर्ट तक में माने जाते हैं। इन रिकॉर्ड के अनुसार अश्वत्थामा ने शापमुक्ति के बाद 17 विवाह किए थे। वही विष्णु पुराण के अनुसार अश्वत्थामा सिर्फ चिरंजीवी ही नहीं बल्कि सप्तर्षि भी हैं और भविष्य में व्यास बनेंगे। कल्कि अवतार के समय पुराने सप्तर्षियों के स्थान पर नए सप्तर्षि होंगे- अश्वत्थामा, कृपाचार्य, परशुराम, विश्वामित्र, गालव, मार्कण्डेय और कृष्ण द्वैपायन। इसलिए 'अश्वत्थामा शापित है और आज भी तेल मांगता है'- इस भ्रम में जीने की बजाय यदि हम महाभारत का सौप्तिक पर्व, स्कंद पुराण, शिव पुराण, विष्णु पुराण और भारद्वाज गोत्र का अध्ययन करें, तो स्पष्ट होता है कि अश्वत्थामा शापमुक्त हैं और भविष्य के व्यास भी। इन प्रमाणों को जानने के बाद हमारी शंकाएं दूर होती हैं और सत्य सामने आता है।

सूडोकु नवताल- 7410

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7409 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

विकसित भारत की नींव में गांव और युवाओं की भूमिका

रामदयाल सैन

भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। गांवों का विकास न केवल स्थानीय समृद्धि का सूचक है बल्कि यह राष्ट्रीय प्रगति और वैश्विक पहचान की दिशा में एक निर्णायक कदम भी है। 24 अप्रैल को मनाया जाने वाला पंचायती राज दिवस इसी संकल्प का प्रतीक है-एक ऐसा दिन जब हम लोकतंत्र को जड़ से मजबूत करने वाली संस्था 'पंचायत' की भूमिका को स्मरण करते हैं और उसके माध्यम से ग्रामीण विकास की दिशा में उठाए गए कदमों का मूल्यांकन करते हैं। आज जब भारत आजादी के 100 वर्ष पूरे करने की ओर अग्रसर है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रस्तुत "विकसित भारत@2047" का विजन हम सबके सामने एक स्पष्ट लक्ष्य रखता हैः आत्मनिर्भर, समावेशी, टिकाऊ और तकनीक-संपन्न भारत। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए पंचायती राज व्यवस्था और देश की युवा शक्ति की भागीदारी अनिवार्य है।

भारत में पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा 73वें संविधान संशोधन अधिनियम (1992) के माध्यम से मिला, जिससे स्थानीय शासन व्यवस्था को तीन स्तरों पर- ग्राम पंचायत, पंचायत समिति (ब्लॉक स्तर) और जिला परिषद- लागू किया गया। यह व्यवस्था जन-भागीदारी, स्थानीय स्वशासन और विकेन्द्रीकरण का आधार बनकर उभरी। ग्राम पंचायतें अब योजनाओं के क्रियान्वयन, बजट प्रबंधन, सामाजिक न्याय और सतत विकास के स्थानीय केंद्र बन गई हैं। हमें ज्ञात होना चाहिए कि पंचायती राज का उद्देश्य स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार योजनाएँ बनाना और लागू करना, ग्रामीण समुदायों को सशक्त और स्वावलंबी बनाना, सामाजिक न्याय, समावेशन और पारदर्शिता सुनिश्चित करना रहा है और इसकी प्राप्ति के लिए हमें मिलकर प्रयास करने होंगे।

भारत एक युवा देश है-जहां 65% जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यदि यह युवा वर्ग पंचायती राज व्यवस्था से जुड़कर ग्राम विकास में सक्रिय हो, तो यह एक सामाजिक क्रांति का स्वरूप ले सकता है। युवा डिजिटल परिवर्तन के अगुवा कराए हुए पंचायतों में तकनीकी नवाचार ला सकते हैं- जैसे डिजिटल ग्राम प्रोफाइल, ऑनलाइन शिकायत निवारण, मोबाइल ऐप से विकास ट्रैकिंग, ई-गवर्नेंस का विषय गाँव के आमजन को जानकारी देते हुए सरकार द्वारा किए गए नवाचरों, योजनाओं ओर उन योजनाओं की मॉनिटरिंग को आमजन तक पहुंच सकते हैं। कृषि व उद्यमिता में नवाचार हेतु फार्म-टू-मार्केट, जैविक खेती, एग्री-स्टार्टअप्स, ग्रामीण पर्यटन जैसी पहलें युवाओं द्वारा संचालित की जा सकती हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान में भी शिक्षा में डिजिटल प्लेटफॉर्म, मोबाइल हेल्थ क्लिनिक, ग्रामीण पोषण योजना, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता जैसे प्रयासों में युवाओं की भूमिका अहम है। वहीं सामाजिक सुधार और नेतृत्व करते हुए बाल विवाह, नशा मुक्ति, पर्यावरण सुरक्षा, लैंगिक समानता जैसे विषयों पर युवाओं का नेतृत्व परिवर्तनकारी हो सकता है।

वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2030 तक प्राप्त किए जाने वाले 17 सतत विकास लक्ष्यों (रऊॠ) को अपनाया गया, जिनका उद्देश्य गरीबी उन्मूलन, पृथ्वी की रक्षा और सभी के लिए समृद्धि सुनिश्चित करना है। भारत ने इन लक्ष्यों को अपनाया और इन्हें स्थानीय स्तर पर लागू करने के लिए विशेष प्रयास शुरू किए, जिससे विकास की असली नींव-ग्राम पंचायतें-सशक्त बन सकें। यही प्रक्रिया स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के रूप में जानी जाती है।

LSDGs का उद्देश्य वैश्विक SDGs को स्थानीय संदर्भ और जरूरतों के अनुसार ढालना है। इसका मतलब है कि हर पंचायत, ब्लॉक, ज़िला और राज्य अपनी स्थानीय प्राथमिकताओं के अनुसार विकास कार्यों को योजनाबद्ध और लागू करे ताकि 2030 तक सभी लक्ष्य हासिल किए जा सकें। पंचायती राज मंत्रालय भारत सरकार इस दिशा में कार्य कर रहा है ताकि प्रत्येक पंचायत और उन पंचायतों में रहने वाले लोगों का समग्र ग्राम विकास कर और ग्राम पंचायतों को सशक्त बना सके। वर्तमान में ग्राम पंचायतों मे होने वाले विकास कार्य स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप किए जा रहे ताकि गाँव के समग्र विकास के साथ 2030 तक हम संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा तय किए गए सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति भी कर सके। राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान और पंचायती राज के अनुसार, गरीबी उन्मूलन और निवासियों की आर्थिक भलाई में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है।

पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, इसका उद्देश्य सभी निवासियों के लिए स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करना और स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और स्वस्थ रहने की स्थिति तक पहुँच सहित कल्याण को बढ़ावा देना है।

पंचायत विकास योजना अभियान के अनुसार, यह सुनिश्चित करता है कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा की जाए और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अन्य आवश्यक सेवाओं तक पहुँच मिले।

ग्राम के सभी निवासियों के लिए स्वच्छ और पर्याप्त जल संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित करने और स्थायी जल प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करता है।

अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देकर, प्रदूषण को कम करके और हरित पहल को बढ़ावा देकर एक स्वच्छ और पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ गांव बनाने का लक्ष्य।

सड़क, जल आपूर्ति प्रणाली और स्वच्छता सुविधाओं जैसे आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने और बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करता है।

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

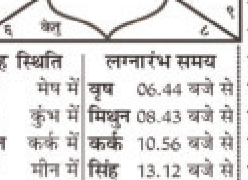

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	08.43 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.56 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.12 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.24 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.35 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.49 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.05 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.11 बजे से
		कुंभ	01.57 बजे से
		मीन	03.30 बजे से
		मेष	05.00 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2025 वर्ष का 114 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 14.33 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 10.49 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 15.56 बजे को समाप्त। **करण** बालव 14.33 बजे तदनन्तर कौलव 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 12° 52'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872324
जूलियन दिन 2460789.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना सव्वाल **तारीख** 25
विशेष वरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक		अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक	
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक		चर	07.11 से	08.43 बजे तक	
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक		रोग	08.43 से	10.15 बजे तक	
चर	10.19 से	11.47 बजे तक		काल	10.15 से	11.47 बजे तक	
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक		लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक	
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक		उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक	
काल	02.43 से	04.11 बजे तक		शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक		अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

श्री देवाचार्य जी महाराज ने गौशाला का किया

झुमरीतिलैया : भागवत कथा व्यास पूज्य श्री देवाचार्य जी महाराज जो प्रयागराज से चलकर झुमरी तिलैया में भागवत कथा कर रहे हैं का बुधवार को कोडरमा गौशाला में आगमन हुआ। इनका गर्म जोशी के साथ गौशाला के सचिव अरुण मोदी एवं आशा बरनवाल द्वारा स्वागत किया गया। इसके बाद वरिष्ठ सचिव ओमप्रकाश खेतान द्वारा अंग वस्त्र देकर महाराज जी का सम्मान किया गया। तत्पश्चात महाराज जी ने पूरे गौशाला क्षेत्र का अवलोकन किया।तथा गौशाला में हो रहे निर्माण कार्य पर संतुष्टि प्रगट की। फिर गौ पूजन करके गौ माता को हरा चारा गुड़ चोकर का भोग लगाया। और अपने हाथों से सबको खिलाएं इन्होंने बताया कि कई गौशाला कागजों पर चलती है जबकि यह कोडरमा का गौशाला जितना हमने सुना था उससे अधिक अच्छी चीज मुझे यहां देखने को मिली। निश्चित आने वाले समय में कोडरमा गौशाला एक पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाए यही प्रभु से हमारी इच्छा है। और ऐसा होना भी निश्चित है यहां की व्यवस्था बनते हुए गौ कास्ट जैविक खाद हरा चारा उत्पाद साफ सफाई देखकर उन्होंने काफी खुशी जाहिर की।

भारत विकास परिषद का शपथ ग्रहण समारोह आज

झुमरी तिलैया : भारत विकास परिषद झुमरी तिलैया की नयी कमिटि का शपथ ग्रहण समारोह उडान दायित्व के तहत गुरुवार की संध्या 06:30 बजे से झुमरी तिलैया के बाईपास रोड स्थित शिव वाटिका में आयोजित किया जायेगा। यह जानकारी सत्र 2024-25 के निवर्तमान अध्यक्ष प्रो० कैलाश राणा सचिव छोटेलाल पांडेय कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने संयुक्त रूप से दी। उन्होनें बताया कि सत्र 2025-26 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अरूण ओझा सचिव विमल पचीसिया कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश राय अपने टीम के साथ शपथ ग्रहण लेंगे। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथ्रि भारत विकास परिषद नॉर्थ के प्रदेश अध्यक्ष राम प्रवेश पांडेय , गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में केटीपीएस के मुख्य अभियंता मनोज ठाकुर तथा भारत विकास परिषद के प्रांतीय पदाधिकारी आश्विनी तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले की विधायक ने की घोर निंदा

बड़कागांव : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम स्थित बैसारन घाटी में 22 अप्रैल को हुए भीषण आतंकी हमले में 28 निर्दोष लोगों की जान चली गई। इस दुखद घटना पर बड़का गांव विधायक रोशनलाल चौधरी ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की, जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह आतंकी घटना अक्षम्य व घोर निंदनीय हैं, जिन लोगों ने इस दु:खद घटना में अपनों को खोया है उनके परिजनों के प्रति अपनी शोक संवेदनाएँ व्यक्त करता हूँ। प्रभु श्री राम से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दें। एवं घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करे। इस बर्बर हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील की है कि हमले के दोषियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि देश में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

जहां नाम पूछकर जान ली जाए, वहां इंसानियत मर चुकी होती है : अनूप जोशी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : भारतीय जनता पार्टी जिला कोडरमा के द्वारा काश्मीर आतंकवादी हमले के खिलाफ मशाल जुलूस झुमरी तिलैया के विश्वनाथ मोदी चौक से डॉक्टर गली स्टेशन रोड होते हुए झण्डा चौक पर सभा के रूप में तब्दील हुई। जुलूस में पाकिस्तान हाय हाय, पाकिस्तान मुदार्बाद, आंतकवाद नहीं सहेगा हिंदुस्तान, आतंकवादीयों को जड़ से नाश करो आदि नारे लगाए जा रहे थे। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने अपने सम्बोधन में कहा पहलगाम की घाटियों में कल जो कुछ हुआ, वह केवल एक आतंकवादी घटना नहीं थी वह एक जख्म है, जो हर भारतीय के दिल में उतर गया है। एक निर्दोष हिन्दू को सिर्फ उसके धर्म के कारण चुनकर मौत के घाट उतार देना, मानवता को शर्मसार करने वाली बर्बरता है।हमें आतंकवाद को जड़ से उखाड़ देना चाहिए ।आतंकवाद जहाँ से पैदा होता है उसको नेस्तनाबूद कर देना होगा । आज हर भारतवासी की आँखें नम हैं। उस माँ का रोना, उस पिता का टूटा गर्व, उस बच्चे की सूनी आँखें यह सब हमें झकझोरने के लिए काफी हैं। सवाल यह नहीं है कि हमला क्यों हुआङ्क सवाल यह है कि कब तक होता रहेगा? मैं केंद्र और राज्य सरकार से माँग करता हूँ कि इस कायरतापूर्ण हमले के दोषियों को तुरंत पकड़कर सख्त से सख्त सजा दी जाए। साथ ही घाटी में रहने वाले हिन्दू समुदाय एवं सैलानियों को सुरक्षा और सम्मान देने का पूरा प्रयास करना होगा । हम पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं उनका दुख हमारा दुख है, उनका दर्द पूरे राष्ट्र का दर्द है। और हम यह संकल्प लेते हैं कि इस तरह के कृत्य करने वालों को कभी चैन से जीने नहीं देंगे। कार्यक्रम मैं पूर्व जिलाध्यक्ष नीतीश चन्द्रवंशी, बीरेन्द्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष देवनारायण मोदी, जूही दास गुप्ता, गोपाल कुमार गुतुल,शिवेन्द्र नारायण, सुभाष मोदी, जिला मंत्री दिनेश सिंह, अल्पसंख्यक मोर्चा ज़िलाध्यक्ष अरसद खान, युवा मोर्चा ज़िलाध्यक्ष राजेश सिंह, चंद्रशेखर जोशी, पंकज दुबे,झुमरी तिलैया मण्डल अध्यक्ष सुधीर सेठ, नरेन्द्र पाल, हरि पण्डित,विनोद सिन्हा, सुजीत सिन्हा नवीन चौधरी, विनय साण्डिल्य, विनोद भदानी, अजीत चन्द्रवंशी, पीयूष सहल, राजू यादव, निरंजन कसेरा, अंकित गुप्ता, सीताराम भगत, संजय बनर्जी, अनिल शर्मा, बीरेन्द्र कुमार, विजय राम, उपेंद्र दुबे, दिनेश यादव, शंकर मोदी आदि कार्यकर्ता सम्मिलित हुए ।

किताब दुकानों पर की गई छापेमारी शर्मा बुक सेंटर हुआ सील

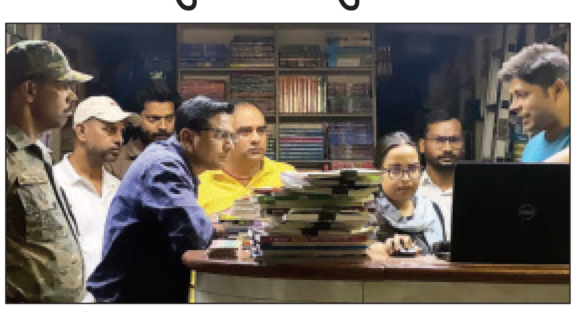

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला अंतर्गत झुमरी तिलैया नगर परिषद् में झुमरी तिलैया थाना के पीछे संचालित शर्मा बुक सेंटर द्वारा कम दाम वाले किताबों में अधिक दाम का लेवल लगाकर ब्रिक्री करने का मामला उपायुक्त मेघा भारद्वाज के संज्ञान में आया। संज्ञान आने के उपरांत उपायुक्त कोडरमा के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह के नेतृत्व जांच दल के द्वारा झुमरी तिलैया नगर परिषद् अंतर्गत संचालित शर्मा बुक सेंटर में छापेमारी किया गया। छापेमारी के दौरान किताबों की जांच की गयी,जिसमें प्रथम दृष्टया में आरोप सत्य पाये गये। संपूर्ण जांच होने के उपरांत दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। कारण पृच्छा नोटिस जारी हुआ। इधर शर्मा बुक सेंटर सील होने से पूरा जिला में किताब विक्रेता के दुकानदारों में मचा हड़कंप। पुस्तक विक्रेता दुकानदार खामोश, कोडरमा जिला प्रशासन रेस जिला प्रशासन सख्त, नहीं चलेगी मनमानी। अब क्या होगा यह तो भगवान ही जानते हैं।

झुमरी तिलैया में पाइप से घरों में गैस की व्यवस्था शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

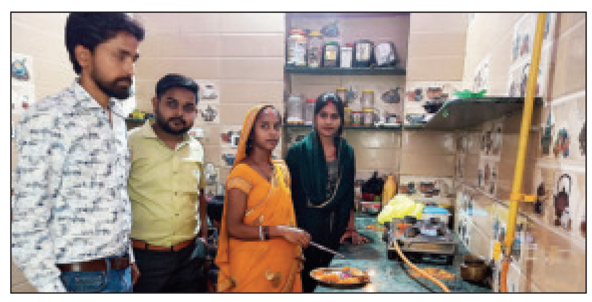

झुमरी तिलैया : नगरवासियों के लिए खुशखबरी है कि घर में पाइप से गैस का सपना झुमरी तिलैया में साकार होने लगा। झुमरी तिलैया शहरी क्षेत्र के नवादा बस्ती पहली बार कार्यकारी निर्देशक पूर्व क्षेत्र प्रमुख मनोज कुमार शर्मा, महाप्रबंधक पूर्व क्षेत्र पाइप कोलकता अभिया कुमार बेहरा एवं स्थानीय सीनियर मैनेजर रवि चौधरी, मैनेजर रवि रौशन, अमर कुमार, अनुपम कुमार ने इंदिरा देवी के निवास से गैस कनेक्शन देकर शुरूआत किया गया। इसके साथ ही इस इलाके के सोनी देवी, मुन्नी देवी पूर्णिमा देवी, पार्वती देवी सहित 10 घर में सांकेतिक तौर पर गैस कनेक्शन दिया गया। इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड को पेट्रोलियम एवं नेचुरल गैस रेगुलेटरी बोर्ड द्वारा झुमरी तिलैया के अलावा कोडरमा में पाइप लाईन बिछाने का कार्य किया जा रहा है बताया गया कि चालु वित्तीय वर्ष 2025-26 में हर घर में मीटर के साथ गैस कनेक्शन उपलब्ध कराया जायेगा। वर्तमान समय में 2700 घरों के लिए रजिस्ट्रेशन का कार्य किया जा चुका है। इसके तहत इंडियन आयल कारपोरेशन लिमिटेड ने अबतक कोडरमा जिले में 1पीएनजी स्टेशन खोल दिया गया है। नेचुरल गैस (सीएनजी एवं पीएनजी) स्वच्छ गैस है। पर्यावरण तथा मानव जीवन के लिए अनुकूल है। प्रदूषण रहित और किफायती है। इस मौके पर कनीय अभियंता दिनेश यादव, आशीष कुमार, आदि उपस्थित थे। पीएनजी को एलपीजी सिलेंडर से ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। एलपीजी, सिलेंडर के अंदर लिक्विड फार्म में होती है। वहीं पीएनजी कम दबाव की प्राकृतिक गैस होने के कारण सुरक्षित है। इसमें सिलेंडर की अपेक्षा ज्यादा सुरक्षा रहता है।

डीएवी में विलियम शेक्सपियर के जन्मदिन पर अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : डीएवी पब्लिक स्कूल में विलियम शेक्सपियर के जन्मदिन के अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय भाषा दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की विद्यार्थी जय मिश्रा, विशिष्ट अतिथि झुमरी तिलैया शहर के प्रतिष्ठित समाजसेवी अरुण मिश्रा उपस्थित थे। बच्चों ने तिलक लगाकर अतिथियों का स्वागत किया । विलियम शेक्सपियर के जन्मदिन के शुभावसर पर मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उनकी प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य कृष्ण कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि आज बड़े सौभाग्य की बात है हमारे बीच इसी विद्यालय की विद्यार्थी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित है। बच्चे अवश्य इनके विचारों से अभिप्रेरित होंगे । मुख्य अतिथि जय मिश्रा ने बतलाया कि मैंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा इसी विद्यालय से शुरू की थी। यह विद्यालय कोडरमा जिले का एक प्रतिष्ठित विद्यालय है। यहां के बच्चे केवल अपने देश में ही नहीं बल्कि देश के बाहर भी अपना परचम लहरा रहे हैं । उन्होंने बच्चों को बतलाया कि विलियम शेक्सपियर अंग्रेजी के महान विद्वान थे । हम उनके जीवन से बहुत कुछ सीख सकते हैं। विलियम शेक्सपियर का जीवन हमारे लिए प्रेरणा स्रोत है। प्राचार्य महोदय ने अपने संबोधन में बच्चों को बतलाया कि विलियम शेक्सपियर विशिष्ट प्रतिभा के धनी व्यक्ति थे । उनमें उच्च कोटि की सृजनात्मक प्रतिभा एवं कला के नियमों का सहज ज्ञान था । वे एक सफल अंग्रेजी नाटककार ,कवि एवं अभिनेता थे । उन्हें अंग्रेजी भाषा का महान लेखक और दुनिया का प्रमुख नाटककार माना जाता है। उनके द्वारा लिखित नाटक प्राचीन होने के बाद भी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मानव जीवन और समाज पर खरे उतरते हैं । उनकी रचनाएं आज भी लोगों को प्रेरित कर रही हैं। ऐसे प्रतिभावान व्यक्ति समाज में विरले ही जन्म लेते हैं । इस अवसर पर इशिका यादव ने शेक्सपियर के जीवन के संघर्षों से संबंधित बातों को साझा किया। ईशु ,प्रियांशु दास गुप्ता,अनन्या कुमारी ,सक्षम एवं आकांक्षा ने विलियम शेक्सपियर की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। शांभवी सिंह ने शेक्सपियर द्वारा लिखित द टेंपेस्ट नाटक के बारे में सबको बतलाया। संध्या ,अरात्रिका सिन्हा, प्रिये लक्ष्मी एवं संध्या ने विलियम शेक्सपियर द्वारा लिखित कविता प्रस्तुत की।

29 को एसबीआई शाखा परिसर में फ्री हेल्थ चेकअप का करेगा आयोजन

झुमरी तिलैया : भारतीय स्टेट बैंक झुमरी तिलैया शाखा ओआरसीएच आईडी के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 29 अप्रैल को ब्लाक रोड स्थित शाखा परिसर में आयोजित किया जाएगा।यह जानकारी एसबीआई शाखा के मुख्य प्रबंधक अमर कुमार सिंह ने दी उन्होंने यह भी बताया कि रांची की चिकित्सकीय टीम शामिल रहेगी। जिसमें ब्लड, शुगर,बीपी आदि की निशुल्क जांच होगी तथा चिकित्सकों के द्वारा परामर्श भी दिया जाएगा। उन्होंने ग्राहकों और आम लोगों से इस शिविर में शामिल होने की अपिल की है।

हजारीबाग जिला कांग्रेस कार्यकारणी की हुई बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में जिला कांग्रेस कार्यकारणी की महत्वपूर्ण बैठक जिला कांग्रेस के अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव के अध्यक्षता में की गई। बैठक में मुख्य रूप से जिला पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो और जिला के प्रभारी रामगढ़ की विधायक ममता देवी उपस्थिति रही । कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान और धन्यवाद ज्ञापन महानगर कांग्रेस अध्यक्ष मनोज नारायण भगत ने किया । कांग्रेस पार्टी संगठन सृजन कार्यक्रम जो पूरे भारत में चल रहा है उसी कड़ी में बैठक हुई। जिला पर्यवेक्षक पूर्व मंत्री जलेश्वर महतो ने बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के निर्देश पर जिला कमेटी को साथ ही जिला के अध्यक्ष को और सशक्त बनाया जाएगा। प्रखंड कमेटी को विस्तार करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिया। जिला कांग्रेस की बैठक 1 से 15 तारीख हर महीने बैठक करना है और कार्य करने के सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है इसी प्रकार हजारीबाग जिला के सभी प्रखंडों में 5 तारीख को बैठक की जाएगी। जिसमें प्रखंड के प्रभारी मुख्य रूप से उपस्थित रहकर प्रखंड में सृजन कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे । अप्रैल से जून तक 3 महीना या 100 दिनों का एक निश्चित कार्यक्रम दिया गया है। कार्यकर्ता ईमानदारी से अपने कार्य पूरा करेंगे। आने वाले दिनों में संविधान बचाओ अभियान भी चलाई जाएगी और लोगों को जोड़ते हुए एक बड़ी रैली 29 अप्रैल को की जाएगी। जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने सभी प्रखंड अध्यक्षों प्रखंड के प्रभारी को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए पांच तारीख को हर प्रखंड में बैठक करने और लोगों की समस्याओं को सुनने पार्टी के संगठन सृजन को आगे बढ़ाने और पार्टी के कार्यक्रमों को सही दिशा देने का आग्रह किया। राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे द्वारा दिए गए कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाना कार्यकताओं का दायित्व है। इस अवसर पर जिला के विधायक प्रभारी ममता देवी ने कहा की वर्तमान परिस्थितियों में पार्टी को संगठित कर मजबूत करना और राहुल गांधी के हाथ को मजबूत करना बहुत आवश्यक है। भारतीय जनता पार्टी जिस प्रकार से लगातार असंवैधानिक कानून को बना कर और संविधान को क्षति पहुंचाने का काम कर रही है। उसको रोकने के लिए कांग्रेस का संगठित होना और लोगों को जोड़ना आवश्यक है। सरकार के योजना का लाभ अंतिम वर्ग तक पहुंचाना है इसके लिए संगठन के माध्यम से लोगों को जागरूक करना है और कार्यकताओं को सशक्त और मजबूत करना हमारा उद्देश्य है। कार्यक्रम के पश्चात कश्मीर पहलगाम में आंतकी हमले में मारे गए निर्दोष लोग तथा कोडरमा लोकसभा से दो बार सांसद चुने गए तिलकधारी सिंह के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया। महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा पर्यवेक्षकों में अवधेश कुमार सिंह, दिगम्बर प्रसाद मेहता, सेवादल के अध्यक्ष गुड्डु सिंह, प्रदेश युवा कांग्रेस महासचिव कोमल कुमारी वरिष्ठ कांग्रेसजन, एसी सेल, इंटक के जिला अध्यक्ष जिला कांग्रेस के पदाधिकारीगण नगर कांग्रेस के पदाधिकारीगण सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कोडरमा कबड्डी लीग का हुआ उद्घाटन

कोडरमा : कबड्डी लीग -1 का उदघाटन समारोह झुमरी तिलैया के सी एच स्कूल मैदान में हुआ। प्रतियोगिता का भारतीय कबड्डी टीम के पूर्व कोच व द्रोणाचार्य पदक से सम्मानित श्रीमान बलवान सिंह एवम अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी ने किया। उद्घाटन समारोह में कोडरमा जिले के व्यवसायियों के साथ-साथ ट्रॉफी दस टीम जेनिज ग्लैडिटर्स,जैन द सुपर जाइंट्स, सेक्रेड टाईटंस, मॉडर्न मिरेकल, चंदा चैंपियन,लक्ष्मण लायंस, आदर्श पेंथर्स, कोंडनिया सुपर किंग्स, रूपम टैलेंट व बी आर वॉरियर्स के खिलाड़ी अपने कप्तान व टीम मालिक के नेतृत्व में मार्च पास्ट किया वहीं उद्घाटन समारोह में सांस्कृतिक नृत्य, देश भक्ति गीत गाकर व शैमरॉक गुरुकुल स्कूल के छोटे बच्चों के द्वारा देश भक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं पहले दिन कुल पांच मैच एक बालक वर्ग व चार बालिका वर्ग का खेला गया। उक्त कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य व सामाजिक व राजनीतिक व्यक्तियों के साथ-साथ कई चैनल व समाचार पत्र के पत्रकार शामिल हुए। उद्घाटन समारोह में संघ के सरंक्षक सेक्रेड टाइटन्स के मालिक प्रमोद कुमार, संरक्षक व जैन सुपर जाइंट्स के मालिक सुनील जैन, संरक्षक व मॉडर्न मिरकल्स की मालिक संगीता शर्मा, उपाध्यक्ष तौफीक हुसैन,विकास कुमार,संयुक्त सचिव विजय साहू, जय गोपाल शर्मा, कोषाध्यक्ष सह टूर्नामेंट कमिटी चैयरमेन विशाल सिंह, दीपक कुमार, टेक्निकल हेड कुंदन राणा,धीरज पांडेय, राजू रंजन सिन्हा, अमित राय, सुनील साव, आकाश कुमार आदि उपस्थित रहे।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले पर पतंजलि परिवार ने किया दुःख व्यक्त

झुमरीतिलैया : पतंजलि परिवार ने पहलगाम में आतंकवादी द्वारा किये गए घटना की भारी निंदा किया है। इस घटना का दु:ख व्यक्त करते हुए योगाचार्य सुषमा सुमन ने कहा कि भारतीय नागरिक जो अपने परिवार खोये है आतंकवादी हमले में मारे गए हैं इस दुखद घटना में पूरे पतंजलि परिवार कोडरमा जिलावासी इस दु:ख की घड़ी में उनके साथ खड़े हैं। और जो हम लोग के बीच नहीं रहे भगवान से प्रार्थना विनती करती हूं की उनकी आत्मा को भगवान अपने श्रीचरणों में जगह दें। भारत के प्रधानमंत्री से अनुरोध है विनती है जिसने धर्म को चुन-चुन कर ऐसी घटना का अंजाम दिया है बहुत दु:खद है इसका जवाब ऐसी मिलनी चाहिए जो भविष्य में भी चाह कर भी ऐसी घटना का अंजाम नहीं दे। 140 करोड़ की आबादी आपके साथ है इसलिए ईट का जवाब पत्थर से मिलना चाहिए। योगाचार्य प्रदीप कुमार सुमन ने कहा कि आज हमारे परिवार के बीच में पहलगाम में जो घूमने गए थे वह वापस नहीं आ पाये आतंकवादी की यह घटना जो हुई है बहुत ही दु:खद है। कितने के घर उजड़ गए कितनी मां बहन बेटियों का मांग का सिंदूर उजड़ गया। कितने मां का बेटा चला गया कितने बेटा का मां चली गई।यह भारी दु:ख आज देश में आई है। इस दु:ख की घड़ी में पूरे देश के नागरिक भारत सरकार के साथ है, भारत सरकार के गृहमंत्री और प्रधानमंत्री से अनुरोध विनती है अब चुप रहने का दिन चला गया है भगवत गीता में भी कृष्ण भगवान कहते हैं हमें बांसुरी भी बजाने आता है और चक्र भी चलाने आता है इसलिए यह बांसुरी से सुनने वाला नहीं है इसे चक्र की जरूरत है। और इसका जवाब कड़ा से कड़ा दिया जाए। ताकि फिर ऐसा कदम उठाने का कभी साहस न करें।

विद्यालय में निःशुल्क पोशाक वितरण समारोह का हुआ आयोजन

कोडरमा : जिला के डोमचांच प्रखंड अंतर्गत कृषि के गोद में बसा फुलवरिया पंचायत में संचालित सत्यम शिवम सुंदरम +2 उच्च विद्यालय फुलवरिया में नि:शुल्क पोशाक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। शिक्षण सत्र 2025-26 में नामांकन लेने वाले नए विद्यार्थी को विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से नि:शुल्क पोशाक वितरण का व्यवस्था किया गया विद्यालय के निदेशक सुखदेव हजाम, वरिष्ठ शिक्षक आशीष मिस्त्री, प्राचार्य रामकृष्ण मेहता, शिक्षक प्रदीप कुमार मेहता, अरुण कुमार, शिक्षिका ममता कुमारी के कर कमलों द्वारा किया गया। पोशाक पाकर विद्यार्थी के चेहरे पर मुस्कान देखा गया .वहीं अभिभावक में खुशी का लहर दौड़ गया। अभिभावक विद्यालय परिवार का खूब प्रशंसा कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्र में विद्यालय की ओर से इस प्रकार का गरीब अभिभावक के बच्चों को प्रोत्साहित करना काबिले तारीफ है। विद्यालय के निदेशक सुखदेव हजाम ने बताया कि नए सत्र 2025-26 में नामांकन लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को विद्यालय प्रबंध समिति की ओर से भविष्य में भी नि:शुल्क पोशाक वितरण किया जाएगा। मेरे विद्यालय में कुल नामांकित बच्चों में शिक्षा अधिकार अधिनियम के तहत 25■ बच्चे-बच्चियों को नि:शुल्क शिक्षा भी दिया जाता है इतना ही नहीं जिन विद्यार्थी के पिता का आकस्मिक निधन हो गया है उन विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा दी जाती है। विद्यालय की ओर से दिया जा रहा सुविधा एवं प्रोत्साहन के लिए विद्यालय की चर्चा चौक चौराहे पर खूब हो रही है।

झारोटेफ के तत्वाधान में ध्यानाकर्षण रैली का किया गया आयोजन, बीडीओ को सौपा ज्ञापन

झुमरीतिलैया : झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एण्ड एंप्लॉईज फेडरेशन (झारोटेफ) के तत्वाधान में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के ज्वलंत मांगों की पूर्ति हेतु ध्यानाकर्षण रैली का आयोजन कोडरमा जिला के कोडरमा सदर प्रखंड में किया गया। उक्त ध्यानाकर्षण रैली के अंतर्गत प्रखंड के राज्य कर्मचारियों ने अपने न्यायोचित मांगों के निमित प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, झारखंड सरकार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के साथ कर्मचारियों के हस्ताक्षर की प्रति भी अनुलग्न की गई। संगठन के प्राथमिक मांगों के अन्तर्गरत 1. अन्य राज्य कर्मियों की भांति शिक्षक संवर्ग को टअउढ का लाभ देने 2. राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष करने 3. केंद्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता प्रदान करने सहित 11 सूत्री मांग शामिल हैं। इस बावत झारोटेफ के प्रखंड अध्यक्ष गोपेश्वर साहू ने कहा कि आन्दोलन के प्रथम चरण में उपरोक्त प्राथमिक मांगों को लेकर पूरे राज्य में हस्ताक्षर महाअभियान चलाया गया। जिसमें अभी तक 40 हजार से अधिक कर्मचारियों ने आन्दोलन के समर्थन में हस्ताक्षर करते हुए राज्य सरकार से इन मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है। यह अपने आप में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक है तथा किसी संगठन के द्वारा अब तक के सर्वाधिक संख्या में हस्ताक्षर को दशार्ता है। इस ऐतिहासिक हस्ताक्षर महाअभियान की सफलता के लिए प्रखंड अध्यक्ष ने संगठन के समस्त प्राधिकारियों एवं सदस्यों का आभार प्रकट किया है।

विद्यालयों में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करना उद्देश्य : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के रविन्द्र भवन टाउन हॉल में बुधवार को प्रोजेक्ट परख अंतर्गत स्कूल रुआर कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ उपायुक्त मनीष कुमार, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, जिला शिक्षा अधीक्षक नयन कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी राहुल कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी पाकुड़ समीर अल्फ्रेड मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अमड़ापाड़ा प्रमोद कुमार गुप्ता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, हिरणपुर टुडु दिलीप ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपायुक्त ने कहा कि वे बच्चे जो विद्यालय छोड़ चुके है, उन्हें वापस लाने एवं उन्हें शिक्षित करना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि रुआर का मतलब वापस आओ होता है। विद्यालय में अनामांकित 5 से 18 आयु वर्ग के सभी बच्चों को हमे विद्यालय में वापस लाना है। इसके अलावा कक्षा 1 से 11 में नामांकित सभी बच्चों को अगली कक्षा में नामांकन सुनिश्चित कराना है। वहीं नामांकित सभी बच्चों का विद्यालय में उपस्थिति भी सुनिश्चित कराना है। बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए रचनात्मक प्रयासों पर जोर दें। जो बच्चे विद्यालय नहीं आ रहे हैं, उनके घरों में जाकर अभिभावकों से बात करें। उपायुक्त ने बताया कि यह कार्यक्रम 21 अप्रैल से लेकर 10 मई तक चलाया जाएगा। जिसमें विद्यालय के शिक्षक बाल पंजी का अद्यतीकरण व विद्यालय से बाहर के बच्चों को सूचीबद्ध करना है। जिले को शिक्षा के क्षेत्र में बढ़ाने को लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के लिए सभी शिक्षक, पीआरआई मेंबर, मीडिया प्रतिनिधियों सभी मिलकर शिक्षा विभाग के साथ साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएं। उपायुक्त ने बताया कि दिनांक 24 अप्रैल को जिले एवं सभी प्रखंडों में ब्लड डोनेशन कैंप का आयोजन किया जाएगा। उपायुक्त ने सभी से आग्रह किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों को प्रेरित कर रक्तदान करवाएं। जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा कि बैक टू स्कूल कैंपेन 10 मई तक चलेगा। अभियान के तहत आंगनबाड़ी से प्राथमिक विद्यालय, प्राथमिक से मध्य व मध्य से उच्च तथा उच्च से उच्चतर विद्यालयों में ड्रॉपआउट या अनामांकित बच्चों का नामांकन होगा। स्कूलों को यह मैपिंग करनी है कि कक्षा पांच से छह, कक्षा आठ से नौ व कक्षा 10 से 11 में बच्चों का नामांकन हुआ। विद्यालय स्तर पर 21 अप्रैल से 10 मई तक विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी अनीता पुरती ने कहा कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, की एक भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रह जाए। सरकार सभी बच्चों को शिक्षित करना चाहती है। ताकि बच्चे शिक्षित हो कर समाज व देश के विकास में अग्रसर हो सके।

जिला दंडाधिकारी की अध्यक्षता में नीति आयोग योजनाओं की हुई समीक्षात्मक बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद, नीति आयोग आदि मद के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद, नीति आयोग आदि मद के तहत संचालित योजनाओं एवं वित्तीय वर्ष 2024-2025 की प्रगति की जानकारी ली गई तथा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, असैनिक शल्य चिकित्सा, भवन प्रमंडल, समेकित जनजातीय विकास अभिकरण एवं नगर परिषद के अंतर्गत संचालित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए एवं गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए। समीक्षा के क्रम में सदर अस्पताल में पेइंग वार्ड निर्माण, प्रखंड स्तरीय पुस्तकालय का कार्य, संध्या महाविद्यालय के समीप महिला शौचालय, मध्य विद्यालय सकरीगली, बरहेट में छह अतिरिक्त कक्षा का निर्माण, बाल गृह भवन की मरम्मती कार्य, राजमहल प्रखंड अंतर्गत छोटा हरीशचंद्रपुर में विश्राम गृह का निर्माण, साहेबगंज जिला में वेस्ट वंडर पार्क निर्माण, पीवीटीजीएस समुदाय परिवारों को रोजगार के अवसर प्रदान हेतु मशरूम उत्पादन, मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना की प्रगति की विस्तृत जानकारी ली गई।

रेलवे स्टेशन में बाल तस्करी का पदार्फाश, 5 नाबालिक बच्चों के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज जिला के बरहरवा रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और मंथन संस्था के संयुक्त प्रयास से दो बाल तस्करों को गिरफ्तार कर बाल तस्करी की एक बड़ी कोशिका को नाकाम कर दिया गया है। इनके कब्जे से पांच नाबालिक बच्चों को सुरक्षित मुक्त कराया गया। बता दें कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि इन बच्चों को मजदूरी के उद्देश्य से अवैध रूप से दूसरे राज्य ले जाया जा रहा था। गिरफ्तार तस्करों को पूछताछ के बाद कानूनी कार्रवाई के तहत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में मंथन संस्था की भूमिका सराहनीय रही, जिन्होंने तुरन्त सूचना और सहयोग देकर बच्चों को सुरक्षित बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। मामले की आगे की जांच जारी है, ताकि इस

गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी पहचान की जा सके। आरपीएफ अधिकारी ने बताया कि रेलवे स्टेशनों पर निगरानी और भी सख्त की जाएगी ताकि इस तरह के मामले को रोका जा सके।

कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में भाजपा ने निकाली आक्रोश रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : पहलगाम कश्मीर में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के विरोध में भाजपा जिला कमेटी की ओर से एक आक्रोश रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ पोखरिया स्थित टाउन हॉल से होकर साक्षरता चौक,विकास भवन रोड होते हुए समाहरणालय तक पहुंची। रैली की अगुवाई भाजपा जिला अध्यक्ष उज्वल मंडल ने की। रैली के दौरान पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी की गई। कहा गया कि हिंदुओं को टारगेट कर उन्हें मारना बंद करो। आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने की मांग की गई। समाहरणालय पहुंचने के बाद पहुंचकर 2 मिनट का मौन रखकर आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बाद में भाजपा का एक शिष्ट मंडल उपायुक्त से मिलकर राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन समर्पित किया। ज्ञापन के माध्यम से आतंकवादियों का मुंह तोड़ जवाब देने, आतंकवादी गतिविधियों को संगठन देने वाली ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करने सहित अन्य मांगे की गई। रैली में भाजपा के वरिष्ठ नेता गणेश प्रसाद तिवारी, रामानंद साह, राजेश मंडल, कुमारी गरिमा, प्रदीप अग्रवाल, चंद्रभान शर्मा, और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। दरअसल जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में बीते मंगलवार को आतंकियों ने पुलिस की वर्दी में पर्यटकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी थी। इस हमले में 28 लोगों की मौत हो गई है, वहीं 12 पर्यटक घायल थे। हमला बैसरन घाटी में हुआ था, जहां केवल पैदल या खच्चरों से पहुंचा जा सकता है। सुबह पर्यटकों का एक समूह वहां घूमने गया था। अज्ञात हमलावरों ने पर्यटकों पर नजदीक से गोलियां चलाईं थी।यह घटना ऐसे समय हुई है जब वर्षों तक आतंकवाद से जूझने के बाद कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में भारी वृद्धि देखी जा रही है।

पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए भारतीय नागरिकों को कैंडल मार्च द्वारा दी गयी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले में मारे गए निर्दोष भारतीय नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए कैंडल मार्च का आयोजन किया। पाकुड़ युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष बिलाल शेख के नेतृत्व में पाकुड़ जिला कांग्रेस भवन के सामने शाम 6 बजे कैंडल मार्च निकाला गया, जिसमें मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मौके पर युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

किसानों के साथ विकास परिषद द्वारा कार्यशाल सह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड में बुधवार को झारखण्ड विकास परिषद द्वारा प्रखंड स्तरीय कृषि को लेकर किसानों के साथ एक दिवसीय कार्यशाल कार्यक्रम का आयोजन प्रखंड सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संयुक्तरूप से दीपप्रवजलित कर मुख्य अथिति अंचलाधिकारी ओसाफ अहमद खां, प्रखंड कृषि पदाधिकारी नवीन कुमार, सहायक तकनिकी प्रबंधक लारेंस मालतो, संस्था के कार्यक्रम प्रबंधक मनोरंजन सिंह, परियोजना समन्वयक राजीव रंजन, महिला किसान सुजाता सोरें सोरेंन, दुलड हांसदा और मरियंम मरांडी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में किसानों के लिए बाजार पहुँच में सुधार को

लेकर लोकल बाजार लेम्प्स के बारे में बताया गया साथ ही फसल विविधीकरण के बारे मे बताया गया कि फसल विधिकरण एक प्रक्रिया है जिसमें किसानों की फसलों की कीमत और गुणवत्ता का निर्धारण किया जाता है।

किसानों को अपनी फसल विधिकरण के मुख्य उद्देश्य हैं:
किसानों को उचित मूल्य दिलाना। फसलों की गुणवत्ता में सुधार करना। किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करना।

वहीं फसल विधिकरण के फायदे:
किसानों को उचित मूल्य मिलता है। फसलों की गुणवत्ता में सुधार होता है। किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होता है। किसानों को अपनी फसलों का बेहतर मूल्य मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगी।

वहीं सहकारी समिति के गठन का मुख्य उदेश्य, कृषि सहकारी समिति का गठन को लेकर चर्चा की गयी। उन्नत कृषि हेतु जलवायु अनुकूल सतत कृषि और जल प्रबंधन के बारे में बताया गया। सहायक तकनीकी प्रबंधक ने किसानो को पर्यावरण और जलवायु के अनुकूल खेती करने के बारे मे बताया गया। जलवायु परिवर्तन वैश्विक कृषि के लिए एक बड़ी चुनौती पेश करता है, जिसके लिए आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है। बदलती जलवायु से उत्पन्न चिंताओं के जवाब में, जलवायु-स्मार्ट कृषि जलवायु चुनौतियों का समाधान करने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और कृषि लचीलापन बढ़ाना ही उद्देश्य है।फसल विकास के अलावा, कार्यक्रम शिक्षा और क्षमता निर्माण पर जोर देगा, जिससे संधारणीय प्रथाओं को लागू करने में सक्षम जानकार किसानों का समुदाय विकसित होगा। प्रशिक्षण सत्र और कार्यशालाएँ मौजूदा कृषि विधियों में नवीन कृषि तकनीकों, जैसे कि जल-कुशल सिंचाई, मृदा संरक्षण और एकीकृत कीट प्रबंधन को एकीकृत करने पर ध्यान केंद्रित करेंगा। अंत में प्रशिक्षण का उद्देश्य न केवल कृषि उत्पादकता और स्थिरता में सुधार करना है, बल्कि समुदाय के लचीलेपन भी मजबूत करना है, यह सुनिश्चित करना है कि किसान जलवायु परिवर्तन द्वारा उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद विकास हो सकें। जलवायु-लचीली कृषि एक ऐसा दृष्टिकोण है जो कृषि प्रणालियों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अधिक अनुकूल बनाने का प्रयास करता है, जबकि दीर्घकालिक उत्पादकता और स्थिरता सुनिश्चित करता है।

एक नजर

मवेशी लदी पिकअप को पकड़ ग्रामीणों ने किया पुलिस के हवाले

साहिबगंज/मंडरो : मिजाचौकी थाना क्षेत्र के मुख्य सड़क पर बुधवार की सुबह मवेशी लदा पिकअप वाहन (डब्ल्यू बी 59 डी 1005) को ग्रामीणों ने पकड़ कर मिजाचौकी पुलिस के हवाले कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त वाहन पर तीन दुधारू गाय एवं तीन बछड़ा था। जैसे ही ग्रामीणों ने मवेशी लदा पिकअप वाहन को पड़कर पुलिस को सूचना दिया। इस दौरान चालक समेत अन्य लोग पिकअप वाहन एवं मवेशी छोड़कर मौके से फरार हो गए। उक्त सभी लोग तस्करी के नियत से निकटवर्ती मिजार्गांव हाट से मवेशी खरीद कर ले जा रहे थे। मिजाचौकी पुलिस ने जांच के बाद पिकअप वाहन सहित मवेशी को छोड़ दिया है।

पहलगाम में आतंकी हमले पर हो निर्णायक कार्रवाई : भाजपा

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम (जमशेदपुर) में करणी सेना के उपाध्यक्ष की नृशंस हत्या और जम्मू-कश्मीर के पहलगांव में निर्दोष पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर भाजपा के पश्चिमी सिंहभूम जिला इकाई राष्ट्र की अस्मिता पर सीधा हमला बताया है। पार्टी की जिला इकाई ने सख्त लहजे में कहा कि अब समय आ गया है जब ऐसे अपराधियों और आतंकियों को कठोरतम दंड दिया जाए। भाजपा जिला अध्यक्ष संजय पांडे ने इन घटनाओं को राज्य और देश की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल बताते हुए कहा कि करणी सेना के नेता की हत्या झारखंड की कानून-व्यवस्था की विफलता को उजागर करती है। उन्होंने मांग किया कि इस जघन्य हत्या की उच्चस्तरीय जांच कराकर फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से दोषियों को कड़ी सजा दी जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को 50 लाख रुपये की सहायता राशि, एक आश्रित को सरकारी नौकरी और बच्चों की शिक्षा की पूरी जिम्मेदारी सरकार उठाए।

दो दिवसीय फुटबॉल टूर्नामेंट का आजसू जिलाध्यक्ष चतुरानंद पांडे ने किया उद्घाटन

साहिबगंज : बुधवार को मंडरो प्रखंड के कोदोपारा गांव में दो दिवस फुटबॉल टूनार्मेंट का सफल आयोजन किया जा रहा है। फुटबॉल टूनार्मेंट में कुल 16 टीमों ने भाग लिया है। जहां मुख्य अतिथि के रूप में आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष चतुरानंद पांडे ने फीता काट कर मैच का शुभारंभ किया। जहां फुटबॉल कमेटी ने जिलाध्यक्ष से सभी खिलाड़ियों का परिचय पात्र करवाया। जिलाध्यक्ष ने फाइनल में पहुंचने के लिए दोनों टीमों को शुभकामनाएं दी। जहां फुटबॉल टूनार्मेंट में फाइनल मुकाबला एसएस जिओन झरना सुंदर पहाड़ बनाम एफसी टीम के बीच खेला जा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

ज़िले में आवंटित आवास का होगा जीणोद्धार

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में सरकारी आवास आवंटन समिति की बैठक आयोजित की गई। उपायुक्त ने पदाधिकारियों एवं कर्मियों के आवास को जीणोद्धार हेतु भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को प्राक्कलन बनाने का निर्देश दिया गया। साथ ही परिसर का सौंदर्यीकरण करने, पेड़ लगाने, बाउंड्रीवॉल मरम्मती एवं सर्किट हाउस की मरम्मति करने का निर्णय लिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, उप विकास आयुक्त महेश कुमार संथालिया, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, प्रभारी, सामान्य शाखा मोहनलाल मरांडी, जिला स्थापना उप समाहर्ता मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

विवाहित महिला का अपहरण कर किया हत्या

साहिबगंज : जिले में इन दोनों चोरी हत्या काफी बढ़ गई है। आए दिन जिले में लगातार हत्या की घटना घट रही है। जहां ताजा मामला तालझारी थाना क्षेत्र के जसकुटी के पास मंगलवार को झाड़ी में महिला का नरकंकाल मिला है। शव की पहचान राजमहल थाना क्षेत्र के मलाही टोला निवासी ऋतु देवी के रूप में हुई। ऋतु देवी 7 अप्रैल से लापता थी। पति नित्यानंद कर्मकार ने गांव के ही गणेश साहा पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पहाड़ के पास झाड़ी में महिला का शव पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नरकंकाल बरामद किया। शव पूरी तरह सड़ चुका था। रात में पहचान नहीं हो सकी। तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। शव के पास से महिला की जूती, हैंडबैग घड़ी, और बैंक पासबुक मिली। इन्हीं सामानों के आधार पर पति नित्यानंद ने शव की पहचान अपनी पत्नी ऋतु देवी के रूप में की। पति नित्यानंद ने बताया कि 7 अप्रैल को ऋतु पासबुक लेकर बैंक जाने की बात कहकर घर से निकली थी। शाम तक नहीं लौटी। मोबाइल भी बंद मिला। काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 8 अप्रैल को राजमहल थाना में पत्नी के अपहरण की शिकायत दर्ज किया था। पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। वही मृतिका के एक बेटा विराट कुमार और एक बेटी प्रिया कुमारी है। मृतका के पति ने बताया कि गांव का गणेश साहा उस पर बुरी नजर रखता है। अश्लील इशारे करता है। लोकलाज के डर से वह पहले कुछ नहीं बोली। जब गणेश की हरकतें बढ़ीं, तब उसने पति को बताया। इसके बाद नित्यानंद ने गणेश को समझाया था कि वह अपनी हरकतें बंद करे, वरना समाज में उसकी बदनामी होगी। गणेश साहा ने ही उसकी पत्नी का अपहरण किया और हत्या कर शव झाड़ी में फेंक दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

दरभंगा से लौटने के दौरान, हावड़ा जयनगर ट्रेन में बेहोशी की हालत में मिला, युवक

साहिबगंज : मालदा रेल मंडल अंतर्गत साहिबगंज रेल पुलिस ने नशाखुरानी गिरोह के शिकार हुए एक युवक को बेहोशी की हालत में ट्रेन से बुधवार की सुबह सदर अस्पताल साहिबगंज में भर्ती कराया युवक मजदूरी का काम करके घर आ रहा था। नशाखुरानी गिरोह के शिकार युवक महबूब आलम 25 वर्षीय बताया जा रहा है। इस संबंध में रेल पुलिस ने बताया कि युवक के पास से ट्रेन का टिकट बरामद किया गया है जो की दरभंगा से पाकुड़ जा रहा था, और अचेत अवस्था में रेल जीआरपी व आरपीएफ पुलिस ने डॉन हावड़ा जयनगर ट्रेन में साहिबगंज स्टेशन में अचेत अवस्था में मिला। आरपीएफ के कॉन्स्टेबल राजकुमार शाह ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया अस्पताल में चिकित्सक केशव कृष्णा के द्वारा इलाज प्रारंभ किया गया। इधर युवक ने अपना नाम महबूब आलम पाकुड़ जिले के रहने वाले बताया है आगे युवक ने बताया कि दरभंगा से काम करके पाकुड़ लौट रहे थे। उसी दौरान नशाखुरानी के गिरोह ने बिस्किट में डालकर कुछ खिला दिया। युवक के पास से रेल पुलिस ने राजमिस्त्री में काम आने वाले औजार बरामद किया है। इधर पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हुआ कार्यक्रम, अंबेडकर पार्क की हुई स्थापना

साहिबगंज : ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन की साहिबगंज शाखा की ओर से मंगलवार की देर शाम स्थानीय रेलवे स्टेशन चौक स्थित नवनिर्मित अंबेडकर पार्क में बाबा साहेब की जयंती पर समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर अंबेडकर पार्क की स्थापना की गई। अध्यक्षता अभिनंदन कुमार ने की। वहीं मौके पर बतौर मुख्य अतिथि ईई रामाकांत पासवान, शाखा सचिव प्रेम शंकर पासवान, एडिशनल शाखा सचिव अभय चौधरी ने संयुक्त रूप से बाबा साहेब की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया। वहीं मौके पर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने बाबा साहेब की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताएं गए रास्तों को अपनाने की अपील की। शाखा सचिव प्रेम शंकर, कोषाध्यक्ष राजकुमार राम आदि ने बाबा साहेब की जीवनी से प्रेरणा लेने की बात कही है। मौके पर संगठन मंत्री गौतम दास, हिमांशु कुमार, मुकेश चौधरी शत्रुघ्न चौधरी, मौसम कुमार, पीके प्रभाकर, लूसीयस मुर्मू, लोको इंस्पेक्टर बीबी प्रसाद, एलारसा के एडिशन ब्रांच सेक्रेटरी गोपाल कुमार, निरंजन दास जूनियर इंजीनियर, सुजीत दास, अशोक कुमार लोको पायलट, केडी मंडल, आदि मौजूद थे।

गिरिराज सिंह ने आर.जे.डी सुप्रीमो को दिया चैलेंज

बोले- लालू यादव के पास जुबान नहीं, हिम्मत है तो बिहार के विकास पर कर लें बहस

बेगूसराय। बीजेपी के सीनियर लीडर और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राजद सुप्रीमो लालू यादव को विकास के मुद्दे पर बहस करने का चैलेंज दिया है। उन्होंने कहा है कि लालू यादव को विकास के मुद्दे पर बोलने का कोई हक नहीं है। इसके साथ ही मधुबनी में होने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को देश के विकास के लिए एक नया आयाम बताया है। बेगूसराय में पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मानना है कि भारत को हम विकसित राष्ट्र बनाना चाहते हैं। लेकिन पूर्वांचल के विकास के बगैर भारत विकसित राष्ट्र नहीं हो सकता है। पूर्वांचल का विकास करना है तो पूर्वांचल के मुख्य द्वार गेटवे ऑफ ईस्टर्न बिहार है इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में प्रोसेसिंग यूनिट की बात की। बिहार में मखाना की बात की, मखाना सेंटर खोलने की बात की। बिहार में नदियों पर 17 पुल देने की बात ही नहीं की, बल्कि पुल देने का काम किया है। जिस बेगूसराय से हम चार-चार घंटे में पटना पहुंचते थे, आज बरौनी थर्मल से पटना गोलघर डेढ़ घंटे में पहुंच रहे हैं।यह नरेंद्र मोदी के विकास का विजन है कि बिहार के विकास के बगैर पूर्वांचल का विकास नहीं हो सकता है। पूर्वांचल के विकास के बगैर देश का विकास नहीं हो सकता है। इसी को साकार करने के लिए चाहे वह बेगूसराय और भागलपुर आते हैं। कल प्रधानमंत्री मधुबनी आ रहे हैं, पूरा विश्वास है कि एक नया आयाम लिखा जाएगा। गिरिराज सिंह ने कहा कि आज तक दरभंगा में एम्स खुला था क्या, आज हर जिले में मेडिकल कॉलेज खुल रहा है। यह नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की जोड़ी है। इसी विकास को सार्थक को बनाने के लिए नरेंद्र मोदी कल मधुबनी से अपने सभा को संबोधित करेंगे। इससे भारत के विकास में एक नया आयाम शुरू होगा।विपक्ष द्वारा नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम पर सवाल उठाने तथा जुमले बाजी कर जाने के सवाल पर कहा कि लालू यादव को मैं चुनौती पूर्ण करना चाहता हूं कि अगर आपको बिहार के विकास पर बहस करनी है तो कर लें। भारतीय जनता पार्टी या एनडीए के कार्यकताओं से लेकर जिससे चाहें बहस करें। जिसको कहें गांधी मैदान या फ्रेजर रोड में बहस कर सकते हैं। कभी आपने बिहार को लालटेन युग में पहुंचा दिया था, आज बिहार के बच्चों को बिजली मिल रहा है। 30 साल के बच्चों को याद नहीं होगा, यहां एक ही धंधा था फिरौती का धंधा। उनको तो जुमलेबाजी दिखेगा ही, 20 साल में नीतीश कुमार की सरकार, एनडीए की सरकार और 10 साल की मोदी और एनडीए की सरकार में बिहार के विकास में मिल का पत्थर रख दिया है। लालू यादव को जुबान नहीं है कि बिहार पर कुछ बोल सकें।

संक्षिप्त डायरी

3 बदमाशों ने फायरिंग कर की दहशत फैलाने की कोशिश

समस्तीपुर। के उजियारपुर थाना क्षेत्र के प्रेमब्रह्माडा गांव में मंगलवार शाम बाइक सवार तीन बदमाशों ने एक घर के सामने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। घटना शाम करीब 8 बजे की है। गांव के बिनोद सिंह ने बताया कि इसी दिन पहले जमीनी विवाद को लेकर बदमाश पिस्टल लेकर आए थे, जिसका वीडियो भी सामने आया है।उजियारपुर थानाध्यक्ष संजय कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि घटनास्थल से कोई खोखा नहीं मिला है, इसलिए मामला संदिग्ध लग रहा है। जिले में अवैध हथियारों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। मुंगेर से आने वाले कट्टे 3 से 5 हजार रुपए में बिक रहे हैं। देसी पिस्टल की कीमत 15 से 20 हजार रुपए है।एक संगठित गिरोह इस धंधे को चला रहा है। पिछले कुछ महीनों में कई गंभीर वारदातें हुई हैं। मार्च में मुसरीघरारी में कुत्ते पर गोली चली। जनवरी में बिथान के सिहमा गांव में ताश के विवाद में धर्मेंद्र कुमार की हत्या हुई।पिछले साल मोहिउद्दीननगर और मुफस्सिल में जमीनी विवाद में तीन लोग मारे गए और दो घायल हुए।अवैध हथियारों की बरामदगी और गिरोहों को किया जा रहा चिह्नितसूत्रों के अनुसार, जिले में कई जगह लोहे के काम की आड़ में मिनी गन फैक्ट्रियां चल रही हैं। सिंघिया थाना क्षेत्र में एक ऐसी फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ और हथियार बनाने के उपकरण जब्त किए गए। इससे पहले हसनपुर ताजपुर बंगरा में भी एक फैक्ट्री पकड़ी गई।एएसपी संजय पांडे ने बताया कि अवैध हथियारों की बरामदगी की जा रही है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हथियार तस्करी करने वाले गिरोहों को चिह्नित किया जा रहा है।

'पत्नी से तंग आ गया हूं, मुझे मरने दो

भागलपुर। अबाबाग लेन में रहने वाले शैलेंद्र ने पत्नी के अफेयर से परेशान होकर आत्मदाह की कोशिश की है। बुधवार को दोपहर के समय कचहरी चौक पर खुद के शरीर पर पेट्रोल छिड़क लिया। लेकिन आग लगाने से पहले मौके मौजूद पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया। किसी तरह से समझा-बुझाकर उसे शांत कराया।शैलेंद्र ने पत्नी पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो मुझे जेल भिजवा देगी। मैं कोर्ट-कचहरी के चक्कर से तंग आ गया हूं। मेरे साथ नहीं रहना चाहती। कम से कम मुझे मेरे बच्चों को सौंप दें। अब मैं झेल नहीं पाऊंगा, मुझे मरने दो।शैलेंद्र ने बताया कि 2011 में प्रियंका से शादी हुई थी। कुछ सालों तक सबकुछ ठीक चला। तीन बच्चे भी हुए। 13 और 11 साल के दो लड़के हैं, जबकि 9 साल की एक बेटी है। मैं रेलवे में प्राइवेट एजेंसी की ओर से स्वीपर का काम करता था। ज्यादा सैलरी नहीं थी। पत्नी बार-बार पैसों की डिमांड करती थी। इसको लेकर अक्सर झगड़ा भी होता था। बाद में प्रियंका ने घरेलू प्रताड़ना का आरोप लगाकर मुझे जेल भिजवा दिया।"दो साल पहले सितंबर 2023 में प्रियंका घर से ज्वेलरी और कैश लेकर फरार हो गई थी। बाद में कोर्ट में तलाक का केस भी फाइल कर दिया। दो साल से कोर्ट में केस चल रहा है। अब मेरी पत्नी और उसके प्रेमी की ओर से लगातार मुझे धमकाया जा रहा है।'2 दिन पहले हुआ था हाई वोल्टेज ड्रामा सोमवार को शैलेंद्र अपनी पत्नी प्रियंका को मानने कोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान प्रियंका के साथ उसकी मां भी आई थी। सास शैलेंद्र को देखते ही भड़क गई थी। दोनों ने जमकर हंगामा किया था। प्रेमी की पहचान कमल उर्फ छोटू पासवान के रूप में हुई है।

5 बदमाशों ने सोने की चेन-अंगूठी और मोबाइल लूटा

सीवान। के महराजगंज में अपराधियों ने दिनदहाड़े तेघरा पैक्स अध्यक्ष को लूट लिया। घटना महराजगंज थाना क्षेत्र के आकाशीमोड़ के पास की है। पीड़ित अमरेश कुमार गौतम बंगरा के रहने वाले हैं।अमरेश कुमार ने बताया कि वे अपने घर से महराजगंज जा रहे थे। आकाशीमोड़ के पास दो बाइक पर सवार पांच बदमाश पहले से घात लगाए हुए थे। अपराधियों ने उनके शरीर पर हथियार सटा दिया। उन्होंने धमकी दी कि चेन, अंगूठी और मोबाइल दे दो, नहीं तो गोली मार देंगे।सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस जान जाने के डर से पीड़ित ने बिना शोर मचाए सोने की अंगूठी, चेन और मोबाइल दे दिया। बदमाश बाइक की चाबी भी निकालकर महराजगंज की तरफ भाग गए। घटना पीड़ित के घर से महज 200 मीटर की दूरी पर हुई। अपराधियों के भागने के बाद स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिली।स्थानीय लोगों की मदद से पीड़ित थाने पहुंचे। उन्होंने लिखित शिकायत दर्ज कराई है। घर के पास हुई इस लूट की घटना से परिवार में दहशत का माहौल है। महराजगंज थाना प्रभारी उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। घटनास्थल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर से बाहर निकलते ही ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत

छपरा। के भगवान बाजार थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में बुजुर्ग की मौत हो गई है। बरहमपुर डी के पास बेकाबू बालू लदे ट्रैक्टर ने राहगीर जमाल खान को कुचल दिया। जमाल खान की मौके पर ही मौत हो गई। वो अपने घर से बाहर जाने के लिए निकले थे। घटना के बाद स्थानीय लोग और परिजन घायल को छपरा सदर अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की पुष्टि के बाद परिजनों में आक्रोश फैल गया। भगवान बाजार थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।फरार चालक की तलाश में जुटी पुलिसथाना अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि घटना अजबगंज इलाके की है। तेज गति और लापरवाही से चल रहे बालू लदे ट्रैक्टर की टक्कर से यह हादसा हुआ।

डॉक्टरों की कथित लापरवाही से नवजात की मौत

बांका। के एक निजी क्लीनिक में मंगलवार को इलाज के दौरान तीन दिन के नवजात शिशु की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही और मोटी रकम वसूलने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। यह घटना रजौन थाना क्षेत्र के भुसिया रोड स्थित एक निजी क्लीनिक की है। नवजात बच्चे की मौत के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।मृतक नवजात के पिता पवन कुमार यादव भागलपुर के थाना लोदीपुर के चौधरी डीह गांव के निवासी हैं। पुलिस को दिए गए आवेदन में पिता ने बताया कि उनकी पत्नी पूजा देवी गर्भवती थी और प्रसव के लिए रजौन के अंग नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। 19 अप्रैल को डॉक्टरों ने ऑपरेशन की सलाह दी, जिसके बाद बच्चे का जन्म हुआ। डॉक्टरों ने नवजात की स्थिति गंभीर बताई और उसे पास के एक चाइल्ड अस्पताल के शिशु इकाई में रखने की बात कही। इलाज के दौरान डॉक्टरों ने कुल ढाई लाख रुपए की मांग की, जिसमें से पवन ने 2 लाख रुपए नकद दे दिए।ढाई लाख पैसे दिया, नहीं बचा नवजात परिजनों के अनुसार, 22 अप्रैल को जब पिता पवन ढाई लाख में से बचे हुए 50 हजार रुपए लेकर अस्पताल पहुंचा, तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी। जब उन्होंने मौत का कारण जानना चाहा तो डॉक्टरों और स्टाफ ने धमकी दी, जिसके बाद वहां से भागा दिया गया।

5 बच्चों की मां के साथ पकड़ाया, जबरन कराई शादी

बेगूसराय। में पांच बच्चों की मां को एक बच्चे के पिता के साथ आपत्तिजनक हालत में पकड़े जाने का मामला सामने आया है। जिसके बाद लोगों ने पहले प्रेमी की पिटाई की, फिर दोनों की जबरन शादी करा दी। पूरे मामले का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि लोगों ने पकड़े गए व्यक्ति को लोगों ने पीटकर चोटिल कर दिया है। चोटिल हालत में प्रेमी युवक एक महिला की मांग में लगातार सिंदूर ल थाना के गांधी ग्राम सूजा की है। जानकारी के अनुसार लोगों ने बताया कि महिला का उस व्यक्ति से प्रेम प्रसंग का मामला भी चल रहा था। जिसको लेकर पहले भी पंचायती हुई थी। जिसके बाद युवक ने कुछ दबंगों को साथ लाकर ग्रामीणों को धमकाया भी था। हालांकि उसके बाद दोनों को नहीं मिलने की बात करते हुए मामला को खत्म किया गया था। वहीं, एक बाद फिर से भूसा के ढ़ेर में आपत्तिजनक हालत में पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने युवक को पीटकर उसका सिर फोड़ दिया है। वहीं, जबरन शादी कराने के बाद व्यक्ति अपने साथ महिला को रखने के लिए तैयार है। जिसको लेकर महिला का कहना है कि वो अपने सभी बच्चों को अपने साथ रखेगी। ग्रामीणों ने बताया कि महिला गांव के ही पप्पू महतो की पत्नी नीलम देवी है, जो पांच बच्चों की मां है। महिला का इसी गांव में घर बनाकर रह रहे डेटा इंट्री ऑपरेटर विकास कुमार के साथ एक साल से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। तीन माह पहले भी लोगों ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में पकड़ा था। उस समय पंचायत कर मामले को रफा-दफा कर दिया गया कि अब दोनों नहीं मिलेंगे लेकिन मंगलवार को एक बार फिर गांव के बाहर लोगों ने दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया।जिसके बाद लोग आक्रोशित हो गए और दोनों को पकड़ कर पहले पिटाई कर दिया। उसके बाद अपशिष्ट प्रबंधन भवन में बंद कर दिया। बाद में गांव वालों ने दोनों को शादी करा दिया। महिला अब अपने बच्चों के साथ नए पति के साथ ही रहना पसंद करती है।प्रेमिका से पत्नी बनी महिला को साथ रखेगा व्यक्ति

डेटा इंट्री ऑपरेटर विकास ने बताया कि वह साहेबपुर कमाल में डेटा ऑपरेटर है और एक बच्चे का पिता है। गांव वालों ने जबरन शादी कराई है, लेकिन वह प्रेमिका से पत्नी बनी महिला के साथ-साथ पहली पत्नी को भी रखेगा। इस मामले में महिला नीलम देवी का कहना है कि शादी हो गई है लेकिन उसके पांच बच्चे हैं।

ईडी का राजवीर कंस्ट्रक्शन मालिक के यहां छापा

बांका में 13 घंटे चली कार्रवाई, लाखों की नकदी और जेवरात बरामद

बांका। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बिहार के बांका में राजवीर कंस्ट्रक्शन के मालिक विमल अग्रवाल के घर छापेमारी की। मंगलवार सुबह 8 बजे शुरू हुई यह कार्रवाई करीब 13 घंटे तक चली। बौसी थाना क्षेत्र के श्रीराम मेडिकल स्थित विमल अग्रवाल के आवास से दो ब्रीफकेस में लाखों की नकदी और जेवरात बरामद हुए। ईडी ने बरामद सामान को बैंक में जमा करा दिया। टीम ने छापेमारी के बाद कोई जानकारी साझा करने से इनकार कर दिया।सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने एक साथ झारखंड और उड़ीसा समेत एक दर्जन से अधिक स्थानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग और बोकारो के वन भूमि घोटाले से जुड़ी बताई जा रही है। 2022 में वन विभाग की जमीन की अवैध खरीद-बिक्री का मामला सामने आया था। इसकी जांच पहले सीआईडी ने की थी। नगदी, जेवरात और दस्तावेजों की जांचछापेमारी में एक महिला अधिकारी सहित छह अफसर और चार सुरक्षा जवान शामिल थे। कार्रवाई से पहले श्रीराम मेडिकल हॉल के सभी कर्मचारियों के मोबाइल जब्त कर लिए गए। टीम ने दूसरी मंजिल पर नगदी, जेवरात और दस्तावेजों की जांच की। कुछ स्थानों की तलाशी के लिए छैनी और हथौड़े का भी इस्तेमाल किया गया।बैंक से नोट गिनने की मशीनों मंगाया करीब 10 घंटे बाद पीएनबी बैंक के तीन कर्मियों को नोट गिनने की मशीनों के साथ बुलाया गया। बरामद नकदी को कैश वैन से बांका भेजा गया। विमल अग्रवाल के घर पर इससे पहले सितंबर 2023 में जीएसटी विभाग ने भी छापा मारा था। राजवीर कंस्ट्रक्शन का कारोबार कई राज्यों में फैला हुआ है।

कार के सीक्रेट चैंबर से 58.5 किलो चांदी बरामद

बांका। में पुलिस ने वाहन जांच अभियान के दौरान एक कार से 58 किलो 480 ग्राम चांदी के जेवरात बरामद किया। मौके से पश्चिम बंगाल के दो तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। बताया जा रहा है गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बाराहाट पुलिस ने यह कार्रवाई का है।मंगलवार की देर शाम बाराहाट पुलिस ने भागलपुर-हंसडीहा सड़क मार्ग पर यह करवाई किया। इस दौरान पूछताछ और जांच पड़ता चलता रहा।बाराहाट थानाध्यक्ष दीपक पासवान ने बताया कि भागलपुर-दुमका मुख्य मार्ग पर वाहन जांच की जा रही थी। एक संदिग्ध कार की तलाशी में उसके अंदर बने गुप्त तहखाने से भारी मात्रा में चांदी के जेवर मिले। इलेक्ट्रिक तराजू पर मापने पर बरामद चांदी कुल वजन 58 किलो 480 ग्राम निकला। पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर निवासी गुरु प्रसाद करमोकार और अमन मलिक हैं। पूछताछ में पता चला कि वे चांदी को पश्चिम बंगाल से दरभंगा ले जा रहे थे।मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीओ अविनाश कुमार और एसडीपीओ अर्चना कुमारी ने मौके का जायजा लिया। एसडीपीओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

नर्तकी शानू खान की मौत मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

दरभंगा। के जाले थाना क्षेत्र के जोगियारा गांव में शनिवार रात शादी समारोह में डांस के दौरान हुई हर्ष फायरिंग में नर्तकी शानू खान की मौत के मामले में पुलिस ने दूल्हा और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों को मुजफ्फरपुर जिले के बेनीबाद थाना क्षेत्र के कोदई गांव से पकड़ा गया। दूल्हा राजन कुमार सिंह और उसके पिता पूर्व सैनिक रामबिनय सिंह वहां अपने रिश्तेदार के घर में छिपे हुए थे। पुलिस ने तकनीकी सेल की मदद से दोनों को दबोचा। थानाध्यक्ष संदीप कुमार पाल ने बताया कि दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य आरोपितों की तलाश में छापेमारी जारी है। फरार आरोपितों में दूल्हे का भाई रंजन कुमार सिंह, मां अनिता देवी, मुजफ्फरपुर जिले के कटरा थाना क्षेत्र के बाघा खाल निवासी अमित सिंह, प्रभात सिंह और करीब दस अज्ञात लोग शामिल हैं।

आतंकी न हिंदू न मुस्लिम, उनका कोई धर्म नहीं-जमा खान

कश्मीर में हुए हमले पर बोले मंत्री- प्रधानमंत्री ने रद्द की विदेश यात्रा

मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग

कैमूर। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद जमा खान ने कश्मीर में हुए आतंकी हमले पर प्रतिक्रिया दी है। कैमुर के चैनपुर प्रखंड में उन्होंने कहा कि कश्मीर में आतंकवादियों ने जो हत्याएं की वो बेहद दुखद हैं। मंत्री ने कहा कि आतंकवादियों का न कोई धर्म होता है और न जाति होती है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस की है। जमा खान ने बताया कि इस घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री को अपना विदेश दौरा भी रद्द करना पड़ा।

मंत्री ने आगे कहा कि समाज में कुछ लोग भाईचारा बिगाड़ना चाहते हैं। कोई भी धार्मिक ग्रंथ ऐसा करने की इजाजत नहीं देता। एक मुस्लिम होने के नाते वह कह सकते हैं कि जो व्यक्ति किसी की जान लेता है, वह मुसलमान नहीं हो सकता। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत गंगा-जमुनी तहजीब का देश है। यहां हिंदू-मुस्लिम हमेशा से साथ रहे हैं।

इस हमले में रोहतास के एक व्यक्ति की भी मौत हुई है। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी-बच्चों के सामने बिहार के IB अफसर की हत्या

पहलगाम में आतंकियों ने बरसाईं गोलियां, बुलेट्स की आवाज सुनकर परिवार को दूसरी तरफ भेजा था

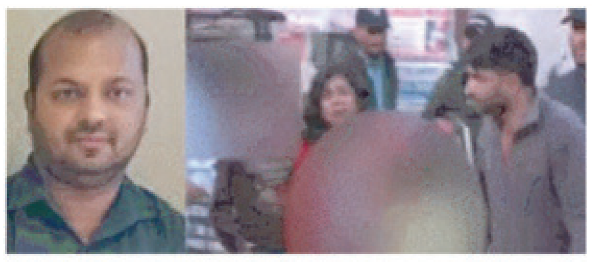

सासाराम। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। हमले में बिहार के रहने वाले मनीष रंजन भी मारे गए। मनीष पिछले 2 सालों से IB के हैदराबाद ऑफिस में सेक्शन ऑफिसर के पद पर पोस्टेड थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, गोलियों की आवाज सुनकर मनीष ने पत्नी और बच्चों को दूसरी दिशा में भागने को कहा। इस दौरान वे परिवार से अलग हो गए। आतंकियों ने उन्हें गोली मार दी। मनीष रोहतास के करगहर थाना क्षेत्र के अरुही गांव के रहने वाले थे। सासाराम शहर के गौरक्षणी मोहल्ले में उनका पुश्तैनी घर है। यहां हमें मनीष के बचपन के दोस्त राजीव उनयन मिले। बोले- 'ये कायराना हरकत है। सरकार को सख्त एक्शन लेते हुए आतंकियों को नेस्तनाबूद कर देना चाहिए।'मनीष के चाचा आलोक कुमार ने बताया- 'मनीष की शादी इलाहाबाद में साल 2010 में हुई थी। उनकी एक बेटी और बेटा है। मुझे मंगलवार रात 9 बजे टीवी से आतंकी हमले की जानकारी मिली। हम न्याय चाहते हैं। सरकार को आतंकियों को खत्म कर देना चाहिए।'औरंगाबाद के वीनगर प्रखंड अंतर्गत बेलाई गांव में उनके पिता का ननिहाल है। परिवार को लोगों ने 30 अप्रैल को परिवार में एक लड़के की शादी है। मनीष ने कहा था कि, जम्मू कश्मीर की यात्रा के बाद 30 अप्रैल औरंगाबाद आएगा और शादी में शामिल होगा।ली की कश्मीर घूमने की ख्वाहिश थीमनीष को पत्नी और 2 बच्चों के सामने गोली मारी गई। रंजन की पत्नी जया और बच्चे सुरक्षित हैं। परिवार ने बताया कि, मनीष की पत्नी कई दिनों से कश्मीर घूमने के लिए कह रही थी।मनीष ने शुरूआती पढ़ाई सासाराम में ही की थी। 2008 में रांची IB में जॉब लगी। 2010 में मनीष की शादी हुई थी। 12 साल का बड़ा बेटा है और 8 साल की लड़की है।मनीष के चाचा आलोक प्रियदर्शी ने बताया- 'मैं भी मनीष के परिवार के साथ कश्मीर जाने वाला था, लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से नहीं जा सका।'

औरंगाबाद में रह रहे उनके रिश्तेदार डॉ. सुरेंद्र मिश्र ने बताया- '3 दिन पहले मनीष हैदराबाद से वैष्णो देवी गए थे।'मनीष 3 भाइयों में सबसे बड़े थे। उनका एक भाई विनीत रंजन झारखंड में एक्साइज विभाग में अफसर हैं। दूसरा भाई राहुल रंजन छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में फूड इंस्पेक्टर है।

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

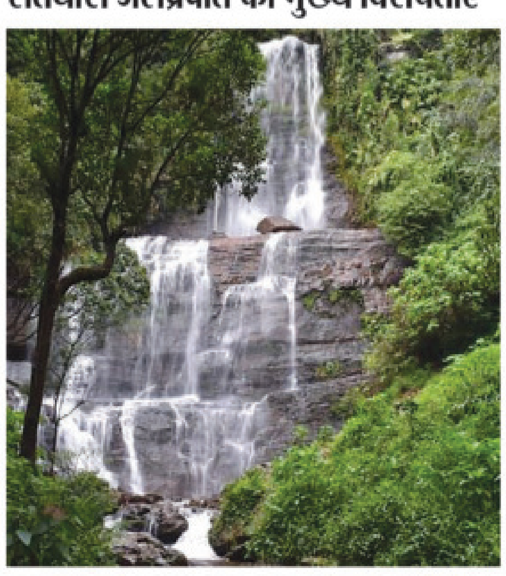

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिंगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्जरलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिड़ियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित है। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती है, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके ह्रदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

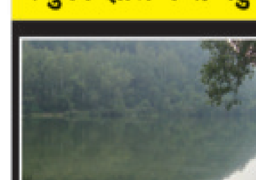

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते है।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रॉयल्स और आरसीबी का मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में उतरते हुए आरसीबी का लक्ष्य घरेलू मैदान पर हार के सिलसिले को तोड़ना होगा। आरसीबी को यहां अभी तक हुए तीनों मैचों में हार मिली है हालांकि टीम अन्य मैदानों पर अच्छे प्रदर्शन के कारण अंक तालिका में शीर्ष चार टीमों में शामिल है। अब तक के मैचों में देखा गया है कि आरसीबी अपने घरेलू मैदान में सहज नहीं रही है और उसके बल्लेबाज और गेंदबाज यहां संघर्ष करते दिखे हैं, उसकी इसी कमजोरी का लाभ रॉयल्स टीम उठाना चाहेगी। रॉयल्स का प्रदर्शन इस सत्र में अच्छा नहीं रहा है और उसके लिए प्लेऑफ में जगह बनाये रखने के लिए ये मैच जीतना जरूरी है। इस मैदान की पिच धीमी है और ऐसे में आरसीबी के बल्लेबाज उस पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। इस मैदान पर आरसीबी एक बार भी 200 रनों तक नहीं पहुंच पायी है।आरसीबी की बल्लेबाजी विराट कोहली पर टिकी है। विराट ने अभी तक इस सत्र में 64 की औसत से रन बनाए हैं पर जीत के लिए कप्तान रजत पाटीदार सहित अन्य बल्लेबाजों फिल साल्ट, देवदत्त पडिक्कल को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के गेंदबाज भी पिच से लाभ नहीं उठा पाये हैं। हार का सिलसिला तोड़ने उसके गेंदबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। आरसीबी के 10 अंक हैं और वह अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। कप्तान संजू सैमसन चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे, ऐसे में टीम की कमानी रियान पराग के पास रहेगी। रॉयल्स के अभी चार अंक हैं और वह अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। उसकी बल्लेबाजी रियान के अलावा यशस्वी

जायसवाल, शिमरोन हेटमायर और नितीश राणा पर टिकी है पर उसके गेंदबाजों का प्रदर्शन अब तक खराब रहा है।

उसकी ओर से अब तक केवल वानिंदु हसरंगा ने ही छह मैच में नौ विकेट लिए हैं पर वह भी एक मैच में ही सफल रहे हैं। टीम के पास संदीप शर्मा के अलावा इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी हैं। स्पिनर के तौर पर श्रीलंकाई स्पिनर महेश थीक्षाना हैं। इस मैच में दोनों ही टीमों जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी पर जिस प्रकार का प्रदर्शन दोनों टीमों का रहा है उसमें आरसीबी हावी रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = रजत पाटीदार (कप्तान), फिल साल्ट, विराट कोहली, लियाम लिविंगस्टन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, यश दयाल, देवदत्त पडिक्कल, रसिख डार सलाम, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, स्वप्निल सिंह, लुंगी एनगिडी, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मोहित राठी, स्वास्तिक चिकारा, अभिनंदन सिंह।

राजस्थान रॉयल्स = रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, नितीश राणा, ध्रुव जुरेल, शिमरोन हेटमायर, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, संदीप शर्मा, तुषार देशपांडे, शुभम दुबे, कुमार कार्तिकेय, युद्धवीर सिंह चरक, कुणाल सिंह राठौड़, आकाश मधवाल, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन।

मोर्गन बोले, कमजोर बल्लेबाजी के कारण हार रही केकेआर

मुम्बई (एजेंसी)। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के पूर्व कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा है कि आईपीएल के 18 वें सत्र में टीम के खराब प्रदर्शन का कारण कमजोर बल्लेबाज रही है। मोर्गन ने कहा, 'केकेआर ने उतनी अच्छी तरह से नहीं खेला है जितनी हम चाहते थे। उसके पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो एक मजबूत टीम के लिए बहुत अच्छा संकेत होता है लेकिन उसे पूरे टूर्नामेंट में एक जैसी परेशानी का सामना करना पड़ा है।' टीम को अपने घरेलू मैदान में भी चार से तीन मैचों में हार मिली है।

उन्होंने कहा, 'गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच की बात करें तो टीम ने बल्लेबाजी क्रम में कुछ बदलाव किए जो जरूरी नहीं थे। अगर वह आराम से बैठकर इस पर विचार करेंगे तो उन्हें भी ये बात समझ आयेगी।' वहीं पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने पारंपरिक शैली में खेलने के लिए गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज बी साई सुदर्शन की प्रशंसा की, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ इस मैच में में 36 गेंदों में 52 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अपनी रन संख्या को 400 के पार पहुंचाया। रायुडू ने कहा, 'उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देख कर बहुत खुशी मिलती है। एक कलात्मक बल्लेबाज के रूप में वह दिखाते हैं कि खेल को अब भी परंपरागत शैली में खेला जा सकता है। वह स्मार्ट क्रिकेट खेलते हैं जिससे रन बनते हैं और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।' सत्र में बल्लेबाजी की समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ घरेलू मैच के लिए केकेआर की तरफ से किए गए बदलाव कारगर नहीं थे। वहीं, पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन की दिल खोलकर तारीफ की है।केकेआर को सोमवार को अपने होमग्राउंड ईडन गार्डन्स में गुजरात टाइटंस से 39 रन से हार का सामना करना पड़ा। इस प्रकार टूर्नामेंट में यह उसकी लगातार दूसरी हार है। यह पिछले 5 मैचों में केकेआर की तीसरी और आठ मैचों में कुल पांचवीं हार थी।

केकेआर को अब प्लेऑफ में पहुंचने जीतने होंगे कम से कम पांच मैच

मुम्बई (एजेंसी)। गत चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन इस बार आईपीएल सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना भी काफी कम हो गयी है। उसे अब तक 8 मैचों में से 3 में ही जीत मिली है जबकि वह पांच मैच हारी है। अंक तालिका में टीम सातवें स्थान पर है। प्ले ऑफ की दौड़ में वह अभी बनी हुई है पर उसे अपने बल पर आगे जाने बचे हुए छह में से पांच मैच मैच जीतने होंगे।

अभी केकेआर के 8 मैच के बाद 6 अंक हैं और वह सातवें नंबर पर है। उससे पीछे सिर्फ तीन टीमें राजस्थान, सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स हैं और उन तीनों के 4-4 अंक है। वहीं 12 अंकों के साथ गुजरात टाइटंस की टीम नंबर एक पर है जबकि 10 अंकों के साथ दिल्ली कैपिटल्स दूसरे नंबर पर है। आरसीबी, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जॉइंट्स के भी 10-10 अंक हैं पर नेट रन रेट के आधार पर ये टीमें क्रमशः तीसरे, चौथे और पांचवें नंबर पर हैं। मुंबई इंडियंस 8 अंकों के साथ छठे पायदान पर है।कोलकाता नाइट राइडर्स को अभी 6 मैच खेलने हैं। उनका अगला मुकाबला 26 अप्रैल को पंजाब किंग्स से है। उसके बाद उन्हें दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और आरसीबी के साथ खेलना है। अगर केकेआर सभी 6 मैच जीत लेती है तो उसे 12 अंक और मिलेंगे। इस तरह 18 अंकों के साथ वह प्लेऑफ में पहुंच सकती है पर अगर वह वह बाकी बचे 6 में से 5 मैच भी जीतती है तो 16 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच सकते हैं। इस तरह उसे प्लेऑफ में पहुंचने के लिए बचे हुए 6 मैचों में से 5 जीतने होंगे पर अगर वह दो मैचों में हारती है तब उसके 14 अंक होंगे और उसके लिए प्लेऑफ में पहुंचना कठिन हो जाएगा। पिछली बार 14 अंक के साथ भी टीमें प्लेऑफ में पहुंची थीं पर इस बार ये कठिन लग रहा है। इसका कारण है कि गुजरात के अभी 12 अंक हैं पर 6 मैच बाकी हैं। वहीं दिल्ली, आरसीबी, पंजाब और लखनऊ की टीमों के पास अभी 10-10 अंक हैं और इन्हें भी कम से सात मैच खेलने हैं। ऐसे में बचे हुए मेचों में जीत से ये टीम कम से कम 16 अंकों तक पहुंच जाएंगी।

7 साल बाद विदेश में जीती जिम्बाब्वे, बंग्लादेश को बनाया निशाना, सिलहट टेस्ट जीता

खेल डैस्क। बांग्लादेश और जिम्बाब्वे के बीच सिलहट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए पहले टेस्ट में जिम्बाब्वे ने तीन विकेट से जीत हासिल की है। यह 2018 के बाद उनकी पहली विदेशी टेस्ट जीत थी। जिम्बाब्वे ने 174 रनों का लक्ष्य हासिल किया जोकि चौथी पारी में चेज किया गया उनका सबसे बड़ा स्कोर था। अब वह दो मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त पर आ गए हैं।

इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। उनकी शुरुआत खराब रही। विक्टर न्याउची ने शदमान इस्लाम (12) और महमूदुल हसन जॉय (14) को जल्दी आउट किया, जबकि ब्लेसिंग मुजरबानी और वेलिंगटन मसाकाद्जा ने तीन-तीन विकेट लिए। मोमिनुल हक की 56 और कप्तान नजमुल हुसैन शांतो की 40 रनों की पारी ने कुछ स्थिरता प्रदान की, लेकिन मध्य क्रम के ढहने से बांग्लादेश 61 ओवर में 191 रन पर सिमट गया। जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट (40*) और बेन कुरेन (17*) ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 14.1 ओवर में 67/0 रन बनाए, जो 124 रन पीछे था।

दूसरे दिन, जिम्बाब्वे की बल्लेबाजी चमकी, जिसमें बेनेट (57) और सीन विलियम्स (59) ने अर्धशतक जड़े। नाहिद राणा की तेज गेंदबाजी और मेहदी हसन मिराज के पांच विकेट (5/52) के बावजूद, जिम्बाब्वे के निचले क्रम, जिसमें न्याशा मायावो (35) और रिचर्ड न्गारावा (28*) शामिल थे, ने महत्वपूर्ण रन जोड़े और 273 रन बनाकर 82 रनों की बढ़त हासिल की। बांग्लादेश की दूसरी पारी की शुरुआत लड़खड़ाई, शदमान जल्दी आउट हुए, लेकिन महमूदुल हसन जॉय (28*) और मोमिनुल हक (15*) ने दिन का खेल 57/1 पर समाप्त किया, जो 25 रन पीछे था।

तीसरे दिन बारिश ने खेल को 44 ओवर तक सीमित कर दिया। बांग्लादेश 194/4 तक पहुंचा, जिसमें शांतो (60*) और जाकर अली (21*) ने महत्वपूर्ण साझेदारी की। मुजरबानी के तीन विकेट, जिसमें जॉय और मोमिनुल (47) शामिल थे, ने जिम्बाब्वे को मुकाबले में बनाए रखा, लेकिन शांतो की जुझारू पारी ने 112 रनों की बढ़त सुनिश्चित की। चौथे दिन, 75 मिनट की बारिश के बाद, जिम्बाब्वे के गेंदबाजों ने शुरुआती झटके दिए। मुजरबानी ने शांतो (60) को दिन की दूसरी गेंद पर आउट किया, और 6/72 के आंकड़े के साथ समाप्त किया, जबकि न्याउची और मसाकाद्जा ने बांग्लादेश को 255 पर समेट दिया। जाकर अली (58) और हसन महमूद (12) ने देर तक टक्कर दी, जिससे जिम्बाब्वे के सामने 174 रनों का लक्ष्य रखा गया।

टारगेट का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे के लिए बेनेट और कुरेन ने मजबूत नींव रखी। हालांकि, मेहदी हसन मिराज के दूसरे 5 विकेट हॉल ने 161/7 पर जिम्बाब्वे को संकट में डाल दिया। वेस्ली मधेवेरे (14*) और नंबर 9 रिचर्ड न्गारावा (4*) ने धैर्य बनाए रखा, और मधेवेरे के रिवर्स-स्वीप ने 49.4वें ओवर में जीत दिलाई। मुजरबानी के 9/122 के प्रदर्शन ने उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिलाया।

राहुल ने वार्नर को पीछे छोड़ा, सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

लखनऊ ।दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे तेज 5000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं।राहुल ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मैच में अपनी नाबाद 57 रनों की पारी के दौरान अपने 5000 रन पूरे किये। राहुल ने इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 130 पारियां खेलीं। इससे पहले ये रिकार्ड डेविड वॉर्नर के नाम नाम था। वार्नर ने 135 पारियों में अपने 5000 रन पूरे किये थे। वहीं विराट कोहली ने 157, एबी डिविलियर्स ने 161 और शिखर धवन ने 168 मैचों में ये आंकड़ा हासिल किया है।राहुल ने अपनी पुरानी टीम सुपर जायंट्स के खिलाफ 40 गेंदों में तीन चौकों और 3 छक्कों की मदद से अर्धशतक बनाया।उन्होंने प्रिंस यादव की गेंद पर छक्का लगाकर मैच में अपनी टीम को जीत दिलायी।राहुल इस सत्र में अच्छे फॉर्म में हैं, वह सबसे तेजी से 200 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज हैं।उनसे आगे केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल और आंद्रे रसेल हैं।राहुल इस सत्र में 155.67 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है।इस खिलाड़ी ने आठ पारियों में 359 रन बनाए हैं।

फ्लेमिंग ने की आयुष की प्रशंसा

मुम्बई ।चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने रुतुराज गायकवाड़ की जगह शामिल युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की जमकर प्रशंसा की है।आयुष ने लीग में अपने पहले ही मैच में शानदार प्रदर्शन कर सबको प्रभावित किया है। आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में म्हात्रे को कोई खरीदार नहीं मिला था पर रुतुराज के बाहर होने के कारण उन्हें मौका दिया गया।आयुष ने अपने डेब्यू में शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 गेंदों पर 32 रन बनाए, जिसमें 213.33 की स्ट्राइक रेट के साथ 4 चौके और 2 छक्के शामिल थे।फ्लेमिंग ने कहा कि प्रशिक्षण सत्रों में कुछ खिलाड़ी शामिल हुए और म्हात्रे सबसे अलग थे।नेट्स में खिलाड़ी का सही आकलन करना कठिन होता है, लेकिन उनके कौशल और शांत स्वभाव ने हमें प्रभावित किया।धोनी और मैं उनके ट्रायल के प्रदर्शन से बहुत खुश थे। जब मौका आया, तो उन्हें शामिल करना आसान था।फ्लेमिंग ने आगे कहा कि गायकवाड़ की चोट और अन्य खिलाड़ियों के खराब फॉर्म के कारण उन्हें लाना आसान फैसला था।वानखेड़े में इस युवा ने शुरुआत से खेला है इससे वह यहां बल्लेबाजी को लेकर सहज था।17 साल की उम्र में म्हात्रे सीएसके के लिए आईपीएल में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने 2008 में 18 साल और 139 दिन की उम्र में डेब्यू करने वाले अभिनव मुकुंद का रिकॉर्ड तोड़ा। हालांकि, सीएसके का आईपीएल 2025 सीजन निराशाजनक रहा है और 8 मैचों में दो जीत के साथ टीम अंक तालिका में दसवें स्थान पर है।

अय्यर और ईशान को केंद्रीय अनुबंध मिलने पर रवि शात्री की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को हाल ही में पुरुषों की केंद्रीय अनुबंध सूची में फिर से शामिल किया गया है। अय्यर और किशन दोनों को घरेलू खेल नहीं खेलने के कारण वार्षिक अनुबंध के पिछले संस्करण में बाहर रखा गया था, लेकिन हाल ही में उन्हें 2024/25 सत्र के लिए सूची में वापस लाया गया।

शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगा कि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को फिर से टीम में देखना अच्छा रहेगा, क्योंकि जो कुछ हुआ वह टीम प्रबंधन, बीसीसीआई और इसमें शामिल व्यक्तियों के बीच था। मुझे खुशी है कि संवाद हुआ, चीजें सुलझ गईं और उन्हें उनके अनुबंध वापस मिल गए। विशेष रूप से श्रेयस अय्यर, जिस तरह से उन्होंने पिछले 18 महीनों में भारत के लिए खेला है और वह खेल के सफेद गेंद प्रारूप, विशेष रूप से एक दिवसीय प्रारूप में एक पूर्ण निश्चितता की तरह बन गए हैं, और जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में खेला, वह मान्यता की मांग करता है।'

शास्त्री ने कहा, 'उन्होंने सचमुच दरवाजा खटखटाया, लेकिन उन्हें फटकार लगाई गई। उन्हें कई बार ऐसी फटकार लगाई गई, जिसकी जरूरत होती है, लेकिन मुझे खुशी है कि सब ठीक है।' 30 वर्षीय अय्यर दुबई में 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारत की जीत में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे, जिन्होंने 48.6 की औसत से 243 रन बनाए और चौथे नंबर पर टीम की मजबूत चट्टान रहे।

शास्त्री ने अय्यर द्वारा अपनी तकनीक में किए गए बदलावों पर विस्तार से बात की, जिसने उन्हें 50 ओवर के क्रिकेट में बड़ी सफलता दिलाई। पूर्व मुख्य कोच ने कहा, 'वह बहुत साइड ऑन, और बैक था, बहुत ज्यादा लेग-साइड। तथ्य यह है कि वह अब बहुत सीधे रुख और पिक अप के साथ पीछे और पार जाने के लिए तैयार है। अगर वे शॉर्ट में खेलते हैं, तो वह पुल और हुक कर सकते हैं। और अगर ऑफ स्टंप के बाहर कोई जगह है, तो वह कट भी कर सकते हैं। इसलिए यह उनके लिए खेल को खोलता है, न कि बहुत लेग-साइड होने के बजाय, जहां रिब केज को निशाना बनाया जा रहा था और फिर कोई बच नहीं सकता था।' शास्त्री ने कहा, 'अब उनके पास दोनों तरफ जाने के लिए जगह है और वह गेंद को अच्छी तरह से पकड़ लेते हैं। उनके हाथ अच्छे हैं और जब वह जल्दी से सही स्थिति में आ जाते हैं, तो वह विनाशकारी हो सकते हैं, जैसा कि वह अभी बल्लेबाजी करते समय दिखा रहे हैं।'

अय्यर वर्तमान में आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स का नेतृत्व कर रहे हैं, जहां उन्होंने 8 मैचों में 43.83 की औसत से 263 रन बनाए हैं। भारत का अगला प्रमुख कार्य 20 जून से शुरू होने वाला इंग्लैंड का पांच मैचों का टेस्ट दौरा है। फरवरी 2024 में विशाखापत्तनम में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा टेस्ट खेलने के बाद से अय्यर ने टेस्ट स्तर पर प्रदर्शन नहीं किया है,

लेकिन शास्त्री का मानना है कि दाएं हाथ के बल्लेबाज के पास वापसी का एक बाहरी मौका है।

शास्त्री ने कहा, 'श्रेयस अय्यर ने जिस तरह से पिछले 18 महीनों में भारत के लिए खेला है और खासकर सफेद गेंद प्रारूप में, एक पूर्ण निश्चितता बन गए हैं। वह (टेस्ट क्रिकेट के लिए वापसी कर सकते हैं) लेकिन यह फिर से एक प्रतियोगिता होने जा रही है। सफेद गेंद, निश्चित (चयन)। टेस्ट क्रिकेट, (हमें) देखना होगा कि अन्य खिलाड़ी कौन हैं।'

जब निचले क्रम पर बल्लेबाजी के लिए भेजने से जहीर पर भड़के ऋषभ

लखनऊ(एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में बल्लेबाजी के लिए निचले क्रम पर भेजे जाने से बेहद नाराज दिखे। इस मैच में सुपर जायंट्स को हार का भी सामना करना पड़ा है। मैच के बाद का एक विडियो भी आया है इसमें वह टीम के मेंटर जहीर खान पर नाराज होते दिखे हैं। इसमें ऐसा लगा मानो वो कह रहे हों कि मुझे पहले भेजना था। इस मैच में जब निकोलस पूरन 12वें ओवर में आउट हुए तो सभी उम्मीद थी कि ऋषभ बल्लेबाजी करने आएंगे पर उनकी जगह पर अब्दुल समद को भेजा गया जबकि वह तैयार थे। इसके बाद जब समद और मिचेल मार्श भी जल्दी आउट हो गए, तब भी कप्तान नहीं आए। डेविड मिलर और आयुष बडोनी को उनसे पहले भेजा गया। वह अंत में 7वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और दो गेंदों पर आउट हो गए। उन्होंने मुकेश कुमार की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर असफल रहे। अगली गेंद पर उन्होंने रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे स्टंप पर जा लगी। इस वजह से वह गुस्से में दिखाई दिए। पूर्व भारतीय क्रिकेटरों अनिल कुंबले और सुरेश रैना ने भी कहा कि उनकी निराशा का कारण उनका देर से बल्लेबाजी के लिए भेजा जाना था। मैच के बाद उन्होंने कहा कि मुझे अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करना होगा। आउट होने के बाद वह गुस्से में पवेलियन लौट गए। उनका गुस्सा साफ नजर आ रहा था। कुंबले और रैना ने कहा कि ऋषभ की निराशा का कारण उनका देर से बल्लेबाजी करने आना था। कुंबले ने कहा अगर आप कम दबाव में बल्लेबाजी करना चाहते थे तो देर से आना ठीक है, लेकिन यह बहुत देर हो गई। ऋषभ जिस तरह से निराश दिख रहे हैं, उससे साफ है कि उनके साथ गलत हुआ है। आउट होने के बाद उन्हें जहीर से बात करते हुए भी देखा गया।

शिवम तमिलनाडु के 10 उभरते हुए खिलाड़ियों को 70-70 हजार रुपए देंगे

चेन्नई ।क्रिकेटर शिवम दुबे ने तमिलनाडु के 10 उभरते हुए खिलाड़ियों को 70-70 हजार रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से खेलने वाले शिवम ने कहा कि उभरते हुए खिलाड़ियों को वह अपनी ओर से छोटी सी सहायता देना चाहते हैं। शिवम की ओर से ये पुरस्कार टीएनएसजेए द्वारा दी जाने वाली 30,000 रुपए की छात्रवृत्ति के अतिरिक्त दिया जाएगा।शिवम ने कहा, 'यह (कार्यक्रम) यहां के कुछ युवाओं की सहायता करने का एक प्रयास है।इससे सभी युवा एथलीटों का हौसला बढ़ेगा।इस कार्यक्रम में सीएसके के मुख्य कार्यकारी अधिकारी काशी विश्वनाथन भी शामिल थे।शिवम ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से युवा एथलीटों को देश का नाम रोशन करने की प्रेरणा मिलेगी।उन्होंने कहा, 'ये चीजें उन्हें कड़ी मेहनत करने और देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रेरित करती हैं।मुझे अन्य राज्यों के बारे में पता नहीं है पर मैंने मुंबई में ऐसे कार्यक्रम देखे हैं।मैं निश्चित रूप से अन्य राज्यों को भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने के लिए कहूंगा।दुबे ने कहा, '' 30,000 रुपये की राशि काफी कम है पर यह प्रोत्साहन के रूप में काम करती है।साथ ही कहा कि जब आप उभरते हुए खिलाड़ी होते हैं, तो हर पैसा और हर पुरस्कार अपनी आप में अहम स्थान रखता है।जिन उभरते हुए खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया उनमें पीबी अभिनंद (टेबल टेनिस), केएस वेनिसा श्री (तीरंदाजी), मुथुमीना वेल्लासामी (पैरा एथलेटिक्स), शमीना रियाज (स्क्वैश), जयंत आरके, एस नंदना (दोनों क्रिकेट), कमली पी (सर्फिंग), आर अबिनया, आरसी जितिन अर्जुनन (दोनों एथलेटिक्स), और ए तक्षनाथ (शतरंज) का नाम भी शामिल है।

पूरन ने की प्रशंसक से मुलाकात कर हस्ताक्षर वाली टोपी उपहार में दी

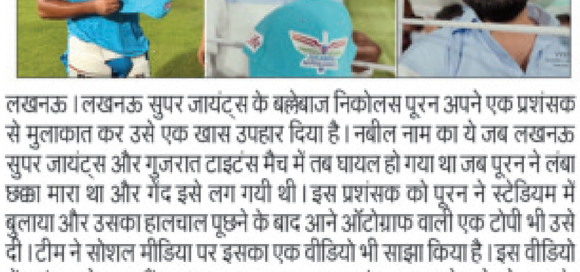

लखनऊ ।लखनऊ सुपर जायंट्स के बल्लेबाज निकोलस पूरन अपने एक प्रशंसक से मुलाकात कर उसे एक खास उपहार दिया है।नबील नाम का ये जब लखनऊ सुपर जायंट्स और गुजरात टाइटंस मैच में तब घायल हो गया था जब पूरन ने लंबा छक्का मारा था और गेंद इसे लग गयी थी।इस प्रशंसक को पूरन ने स्टेडियम में बुलाया और उसका हालचाल पूछने के बाद आने ऑटोग्राफ वाली एक टोपी भी उसे दी।टीम ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी साझा किया है।इस वीडियो में प्रशंसक ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, पूरन सर ने मुझे फोन करके यहां बुलाया है।मैं उनसे मिला और उन्होंने पूछा कि क्या मैं ठीक हूं।मैं भी खेल के लिए आ रहा हूं।इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे चोट लगी है पर हमारी लखनऊ टीम को जीतते रहना चाहिए।हमारी टीम ने उस दिन जीत हासिल की, इसी बात से मुझे खुशी हुई है।यह हमारी टीम है, ट्रॉफी हमारा सपना है।वहीं पूरन ने इस बार आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करते हुए अब तक 9 मैचों में 368 रन बनाए हैं और वह सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं।

पहलगाम आतंकी हमले से आहत भारतीय खेल जगह, खिलाड़ियों ने व्यक्त किया शोक, कई प्लेयर्स गुस्से में

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा और पीवी सिंधु तथा दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय खेल जगत ने पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले पर शोक व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

चोपड़ा ने एक्स पर लिखा, 'जम्मू-कश्मीर में हुए दुखद हमले से दिल दहल गया है। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं।'

सिंधु ने भी एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए मेरा दिल दुखता है। इतना दर्द। इतना नुकसान। कोई भी किसी भी कारण से ऐसी क्रूरता को उचित नहीं ठहरा सकता। पीड़ित परिवारों का दुख शब्दों से परे है, लेकिन आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ हैं।'

तेंदुलकर ने लिखा, 'प्रभावित परिवार एक अकल्पनीय परीक्षा से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। हम लोगों की मौत पर शोक मनाते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं।'

विराट कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया, 'पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को शांति और शक्ति मिले और उन्हें क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।'

इसी तरह की भावनाएं जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने भी व्यक्त कीं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया जिसमें उन्होंने न्याय की गुहार लगाई। सिराज ने लिखा, 'धर्म के नाम पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह से गलत है। यह कैसी लड़ाई है जहां इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन जल्द ही खत्म होगा और इन आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा।'

भारत के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कड़े शब्दों में एक पोस्ट लिखा, जिसमें पाकिस्तान के साथ सभी खेल संबंधों को खत्म करने की मांग की गई। गोस्वामी ने लिखा, 'और यही कारण है कि मैं कहता हूं - आप पाकिस्तान के साथ क्रिकेट न खेलें। अभी नहीं। कभी नहीं। जब बीसीसीआई या सरकार ने पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत को भेजने से इनकार कर दिया, तो कुछ लोगों ने यह कहने का साहस किया, ओह, लेकिन खेल को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। निर्दोष

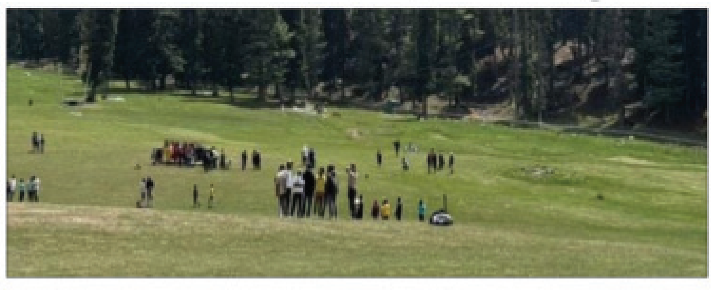

भारतीयों की हत्या करना पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल लगता है और भारत को इसका जवाब बल्ले या गेंद से नहीं बल्कि शून्य सहिष्णुता के साथ देना चाहिए।'

भारत ने 2012-13 से पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं खेला है और बीसीसीआई ने इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मुक्केबाज और भाजपा सदस्य विजेंदर सिंह ने भी कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, 'आने वाले समय में हमारे वीर जवान इस कायरतापूर्ण हमले का मुंहतोड़ जवाब जरूर देंगे। भारत माता के वीर सपूतों की मौजूदगी में जो लोग जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करना चाहते हैं, उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।'

एक नजर

जॉर्डन में मुस्लिम ब्रदरहुड पर प्रतिबंध संपत्तियां जब्त

अम्मान : जॉर्डन सरकार ने देश की प्रमुख विपक्षी संस्था मुस्लिम ब्रदरहुड को बुधवार को आधिकारिक रूप से अवैध संगठन घोषित कर दिया है। गृह मंत्री माजेन फ्राया ने बताया कि संगठन के कुछ सदस्यों के ृसाजिश रचने की गतिविधियोंृ से जुड़े पाए जाने के बाद यह कदम उठाया गया है। सरकार ने संगठन की सभी संपत्तियां और कार्यालय भी जब्त कर लिए हैं। मुस्लिम ब्रदरहुड दशकों से जॉर्डन में कानूनी रूप से काम करता रहा है और देश के कई प्रमुख शहरों में इसकी मजबूत जनाधार और उपस्थिति रही है। हालांकि, इस ताजा फैसले के बाद संगठन की सभी गतिविधियों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। गृह मंत्री फ्राया ने स्पष्ट किया कि अब कोई भी व्यक्ति जो मुस्लिम ब्रदरहुड की विचारधारा का प्रचार करता है, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में एक नवंबर से नहीं प्रवेश कर सकेंगे बीएस छह से कम मानक वाले वाणिज्यिक वाहन

एजेंसी

नई दिल्ली : राजधानी में प्रदूषण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एक नवंबर से बीएस छह से कम मानक वाले ट्रकों एवं वाणिज्यिक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक और डीजल की सिर्फ बीएस-6 बसें, ट्रकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को एक नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-श्क् सीएनजी, एलएनजी और आईएलवी के अलावा सभी परिवहन, वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवाई, एमजीवी और एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पंजीकृत बीएस 6 मानक से कम वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। इस निर्देश को दिल्ली से सटे सभी राज्यों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है। बुधवार को सीएक्यूएम द्वारा दिल्ली से सट सभी राज्यों को जारी अपने निर्देश में कहा कि एक जुलाई 2025 से 10 साल से ऊपर वाली डीजल गाड़ियां और 15 साल से ऊपर वाली गाड़ियों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित एएनपीआर कैमरों या अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से ऐसी गाड़ियों की पहचान की जाएगी और ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा। आयोग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि दिल्ली में ट्रकों के 126 सीमा प्रवेश बिंदुओं पर सख्ती से इस नियम को लागू किया जाएगा। इसके अलावा, एनसीआर में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर स्थित एनएचएआई के 52 टोल प्लाजा को वाहन डेटाबेस से जुड़े एएनपीआर कैमरे प्रदान किए गए हैं, जो विभिन्न मापदंडों के संबंध में वाहनों की पहचान करने में मदद करेंगे। बीओएल वाहनों की पहचान' वैध पंजीकरण, फिटनेस, पीयूसी, परमिट और बीमा से किया जाएगा। यह निर्देश सर्दियों में दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआईआईएपी) के तहत निदेशों की समय समय पर समीक्षा भी की जाती है। उल्लेखनीय है कि ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे और चौथे चरण के प्रतिबंध लगते ही बीएस तीन मानकों वाले पेट्रोल से चलने वाले वाहन और बीएस चार मानकों वाले डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक लग जाती है। सर्दियों के दौरान स्थिति और भी खराब हो जाती है। इससे निपटने के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रदूषण को रोकने के लिए GRAP प्रतिबंध लगाए जाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

ऐक्ट्रेस ईशा पाठक ने कैमरे के पीछे की चुनौतियों को किया साझा

मुंबई : टीवी की चमक-धमक वाली दुनिया बाहर से भले ही परफेक्ट लगती हो, लेकिन पर्दे के पीछे की कहानी कुछ और ही होती है। 'रिश्तों से बंधी गौरी' में गौरी का किरदार निभा रहीं एक्ट्रेस ईशा पाठक ने एक्टिंग से जुड़ी कई बातों का खुलासा किया। ईशा पाठक कहती हैं,एक एक्टर होना उतना आसान नहीं है, जितना लोग सोचते हैं। मेरे कुछ दोस्त जो इस इंडस्ट्री से नहीं हैं, वो अक्सर बोलते हैं तू तो कितनी लकी है, तेरा तो काम मस्ती भरा है। उन्हें लगता है कि हमारा मेकअप, हेयर और कॉस्ट्यूम कोई और करता है, तो बस हमें कैमरे के सामने आकर एक्टिंग करनी होती है। लेकिन सच्चाई ये है कि 'सिर्फ एक्टिंग' ही सबसे कठिन हिस्सा होता है। हर दूसरा डिपार्टमेंट अपना काम करके चला जाता है, लेकिन हम एक्टर्स को वो किरदार, उसकी भावनाएं और लुक घंटों तक कैरी करना होता है। ईशा ने यह भी बताया कि फिजिकल मेहनत के साथ-साथ मानसिक और भावनात्मक दबाव भी होता है। कई बार मुझे कोई भारी लहंगा पहनने में मदद कर देता है, लेकिन उस लहंगे को घंटों तक संभालकर परफॉर्म करना मेरी जिम्मेदारी होती है। उसके बाद क्विक चेंजेस, रीटेक्स और फिर भी हर बार उसी इमोशन के साथ एक्ट करना यह सब आसान नहीं होता। हमें डायलॉग याद रखने होते हैं, फोकस बनाए रखना होता है और अपने पर्सनल इमोशन्स को किनारे रखकर किरदार के इमोशन्स को निभाना होता है। बारह-बारह घंटे की शूटिंग में अपने किरदार में बने रहना आसान नहीं होता। इसके लिए असली डिसिप्लिन और इमोशनल स्ट्रेंथ चाहिए होती है। इस वक्त मैं सिर्फ ईशा नहीं हूं, मैं गौरी हूं और उस सोच को अपनाना ही अपने आप में एक चैलेंज होता है। आखिर में ईशा ने कहा,जो लोग सोचते हैं कि एक्टिंग आसान है, मैं उनसे बस इतना कहूँगी कि एक दिन की शूटिंग कर लो, फिर समझ आएगा कि हम ऐक्टर्स किन हालातों में काम करते हैं।

दु:खद घड़ी में शुभम के परिवार के साथ खड़ी है यूपी सरकार : योगी

एजेंसी

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स पर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले में कानपुर जिले के मृत शुभम द्विवेदी के निधन को अत्यंत दुःखद बताया। उन्होंने शुभम को श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने दूरभाष से दिवंगत शुभम के पिता संजय द्विवेदी से बात कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि दुःख की इस घड़ी में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी प्रतिबद्धता से परिवार के साथ खड़ी है। उन्होंने हर संभव सहायता का आश्वासन भी दिया। सीएम ने प्रदेश के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि शुभम द्विवेदी के पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके गृह जनपद कानपुर के पैतृक आवास तक पहुंचाया जाए। उन्होंने प्रभु श्री राम से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम हिंसा में आतंकवादियों की गोली का शिकार हुए शुभम द्विवेदी के घर शोक का माहौल है। अभी दो महीने पहले ही 12 फरवरी को उनकी शादी हुई थी। मंगलवार को पहलगाम में आतंकियों ने शुभम को उनकी पत्नी के सामने ही गोली मार दी। शुभम के पिता संजय द्विवेदी सीमेंट के कारोबारी हैं।

एअर इंडिया व इंडिगो ने श्रीनगर मार्ग की टिकटों के रद्दीकरण व पुननिर्धारण शुल्क किया माफ

नई दिल्ली : पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर में मौजूदा स्थिति के मद्देनजर नागरिक उड्डयन विमान किरायों पर नजर रख रहा है। मंत्रालय ने बैठक कर एयरलाइन कंपनियों को सख्त निर्देश दिए हैं। इसके बाद विमानन कंपनियां एअर इंडिया और इंडिगो एयरलाइंस ने श्रीनगर से दिल्ली और मुंबई के लिए विशेष उड़ानें संचालित की हैं। इसके साथ ही एयरलाइनों ने टिकट पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण शुल्क भी माफ कर दिया है। एअर इंडिया और इंडिगो ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट के जरिए बताया कि आज श्रीनगर से दिल्ली और मुंबई के लिए दो अतिरिक्त उड़ानें संचालित की जा रही हैं। इस तरह एअर इंडिया और इंडिगो एयरलाइंस श्रीनगर से दिल्ली और मुंबई के लिए कुल चार अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेंगी। एअर इंडिया की ये फ्लाइट्स श्रीनगर से दिल्ली के लिए सुबह 11.30 बजे तथा श्रीनगर से मुंबई के लिए दोपहर 12.00 बजे उड़ानें संचालित की हैं। इसके साथ ही एयरलाइन इन क्षेत्रों पर 30 अप्रैल तक कन्फर्म बुकिंग वाले अपने यात्रियों को नि:शुल्क पुनर्निर्धारण और रद्दीकरण पर पूरा रुपया वापस करने की पेशकश की है। इंडिगो एयरलाइन ने भी एक बयान जारी कर कहा कि श्रीनगर में उत्पन्न स्थिति को देखते हुए उसने यात्रा के लिए पुनर्निर्धारण या रद्दीकरण की छूट 30 अप्रैल तक बढ़ा दी है, जो 22 अप्रैल यानी उससे पहले की गई बुकिंग पर लागू थी। एयरलाइन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, इसके अतिरिक्त हम आज श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए दो अतिरिक्त उड़ानें संचालित कर रहे हैं, जिनमें से एक दिल्ली और एक मुंबई से है। अकासा एयर ने भी 23 से 29 अप्रैल के बीच श्रीनगर से/के लिए रवाना होने वाली सभी उड़ानों की टिकट रद्द करने पर पूरा पैसा वापस करने का ऐलान किया है। एक्स पोस्ट पर एक बयान में कहा, ग्राहक अपनी मूल तिथि से सात दिन के अंदर यात्रा के लिए जुमार्ना या किराया अंतर की छूट सहित बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के अपना पहला कार्यक्रम परिवर्तन कर सकते हैं।

वक्फ संशोधन बिल से मुसलमान और इस्लाम की इज्जत बढ़ेगी : इन्द्रेश कुमार

लखनऊ : तीन दिवसीए दौरे पर लखनऊ आये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इन्द्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल वक्फ बोर्ड को माफिया से मुक्ति का पैगाम है। अभी तक वक्फ बोर्ड माफियाओं के हाथ में था। अब माफियाओं से मुक्त हो जायेगा। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में कहा कि वक्फ संशोधन बिल आने से वक्फ बोर्ड में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। इसलिए महिला सशक्तीकरण इससे बढ़ेगा। महिला सशक्तीकरण से मुसलमान और इस्लाम की इज्जत बढ़ेगी। इन्द्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल वेलफेयर का प्रतीक बनेगा न कि धोखेबाजी का। वक्फ संशोधन बिल आने से मुसलमानों के साथ सौतेला व्यवहार नहीं होगा। मुसलमानों का कहना है कि वक्फ बोर्ड पर केवल सुन्नियों का कब्जा हैं। कमजोर वर्ग के मुसलमानों के लिए वक्फ बोर्ड में कुछ नहीं हैं। वक्फ खुदा के नाम से संपत्ति मानी जाती है। परन्तु संशोधन से यह तय हो गया कि खुदा के नाम से संपत्ति का कोई विवरण न होने के कारण इसका मतलब खुदा के कामकाज के साथ भी बेईमानी है। अब सब कुछ पारदर्शी होगा। खुदा के नाम से जो संपत्ति है, उसमें बेईमानी नहीं होनी चाहिए। उसका हिसाब किताब साफ सुथरा होना चाहिए। वक्फ की संपत्ति से जो इन्कम है, वह अन्य कामों से इन्कम है। उसके द्वारा सामाजिक काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत वसुधवै कुटुम्बकुम वाला देश है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं । हमारा दृष्टिकोण हमेशा से यह रहा है कि धर्म, जाति और सम्प्रदाय से ऊपर उठकर केवल इंसानियत की सेवा करें, हमें यह समझने की जरुरत है कि हम सभी इन्सान हैं और इंसानियत सबसे बड़ी प्राथमिकता है। वक्फ बोर्ड की जमीन पूरी तरह से अल्लाह की इबादत के लिए समर्पित हो गई हो और उस पर किसी प्रकार का विवाद, जबरन कब्जा यह गैर कानूनी है। इस कानून से जहाँ अल्पसंख्यक कल्याण का नया अध्याय शुरू होगा।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**